जबलपुर
सोमवार, 1 सितंबर 2025

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

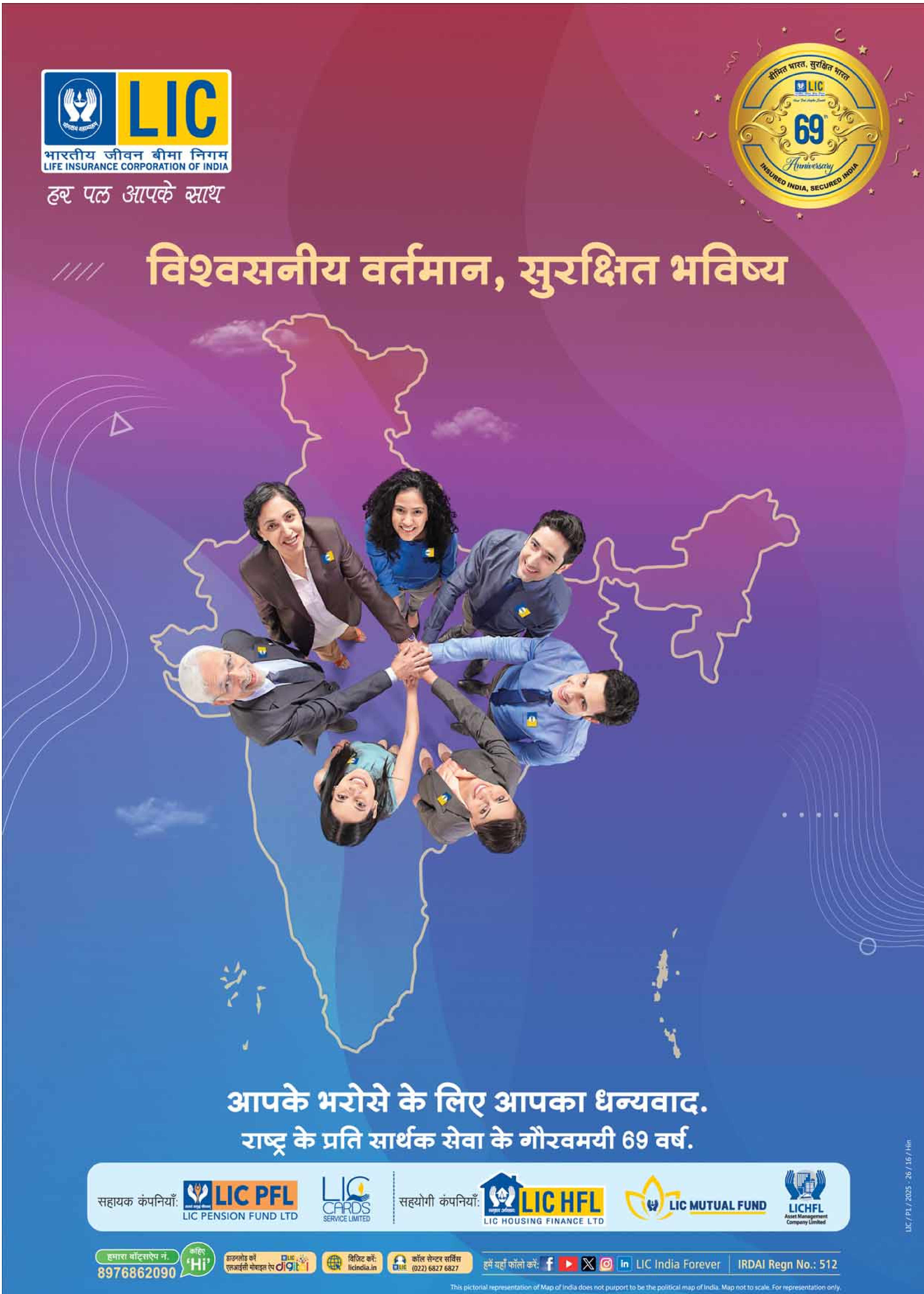

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, सोमवार 1 सितंबर 2025

‘मन की बात’ के 125वें एपिसोड में पीएम मोदी का आह्वान

‘वोकल फॉर लोकल’ से ही बनेगा आत्मनिर्भर भारत, गर्व से कहो, ये स्वदेशी है

उपहार वही हो- जो भारत में बना हो, पहनावा वही हो-जो भारत में बुना हो, सजावट वही हो-जो भारतीय सामान से हो, और रोशनी वही हो-जो भारत में बनी झालरों से हो

स्वदेशी अपनाने से न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान भी और सशक्त बनेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 125वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने गणेशोत्सव और आने वाले सभी त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खासतौर पर स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और स्वच्छता अभियान पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि त्योहारों में हमें उपहार, पहनावा, सजावट और रोशनी सब कुछ भारत में बने सामान से ही लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्व से कहो, ये स्वदेशी है।

पीएम मोदी ने ‘मन की बात’ में किया जिक्र

फुटबॉल खिलाड़ियों को जर्मनी में मिलेगा प्रशिक्षण

पीएम मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के विचारपुर गांव का उल्लेख करते हुए स्थानीय खिलाड़ियों के लिए बड़ी खुशखबरी दी। प्रधानमंत्री ने बताया कि जर्मनी के एक फुटबॉल कोच ने शहडोल के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई है। इसके तहत जल्द ही यहां के चार खिलाड़ी जर्मनी की एक अकादमी में ट्रेनिंग के लिए भेजे जाएंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आदिवासी भाषाओं के लिए आदि वाणी एप की लांचिंग

रांची। जनजातीय कार्य मंत्रालय की पहल पर आदिवाणी एप बनाया गया है। एक सितंबर को इस ऐप की लांचिंग होने वाली है। यह एप एक एआइ प्लेटफॉर्म में है, जिससे भाषा के संरक्षण और संवर्धन में काफी मदद मिलेगी। इसके जरिये आदिवासी भाषाएं डिजिटल और ग्लोबल होंगी। आदिवासी भाषाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

भारतीय हॉकी टीम की लगातार दूसरी जीत

राजगीर। बिहार के राजगीर में खेले जा रहे एशिया कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने अपने दूसरे पूल मुकाबले में जापान को 3-2 से हरा दिया। रविवार को भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (5वें मिनट और 46वें मिनट) ने दो गोल दागे। वहीं मनदीप सिंह (4वें मिनट) एक गोल करने में सफल रहे।

मोइत्रा के खिलाफ छग में एफआईआर

रायपुर। रायपुर में टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर विवादित टिप्पणी की। यह मामला रायपुर के माना कैंप पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ। गोपाल सामंतो ने की। कहा गया है कि टिप्पणी से लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान हुआ है और ऐसा बयान समाज में नफरत फैलाने वाला है।

टिक-टॉकः जॉब ओपनिंग निकाली

गुरुग्राम। भारत में प्रतिबंधित शॉर्ट वीडियो एप टिक टॉक ने चुपचाप अपने गुरुग्राम ऑफिस में नई हायरिंग शुरू कर दी है। लिंक्डइन पर एक नई नौकरी की पोस्टिंग देखी गई है, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या एप भारतीय बाजार में वापसी की तैयारी कर रहा है? भारत ने 2020 में इस चीनी एप पर पाबंदी लगा दी थी। गुरुग्राम ऑफिस के लिए दो जॉब ओपनिंग पोस्ट की है।

31 वां एससीओ सम्मेलन : भारत-चीन व रूस की अमेरिका को दोस्ती पड़ेगी भारी, अब तीनों महाशक्तियों की साथ आने की तैयारी

लगभग 1 घंटे चली मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस नतीजे पर पहुंचे

भारत और चीन के लिए दोस्त बनना ही सही सीमा विवाद से न हो आपसी रिश्तों की पहचान

दस महीनों में जिनपिंग के साथ दूसरी मुलाकात, पिछली मुलाकात रूस के कजान शहर में हुए ब्रिक्स 2024 सम्मेलन में हुई थी

1 ***बोले शी-* ड्रैगन (चीन) और एलीफेंट (भारत) का साथ-साथ काम करें, भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी, दोनों देश एक-दूसरे के विकास के अवसर हैं, खतरा नहीं**

2 ***बोले मोदी :* आपसी सम्मान और भरोसे से रिश्ते को आगे ले जाने के लिए भारत प्रतिबद्ध, दोनों देश एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हैं**

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के तिआनजिन में हैं। वे सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में हिस्सा लेंगे। रविवार को एससीओ देश के नेताओं का ग्रुप फोटो सेशन हुआ। इसमें पीएम मोदी, शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन और शहबाज शरीफ एक मंच पर नजर आए। वहीं, समिट के इतर पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। ये मुलाकात लगभग 1 घंटे तक चली। हालांकि, ये मुलाकात 55 मिनट के लिए तय थी। इस दौरान जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन के लिए दोस्त बनना ही सही विकल्प है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों से खतरा इसलिए महसूस हो रहा है क्योंकि रेयर अर्थ पर इन देशों का कब्जा है। दुनिया के आधे से ज्यादा रेयर अर्थ रिजर्व चीन के पास हैं और वही सबसे बड़ा सप्लायर है

इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ

एससीओ के सदस्य देशों का ग्रुप फोटो

बोले पीएम मोदी

भारत और चीन के बीच सीमा प्रबंधन पर सहमति बनी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा प्रबंधन पर सहमति बनी है, कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीधी उड़ानों पर भी प्रगति हुई है। इससे 2.8 अरब लोग जुड़े हैं और इसका लाभ पूरी मानवता को मिलेगा। उन्होंने आपसी सम्मान और भरोसे को आगे बढ़ाने पर जोर दिया और चीन को एससीओ की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हैं और रिश्तों को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने जिनपिंग के साथ बैठक में आतंकवाद का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

जिनपिंग ने कहा

भारत-चीन को रणनीतिक संवाद और आपसी विश्वास मजबूत करना होगा

पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान जिनपिंग ने कहा कि हमें अच्छे पड़ोसी, भरोसेमंद साझेदार और ऐसे मित्र बनना चाहिए जो एक-दूसरे की सफलता में सहयोगी हों। ड्रैगन (चीन) और एलीफेंट (भारत) का साथ-साथ काम करना दोनों देशों के लिए सही विकल्प है। उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों को दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। इस वर्ष दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ है, ऐसे में रिश्तों को स्थिर और रचनात्मक बनाए रखने की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

ट्रंप को जाएगा सीधा संदेश...नहीं झुकेगा हमारा देश

पीएम मोदी-जिनपिंग की बैठक रविवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे) शुरू हुई। मोदी और जिनपिंग की बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत और चीन के रिश्तों में कुछ नरमी आई है। यह पीएम मोदी का सात साल बाद चीन का पहला दौरा है और दस महीनों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी दूसरी मुलाकात। पिछली मुलाकात रूस के कजान शहर में हुए ब्रिक्स 2024 सम्मेलन के दौरान हुई थी। मोदी-शी की मुलाकात इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि हाल ही में अमेरिका और भारत के रिश्तों में खटास आई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है।

48 सुरंग, 142 ब्रिज, 8000 करोड़ लागत

पहाड़ों को ‘चीरकर’ मिजोरम में बनाई गई 51 किमी लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन

भारतीय रेलवे का इंजीनियरिंग चमत्कार

आइज़ोल और सिलचर के बीच 7 घंटे की यात्रा अब 3 घंटे में

राजधानी आइज़ोल आज़ादी के बाद पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक राज्य ऐसा है जो अब तक रेल सेवा से नहीं जुड़ा था। दरअसल, मिज़ोरम, भारत के पूर्वोत्तर में स्थित सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है लेकिन रेल नेटवर्क से कटा हुआ था। हालांकि, अब मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल आज़ादी के बाद पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ने के लिए तैयार है। क्योंकि, 8,000 करोड़ से ज़्यादा की लागत से बनी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन जल्द ही शुरू होने वाली है। 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन को भारतीय रेलवे का इंजीनियरिंग चमत्कार माना जा रहा है। बैराबी-सैरांग रेल लाइन आइज़ोल से 12 किलोमीटर दूर स्थित है। यह रेल लाइन दो प्लेटफार्मों, तीन पटरियों और आधुनिक सुविधाओं के साथ आइज़ोल के लिए रेल गेटवे का काम करेगी।

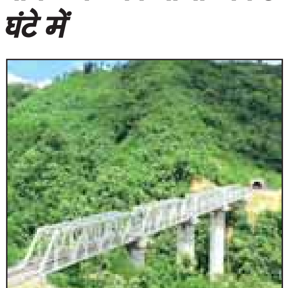

भारतीय रेलवे के लिए मील का पत्थर

- इस रेल लाइन पर बड़े और छोटे 142 ब्रिज बनाए गए हैं।
- 104 मीटर की ऊंचाई के साथ, इस रेलवे लाइन पर स्थित एक पुल, कुतुब मीनार से भी ऊंचा है। यह अपने सेक्शन का सबसे ऊंचा पुल और भारतीय रेलवे का दूसरा सबसे ऊंचा ब्रिज भी है।
- खास बात है कि इस रेल लाइन को अन्य परिवहन साधनों के साथ इंटीग्रेड करने के लिए पांच सड़क, ओवरब्रिज और 6 अंडरपास रोड भी बनाए गए हैं।

रेल लाइन से क्या फायदे होंगे

- इस रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा होगी।

पीसीसी चीफ पटवारी की गाड़ी पर हमला

धाकड़ समाज ने दिखाए काले झंडे, बाल-बाल बचे पटवारी

धाकड़ समाज अपने पर पटवारी की टिप्पणी से नाराज था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम

जिले में रविवार सुबह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के काफिले पर पथराव किया गया है। इस पत्थरबाजी में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के वाहन का कांच फूट गया है। पटवारी इस घटना में बाल-बाल बच गए। पटवारी की गाड़ी पर हुआ हमला पिछले दिनों उनके द्वारा धाकड़ समाज पर टिप्पणी करने की नाराजगी के चलते समाजजन द्वारा किया गया है।

दिल्ली से इंदौर आ रही फ्लाइट के इंजन में लगी आग

यू-टर्न लेकर दिल्ली में कराई सुरक्षित लैंडिंग, सभी सुरक्षित

आग का अलर्ट मिलते ही इंजन किया बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली से इंदौर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 2913) में आग लगने से हड़कंप मच गया। पायलटों को जैसे ही राइट इंजन में आग लगने का अलर्ट मिला, तत्काल कुछ देर में विमान को वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड किया गया। यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर लाया गया।

पीछा कर रही थी क्राइम ब्रांच की टीम

इंदौर के गैंगस्टर सलमान लाला का तालाब में मिला हथकड़ी लगा शव

लाला पर दो दर्जन से अधिक संगीन प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

जिले के लसूडिया परिहार गांव के पास रविवार दोपहर तालाब में हथकड़ी लगे युवक की लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव की पहचान इंदौर के कुख्यात गैंगस्टर सलमान लाला के रूप में की। लाला पर एनडीपीएस और हत्या के प्रयास समेत दो दर्जन से अधिक संगीन प्रकरण दर्ज थे।

गुना, दमोह से गुजर रही ट्रफ, कई जिलों में भारी बारिश से हालात बिगड़े

गंभीर और तवा डैम के गेट खोले

भोपाल-इंदौर समेत 18 जिलों में बारिश, उज्जैन में कार खाई में गिर गई, तीन लोगों को बचाया

राहतगढ़ वाटरफॉल 80 फीट ऊंचाई से गिर रहा

◆ शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से बड़नगर मार्ग को जोड़ने वाले छोटे पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में रविवार को बारिश का दौर जारी रहा। कुछ जिलों में भारी बारिश से आंचलिक इलाकों में सामान्य हालात बिगड़ गए। सोमवार से बारिश में और तेजी आएगी। उज्जैन के खाचरौद में एक खाई कार में गिर गई। इसमें पिता समेत दो बच्चे सवार थे। वहां मौजूद लोगों ने रस्सी के सहारे उन्हें बाहर निकाला। शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। बड़नगर मार्ग को जोड़ने वाले छोटे पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी बह रहा है।

रोशनपुरा शाम 6:30 बजे

उज्जैन में कार डूबी

आज यहां भारी से अति भारी बारिश

मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार को सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, इंदौर, उज्जैन, देवास, अनुपपुर, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में कुछ जगह भारी से अति भारी बारिश होगी। भोपाल सहित दो दर्जन जिलों में मध्यम से सामान्य बारिश की उम्मीद है। इनमें प्रमुख रूप से विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बड़वानी, झाबुआ, धार, रतलाम, शाजापुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, जबलपुर आदि जिले शामिल हैं।

जबलपुर
सोमवार, 1 सितंबर 2025
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष – 8
वर्ष : 20, अंक : 125
पृष्ठ : 2+12=14, मूल्य 3.00 *

मौसम
अधि. 31
न्यूनत. 24

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर का निधन

नई दिल्ली। 'रामायण' बनाने वाले रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर का 81 साल की उम्र में निधन हो गया। वो पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। उम्र से जुड़ी काफी समस्याएं वो फेस कर रहे थे। प्रेम सागर ने 31 अगस्त की सुबह 10 बजे दम तोड़ा। प्रेम सागर के निधन पर 'रामायण' के 'लक्ष्मण' सुनील लहरी ने शोक जताया है। उन्होंने प्रेम सागर की फोटो शेयर कर लिखा- यह दुखद समाचार शेयर करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है। रामानंद सागर जी के पुत्र प्रेम सागर जी परलोक सिधार गए हैं।

मायावती ने आकाश और गौतम को सौंपी जिम्मेदारी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम तथा स्टेट यूनिट को सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना के औद्योगिक क्षेत्र पिपरसेवा में ग्रीन हाइड्रोजन निर्माण इकाई का किया भूमि-पूजन

औद्योगिक व ऊर्जा क्रांति का आधार बनेगी 'नई हाइड्रोजन निर्माण' इकाई

सीएम ने कहा कि मुरैना में शुरू हो रही हाईड्रोजन इकाई में कोरिया और ब्रिटेन की अग्रणी कंपनियां तकनीकी सहयोग कर रही हैं। परियोजना से लगभग 500 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मुरैना के पिपरसेवा में हो रहा हाईड्रोजन निर्माण इकाई का भूमिपूजन नई औद्योगिक क्रांति, नई ऊर्जा क्रांति और नए मध्यप्रदेश की नींव है। मुरैना की ऐतिहासिक धरती पर स्थापित हो रही यह इकाई ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की नई विकास यात्रा का प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि चंबल की भूमि उपजाऊ और कमाऊ होने के साथ ही टिकाऊ भी है।

मुरैना जो कभी बीहड़ों के कारण जाना जाता था, आज विकास और प्रगति की नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के पिपरसेवा में जीएचटू सोलर लिमिटेड की सात एकड़ में बन रही हाईड्रोजन निर्माण इकाई के भूमि-पूजन के मौके पर बोल रहे थे।

सीएम ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों, गरीबों और लघु उद्यमियों के लिए स्वदेशी की लड़ाई लड़ रहे

» मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से किया संवाद और वितरित किए आशय-पत्र

» ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक में 220 औद्योगिक इकाइयों को भूमि हुई आवंटित

21 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

राज्य सरकार कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने प्रतिबद्ध

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शीघ्र ही प्रदेश के किसानों के लिए बड़ा आयोजन होने वाला है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और दुग्ध उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर ब्रांडिंग और मार्केटिंग केलिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

मप्र औद्योगिक क्षेत्र में गढ़ रहा है नए कीर्तिमानः विधानसभा अध्यक्ष तोमर

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि मुरैना के विकास के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। चंबल क्षेत्र में लेदर पार्क की स्थापना हुई है, जिसके लिए उद्योग समूहों द्वारा रूचि प्रकट की जा रही है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के साथ ही ग्रीन हाईड्रोजन फैक्ट्री के सूत्रधार अनुराग जैन सहित अनेक उद्यमी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

निवेश-नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के प्रतीक होने के साथ निवेश, नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केंद्र हैं। यहां उद्योग, पर्यटन, संस्कृति और तकनीक सभी का संगम है। हाल ही में ग्वालियर में हुई रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3 हजार 500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 इकाइयों को भूमि आवंटित हुई है। इनमें 12 हजार 500 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा, जिससे 21 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। सीतापुर में फुटवियर एंड एक्सेसरीज क्लस्टर का विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसमें लगभग 300 करोड़ रुपए का निवेश और 1200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। मालनपुर में एलेक्ज़र इंडस्ट्रीज ने 1500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड 4 हजार करोड़ रुपए के निवेश से सोलर सेल निर्माण इकाई स्थापित कर रही है। राज्य सरकार ने ग्वालियर-चंबल में औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों की श्रृंखला विकसित की है।

भस्म आरती के दौरान दर्शन व्यवस्था में बदलाव

प्रथम आओ- प्रथम पाओ के आधार पर ही तय होगी अब बैठक व्यवस्था

वीवीआईपी का पहले से तय होगा बैठने का स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान दर्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। अब भक्तों को भस्म आरती बुकिंग के साथ ही ये भी याद रखना होगा कि, उन्हें आरती के दौरान कहां बैठना है। भस्म आरती की नई दर्शन व्यवस्था प्रथम आओ-प्रथम पाओ के आधार पर होगी। पहले आवेदन करने वाले अग्रिम पंक्ति में बैठेंगे। इसके बाद जैसे जैसे आवेदन प्राप्ति होगी उसी आधार पर उन्हें बैठने का स्थान दिया जाएगा। नई व्यवस्था इस मिथक को भी तोड़ देगी कि वीवीआईपी ही सबसे आगे बैठकर भस्म आरती दर्शन करते हैं।

प्रतिदिन 1700 भक्तों को भस्म आरती दर्शन की अनुमति

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में प्रतिदिन तड़के चार बजे भगवान महाकाल की भस्म आरती होती है। मंदिर समिति द्वारा प्रतिदिन 1700 भक्तों को भस्म आरती दर्शन की अनुमति दी जाती है। भस्म आरती दर्शन के लिए भक्तों को नंदी, गणेश व कार्तिकेय मंडपम में बैठाया जाता है। भक्तों को यह नहीं पता होता है कि उन्हें कहां बैठाया जाएगा।

लखनऊ के पटाखा फैक्टरी में धमाका

फैक्ट्री मालिक उनकी पत्नी व दो बेटों की मौत छह लोग घायल

» सीएम योगी ने लिया घटना का संज्ञान

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा गांव में रविवार सुबह एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें फैक्ट्री मालिक आलम, उनकी पत्नी व दो बेटों की मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास की इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

फायर ब्रिगेड, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। फैक्ट्री बिना लाइसेंस के चल रही थी और लोगों ने पहले भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक जताया और उच्च स्तरीय जांच व दोषियों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। दो लोगों को गंभीर अवस्था में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में तकनीक रही अहम, भारत की अंतरिक्ष उड़ान प्रेरणादायी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में उत्तर भारत में आई बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का जिक्र किया और कहा कि संकट की घड़ी में देश ने आधुनिक तकनीक और संसाधनों का प्रभावी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में उत्तर भारत में आई बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का जिक्र किया और कहा कि संकट की घड़ी में देश ने आधुनिक तकनीक और संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया। पीएम ने कहा कि संकट के समय जवानों ने थर्मल कैमरे, लाइव डिटेक्टर, स्निफर डॉग और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। हेलीकॉप्टरों से राहत सामग्री पहुंचाई गई और घायलों को एयरलिफ्ट किया गया। इससे राहत कार्यों की गति तेज हुई। उन्होंने बताया कि इन संसाधनों ने हजारों लोगों की जिंदगी बचाने में मदद की।

मन की बात के125 वें एपिसोड में बोले पीएम मोदी

आपदा में देश ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया

एनडीआरएफ- एसडीआरएफ को सराहा

पीएम मोदी ने कहा कि मानसून ने देश की कठिन परीक्षा ली है। कई जगह बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई। कहीं घर और खेत बह गए, तो कहीं पुल और सड़कें टूट गईं। परिवार उजड़ गए और लोगों की जिंदगी संकट में फंस गई। लोगों का दर्द हम सबका दर्द है। उन्होंने राहत और बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों और नागरिकों की सराहना की। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और सुरक्षा बलों ने लगातार दिन-रात काम किया। स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर और प्रशासन ने भी हर संभव योगदान दिया। हर नागरिक ने इस कठिन समय में मानवता को सबसे ऊपर रखा।

बिहार की 'सोलर दीदी' का किया

पीएम मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की एक महिला देवकी देवी का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे देवकी देवी ने सौर ऊर्जा की मदद से अपने गांव की तकदीर बदल दी। आज वह न सिर्फ अपने लिए, बल्कि अपने आस-पास के कई किसानों के लिए भी पानी का इंतजाम कर रही हैं। लोग उन्हें प्यार से 'सोलर दीदी' कहते हैं।

भारत उपलब्धियों पर गर्व जताया

पीएम मोदी ने भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि इस समय सबकी निगाहें अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर पर भी हैं। भारत ने एक नया इतिहास रचा है। इस संदर्भ में उन्होंने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से अपनी हालिया बातचीत का जिक्र किया, जो इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के शहडोल में फुटबॉल क्रांति पर भी की बात

इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश के शहडोल में फुटबॉल क्रांति का जिक्र किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले उन्होंने मध्य प्रदेश के शहडोल में फुटबॉल क्रांति का जिक्र किया था। जर्मनी के एक बड़े कोच ने इस पहल को देखा और अब शहडोल के खिलाड़ियों को जर्मनी में ट्रेनिंग देने की इच्छा जताई है।

यूपीएससी कुछ नंबर से फेल युवाओं को मिल रही नौकरी

पीएम मोदी ने 'प्रतिभा सेतु' पहल का जिक्र किया है। यह पहल खासतौर पर उन उम्मीदवारों के लिए है, जो यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं में लिखित और इंटरव्यू जैसे सभी चरण पार कर लेते हैं, लेकिन फाइनल मेरिट लिस्ट में नाम न आने से सपनों से कुछ कदम दूर रह जाते हैं. ।पीएम मोदी ने कहा कि देश की यह प्रतिभा यूं ही व्यर्थ नहीं जानी चाहिए, बल्कि उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए। 'प्रतिभा सेतु' न केवल एक डिजिटल डेटाबैंक है, बल्कि यह उस भरोसे का भी प्रतीक है कि संघर्ष करने वाले हर युवा की मेहनत को पहचाना जाएगा। जो उम्मीदवार मेरिट लिस्ट में कुछ अंकों से चूक गए थे, वे भी अपनी क्षमता के हिसाब से नए अवसर पा सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वाहन का सार्वजनिक स्थान का इस्तेमाल नहीं तो टैक्स नहीं लगेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि कोई वाहन सार्वजनिक स्थान पर उपयोग में नहीं आता है, तो उसके मालिक पर उस अवधि के लिए मोटर वाहन कर का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के दिसंबर 2024 के फैसले को चुनौती देने वाली एक अपील पर अपना फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मोटर वाहन कर प्रतिपूरक प्रकृति का होता है। मोटर वाहन कर लगाने का औचित्य यह है कि जो व्यक्ति सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, जैसे सड़क, राजमार्ग आदि का इस्तेमाल करता है तो उसे इसका भुगतान करना होगा।जब कंपनी के वाहन केंद्रीय डिस्पैच यार्ड परिसर में इस्तेमाल किए जा रहे थे, उस अवधि में कंपनी ने आंध्र प्रदेश प्राधिकरण से मोटर वाहन कर के भुगतान से छूट की अपील की। बाद में मामला उच्च न्यायालय पहुंचा जहां से कंपनी को राहत देते हुए राज्य प्राधिकरण को कंपनी को 22,71,700 रुपए वापस करने का निर्देश दिया।

आंध्र प्रदेश मोटर वाहन कराधान अधिनियम, 1963

शीर्ष न्यायालय ने 29 अगस्त को दिए अपने फैसले में कहा कि अगर किसी मोटर वाहन का उपयोग 'सार्वजनिक स्थान' पर नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का लाभ नहीं ले रहा है। इसलिए उस पर ऐसी अवधि के लिए मोटर वाहन कर का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश मोटर वाहन कराधान अधिनियम, 1963 की धारा 3 के तहत कर लगाने का प्रावधान है और यह राज्य सरकार को मोटर वाहनों पर कर लगाने का अधिकार देती है।

यह है मामला

पीठ ने 1985 से रसद सहायता देने के व्यवसाय में लगी एक फर्म द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। पीठ ने कहा कि फर्म को नवंबर 2020 में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की एक कॉर्पोरेट इकाई, विशाखापत्तनम स्टील प्लांट, आंध्र प्रदेश के केंद्रीय डिस्पैच यार्ड में लौह और इस्पात सामग्री के संचालन और भंडारण के लिए एक अनुबंध दिया गया था। कंपनी ने केंद्रीय डिस्पैच यार्ड परिसर में 36 मोटर वाहन चलाए थे। कंपनी ने बताया कि केंद्रीय डिस्पैच यार्ड चारदीवारी से घिरा हुआ है और प्रवेश-निकास उन द्वारों से होता है जहां सीआईएसएफ के जवान तैनात हैं।

अंसारी ने रायफल क्लब में विद्युत समिति की बैठक में कहा

हिंदू धर्म के लिए संघ को बताया सबसे बेहतर, सीख लेने पर भी दिया जोर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी से सांसद अफजाल अंसारी अक्सर पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हैं। शनिवार को उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि लोगों को उनसे सीख लेनी चाहिए। अंसारी रायफल क्लब में विद्युत समिति की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। अंसारी ने कहा कि आरएसएस के 3 दिनी शिविर के बाद भागवत ने महसूस किया है कि देश में एकता और भाईचारे की जरूरत है और नफरत का कारोबार बंद होना चाहिए। सपा सांसद ने तारीफ करते हुए कहा, "हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने के लिए संसार में आरएसएस से बढ़कर कोई प्लेटफार्म नहीं है। भागवत ने कहा है कि अगर हर मस्जिद और मजार में शिवलिंग तलाश करोगे तो ये देश को कमजोर करेगा।

धर्मगुरु भी संघ प्रमुख के वक्तव्य का स्वागत करें

अंसारी ने कहा कि मैं भागवत की बातों का स्वागत करता हूं। अन्य धर्मों के धर्मगुरुओं से भी अपील है कि वे संघ प्रमुख के वक्तव्य का स्वागत करें। बिना नाम लिए भाजपा के बड़े नेताओं पर भी टिप्पणी की और कहा कि जिसके पास अपना परिवार नहीं होता, वह दूसरों के परिवार का दर्द क्या ही समझेगा।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 30 लाख लोग होंगे बेरोजगार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर अंसारी ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से टेक्सटाइल मिलें बंद हो रही हैं। इससे टेक्सटाइल इंडस्ट्री में 30 लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। उन्होंने केंद्र की विदेश नीति पर सवाल खड़ा किया।

पहलगाम हमले का भी किया जिक्र

अंसारी ने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि शुरुआत अच्छी थी, लेकिन अंत शर्मनाक रहा। ट्रंप ने अमेरिका में बैठकर सीजफायर का ऐलान कर दिया और भारत-पाकिस्तान ने इसे स्वीकार कर लिया। विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी देश खुलकर भारत के पक्ष में नहीं बोल रहा है। उन्होंने कि कि अडाणी को बचाने सरकार चुप है।

सिद्धारमैया पर टिप्पणी पुजारी गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एक पुजारी ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अब पुलिस ने पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुजारी ने मैसूर दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुस्ताक को आमंत्रित करने की आलोचना करते हुए कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी मामले को किया टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड, 22 सितंबर से होगी सुनवाई

मप्र में 50 फीसदी की सीमा से आगे जाएगा आरक्षण

जबलपुर।

मप्र में ओबीसी आरक्षण का रास्ता एक तरह से साफ हो गया है। इस मुद्दे पर अब भाजपा और कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक कर प्रस्ताव पास किया है। यह मामला पिछले 6 सालों से अटका हुआ है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा सरकारी भर्ती परीक्षाओं में शामिल हुए उन लाखों अभ्यर्थियों को उठाना पड़ रहा है, जिसमें आरक्षण का फार्मूला तय न होने की वजह से नियुक्तियां नहीं दी जा रही। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी मामले को टॉप ऑफ द बोर्ड में लिस्टेड किया है। यानी 22 सितंबर से सुप्रीम कोर्ट में इस पर सबसे पहले सुनवाई होगी। माना जा रहा है ओबीसी आरक्षण का रास्ता जल्द ही साफ हो जाएगा, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि 27 फीसदी आरक्षण का फार्मूला किस तरह निकलेगा। ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के मामले में पूर्व में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया फैसला रोड़ा बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जा सकता। हालांकि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण दे चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने दिसंबर 2022 को विधानसभा में विधेयक पास कर ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। इसके बाद वहां एसटी को 32 फीसदी, एससी को 13 और ईडब्ल्यूएस को 4 फीसदी आरक्षण दिया जा जा रहा है। इस तरह छत्तीसगढ़ में 76 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट भी राहत दे चुकी है। मप्र में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा 2019 में

शुरू हुआ। दिसंबर 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार सत्ता में आई। मार्च 2019 में कमलनाथ सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण फैसला किया और प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया। मार्च 2020 में सरकार के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हुई। हाईकोर्ट ने 27 फीसदी आरक्षण पर रोक लगाई। कोर्ट ने कहा कुल आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा नहीं किया जा सकता। मप्र में मार्च 2019 के पहले सरकारी नौकरियों में ओबीसी को 14 फीसदी, एसटी को 20 फीसदी और एससी को 16 फीसदी आरक्षण दिया जाता था। बाकी बचे 50 फीसदी पद अनरिजर्व्ड कैटेगरी से भरे जाते थे। इसमें 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस शामिल था। इस तरह आरक्षण की सीमा 50 फीसदी थी। ओबीसी का आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी किए जाने के बाद प्रदेश में आरक्षण की सीमा बढक़र 63 फीसदी जाएगी। यानी ओबीसी 27 फीसदी, एसटी को 20 फीसदी, एससी को 16 फीसदी आरक्षण हो जाएगा। यानी आरक्षण 63 फीसदी हो जाएगा। यानी अनारक्षित वर्ग के लिए 37 फीसदी बचेगा। इसमें भी 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस का आरक्षण रहेगा।

87:13 का फॉर्मूला नहीं आएगा काम

हालांकि सरकारी नौकरियों में भर्तियों के लिए 87:13 का फार्मूला लागू किया गया था। यहां 87 का आशय अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व सामान्य वर्ग के लिए कुल आरक्षण के लिए 87 फीसदी और 13 फीसदी का मतलब ओबीसी के लिए निर्धारित 27 में से 14 का लाभ दिए जाने के बाद बाकी 13 फीसदी के परिपेक्ष्य में पद होल्ड किए जाने थे। हालांकि ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य एडवोकेट धर्मेन्द्र सिंह कुशवाहा कहते हैं कि यह एक अंतरिम व्यवस्था थी, इस फार्मूले को रद्द कर दिया गया है। ओबीसी आरक्षण में सरकारी भर्तियों पर किसी तरह की रोक ही नहीं है, तो सरकार अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग देना क्यों नहीं चाहती।

ओबीसी के साथ धोखा कर रही सरकार

उधर सपाक्स के संस्थापक और रिटायर्ड आईएएस हीरालाल त्रिवेदी कहते हैं कि आरक्षण के मामले में एक आयोग बनाया जाना चाहिए कि सामाजिक और आर्थिक रूप से आरक्षण किसे मिलना चाहिए। आयोग अध्ययन करे कि किस-किस को आरक्षण के वर्ग से बाहर किया जाए और किसे कितना फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए। सरकार ने ओबीसी वर्ग में क्रीमिलेयर को भी डाल दिया। जबकि एससी, एसटी के साथ भी क्रीमिलेयर होना चाहिए। एक तरह से यह पिछड़ों के साथ भेदभाव है। सरकार की कोशिश यह होनी चाहिए कि अंतिम पंक्ति को कैसे आगे लाया जाए। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र सिंह कहते हैं कि सरकार को क्रीमिलेयर भी लागू कर देना चाहिए। आज किसी एक परिवार में 10-10 लोग सरकारी नौकरी में हैं, लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है। जिसके जीवन स्तर में सुधार नहीं आ पा रहा।

फैसले से 8 लाख अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत

ओबीसी आरक्षण की वजह से 2019 से अभी तक करीबन 35 भर्तियां अटकी हुई हैं। इससे करीबन 8 लाख अभ्यर्थी प्रभावित हैं। ओबीसी आरक्षण का मामला सुलझने से इन अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। इनमें से कई अभ्यर्थियों ने परीक्षाएं दी, लेकिन रिजल्ट अब तक रूका हुआ है। उन्हें पता ही नहीं कि वे सिलेक्ट हुए भी हैं या नहीं। विवाद के चलते सभी भर्ती परीक्षा में 13 फीसदी पद होल्ड पर रखे गए हैं।

पारंपरिक मार्गों से ही निकलेगा जुलूस

गणेशोत्सव, ईद मिलादुन्नबी को लेकर एसपी के निर्देश

जबलपुर।

गणेश उत्सव एवं आगामी ईद मिलादुन्नवी पर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने जिले के थाना प्रभारियों व पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री उपाध्याय ने गणेशोत्सव व ईद मिलादुन्नबी पर्व के संबंध में पुलिस अधिकारियों से उनके अनुभाग के थानों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम व जुलूस की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक रूट है। उसी रूट से जुलूस निकाला जाएगा। संवेदनशील स्थानों पर फिक्स पिकेट्स लगाये जायेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि वे थाना स्तर पर गणेश प्रतिमा समितियों आयोजकों, डीजे, लाईट संचालकों एवं भंडारा आयोजकों तथा जुलूस निकालने वाली समितियों के सदस्यों की बैठक लेकर सभी को स्पष्ट रूप से बतायें कि पंडाल में सीजफायर, रेत से भरी बाल्टी आवश्यक रूप से रखें ताकि छोटी-मोटी अग्नि दुर्घटना को तत्काल रोका जा सके। पंडाल में रखी जाने वाली प्रतिमा की सुरक्षा के लिए पंडाल को अच्छी तरह कनात से बिछवायें। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुबह शाम गश्त कर पंडालों को चेक करें। बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक शहर अपराध जितेन्द्र सिंह, अति पुलिस अधीक्षक शहर जोन-२ पल्लवी शुक्ला, अति. पुलिस अधीक्षक यातायात अंजना तिवारी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट का आदेश- दिवंगत कर्मचारी के परिवार को पेंशन और अन्य लाभ दे सरकार

28 साल बाद कर्मचारी की बर्खास्तगी बहाल

जबलपुर। ग्वालियर हाईकोर्ट ने दिवंगत कर्मचारी के परिवार को पेंशन और अन्य लाभ देने का आदेश देते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के दिवंगत कर्मचारी देवेंद्र सिंह परमार की बर्खास्तगी को अवैध करार दिया है।

देवेंद्र सिंह की नियुक्ति 1989 में अस्थायी रूप से हुई थी। विभागीय स्क्रीनिंग कमेटी ने बाद में उनकी नियुक्ति को नियमित कर दिया। उन्होंने 28 वर्षों तक विभाग में अपनी सेवाएं दीं थी। विभाग ने 2017-18 में उन्हें दो कारणों से बर्खास्त कर दिया। पहला, उनकी नियुक्ति प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नहीं की गई थी। दूसरा, वे हिंदी टाइपिंग की योग्यता पूरी नहीं करते थे।

कोर्ट ने दोनों पक्ष को सुनने के बाद सुनाया फैसला

2019 में परमार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी मुन्नीदेवी और अन्य वारिसों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनका तर्क था कि स्क्रीनिंग कमेटी पहले ही नियुक्ति को वैध मान चुकी थी। सरकार ने भी पूर्व में इसे स्वीकार किया था। बिना विभागीय जांच के बर्खास्तगी अवैध थी। कोर्ट ने राज्य शासन का पक्ष सुनने के बाद परमार की सेवाओं को 1989 से 2019 तक मान्य करने का आदेश दिया। कोर्ट ने परिवार को तीन माह के भीतर पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ देने को कहा है। समय पर भुगतान न होने पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

लंबित मांगों पर पेंशनर्स ने किया प्रदर्शन

जबलपुर। पेंशनर्स क्रांतिकारी मोर्चा के आह्वान पर 31 अगस्त को पेंशनर्स ने लंबित मांगों की पूर्ति करने मध्यप्रदेश शासन का ध्यान आकृष्ट कराने प्रथम चरण का आंदोलन मप्र पेंशनर्स समाज के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पेंशनर्स क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक डीपी दुबे की अगुवाई में सिविक सेंटर स्थित स्तंभ के समक्ष किया गया। प्रदर्शन के दौरान पेंशनर-पेंशनर भाई-भाई लेकर रहेंगे पाई-पाई का नारा बुलंद किया गया। इस प्रदर्शन में प्रदेश महासचिव सुरेन्द्र स्थापक, आरपी यादव, वीरेन सेन, आरके लखेरा, हरिशंकर तिवारी, मधु श्रीवास्तव, देवी प्रसाद दुबे, अनिल साहू, राजेश जैन, जयप्रकाश मिश्रा सहित अनेक पेंशनर्स उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के बीचोंबीच से एक मानसून टर्फ गुजर रही

भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर

शहर में अचानक बारिश से मौसम में ठंडक घुली

जबलपुर। मप्र में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। जबलपुर। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, चंबल और सागर संभाग में भी तेज बारिश हुई है। लोग जान जोखिम में डालकर उफनती नदियां पार कर रहे हैं। उज्जैन में कार सवार पुलिया से बह गए। कार झाड़ियों में फंस गई। वहां मौजूद लोगों ने कार सवारों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। उज्जैन में गंभीर डैम का एक गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। नर्मदापुरम में तवा डैम के तीन गेट आज भी खुले हुए हैं। रायसेन में भारी बारिश के बाद राहतगढ़ वाटरफॉल 80 फीट ऊंचाई से गिर रहा है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- मध्यप्रदेश के बीचोंबीच से एक मानसून टर्फ गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की एक्टिविटी भी है। इस वजह से

शनिवार को इंदौर समेत कई जिलों में तेज बारिश का दौर बना रहा।प्रदेश के निमाड़ में शनिवार को बादल जमकर बरसे। इंदौर में 3.1 इंच पानी गिर गया। वहीं, खरगोन में डेढ़ इंच बारिश हुई। गुना में आधा इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। ग्वालियर, पचमढ़ी, रतलाम, बालाघाट, हरदा, श्योपुर, मंदसौर, धार में भी हल्की बारिश का दौर जारी रहा। रात में भी कई जिले भीगे।

पुल पर से बह रही शिप्रा नदी

उज्जैन के आस-पास हुई बारिश के कारण शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार सुबह बडऩगर मार्ग को जोडऩे वाले छोटे पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी बह रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से पुल के दोनों ओर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। पुल पर पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात है। इंदौर और बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण उज्जैन के गंभीर डैम में पानी बढ़ रहा है। इंदौर के यशवंत सागर डेम के गेट खुलने के बाद गंभीर डैम का एक डेढ़ मीटर तक खोला गया। डैम की कुल क्षमता 2250 एमसीएफटी है।

तवा डैम के तीन गेट आज भी खुले

नर्मदापुरम के इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में रविवार सुबह से तेज बारिश जारी है। तवा डैम के 13 गेटों में से 3 गेट दो-दो फीट खोले गए हैं। इनसे लगभग 10,542 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। जल स्तर की स्थिति के अनुसार, सेठानी घाट पर 941.90 फीट, तवा डैम पर 1164.40 फीट, बरगी डैम पर 422.76 मीटर और बारना डैम पर 348.23 मीटर जलस्तर दर्ज किया गया है।

चार पुलिस अधिकारियों को दी भावभीनी विदाई

जबलपुर। पुलिस कंट्रोल रूम जबलपुर में रविवार शाम चार अधिकारियों को सेवानिवृत्ति पर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त हुए सहायक उपनिरीक्षक चोखेलाल गोंड़ (थाना कटंगी), कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक आनंद कुमार मिश्रा (कोतवाली), महेंद्र सिंह यादव (थाना गोहलपुर) और श्रीमती रंजना सिंह (पुलिस लाइन) को विभाग की ओर से भावभीनी शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा ने रक्षित निरीक्षक जय प्रकाश आर्य की उपस्थिति में सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, अवकाश नगदीकरण, बीमा, पेंशन और ग्रेज्युटी से संबंधित दस्तावेज भेंट किए। एएसपी शर्मा ने कहा कि चारों अधिकारियों ने 39 से 42 वर्षों तक निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जबलपुर पुलिस को बेदाग और सराहनीय सेवा दी है। उनकी उज्ज्वल छवि और कर्तव्यनिष्ठा विभाग के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

जीएसटी सुधार के लिए सीएआईटी ने सरकार को सौंपे सुझाव

काउंसिल की बैठक से पहले दरों में कटौती की माँग

जबलपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) मध्यप्रदेश ने जीएसटी सुधार के लिये सरकार को सुझाव सौंपे हैं। जीएसटी काउंसिल बैठक से पहले सीएआईटी की इस कवायद का उद्देश्य जीएसटी दरों में कटौती और कानून अनुपालन सरल बनाना है। प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में हुई इस पहल का पूर्व प्रिन्सिपल चीफ कमिश्नर सीजीएसटी नवनीत गोयल, सुनील जैन 501 और जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने स्वागत किया है।

अग्रवाल ने इसके पीछे वजह बताते हुए कहा कि वर्तमान जीएसटी व्यवस्था में छोटे व्यापारी, एमएसएमई और निर्यातक वर्ग लगातार अनुपालन और उच्च दरों से परेशान हैं। यदि सुधार नहीं किए गए तो व्यापार प्रभावित होगा और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा। दर कटौती से न केवल व्यापार लागत घटेगी बल्कि भारतीय उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और उपभोक्ता को भी सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी और मुकदमेबाजी कम होगी।

यह है प्रमुख मांगे

- वस्तुओं पर राहतः रसोई बर्तन जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं पर जीएसटी को 12 व 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जाए। वहीं सीमेंट, टायर, वाहन, बैटरी, एयर कंडीशनर और कार्बोनेटेड पेय जैसी वस्तुओं पर जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत की जाय।

-सेवाओं पर राहतः

कोल्ड स्टोरेज, सैलून, शादी समारोह सेवाएँ, खनन पट्टे और कमर्शियल किराये पर जीएसटी को 5 प्रतिशत तक सीमित किया जाए।

-आईटीसी सुधारः

आपूर्तिकर्ता की गलती का बोझ खरीदार पर न डाला जाए। इंफ्रास्ट्रक्चर व परिवहन क्षेत्र में ईंधन पर आईटीसी का लाभ दिया जाए। ब्याज दर को 18प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत किया जाए।

हर जिले में खुलेंगे पीसीबी के दफ्तर

मप्र में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार की कवायद

जबलपुर। प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के कार्यालय खोले जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और जल-वायु प्रदूषण पर प्रभावी रोक के लिए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि इस प्रक्रिया की शुरुआत कटनी, गुना और देवास जिलों से हो चुकी है, जहां पहले क्षेत्रीय कार्यालय थे, जिन्हें अब जिला कार्यालयों में बदला जा रहा है। इन दफ्तरों से ही जिला स्तर पर प्रदूषण की नियमित मानिटरिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कड़ाई से रोक लगाने की भी तैयारी की जा रही है।बता दें कि प्रदेश में अभी केवल संभागीय मुख्यालयों और औद्योगिक शहरों में ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दफ्तर और मानिटरिंग यूनिट हैं। यह भी बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तय सीमा से देश में प्रदूषण अधिक है। इससे भारतीयों की उम्र 3.5 साल घट रही है। इस संकेत से देशभर में चिंता बढ़ी है। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वायु प्रदूषण का स्तर तय सीमा से आठ गुना अधिक पाया गया था। इस दृष्टिकोण से अब राज्य सरकार इस ओर अधिक ध्यान दे रही है ।

वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में वाहन स्वामी सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं कर सकते हैं अपडेट

प्रदेश में वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल अपडेशन मुहिम जारी

जबलपुर।

परिवहन विभाग द्वारा मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इन्फार्मेशन सेंटर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नम्बर अपडेट कर सकते हैं। प्रदेश में वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। परिवहन विभाग ने जानकारी दी है कि वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है। आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा दर्ज दस्तावेज और आधार से आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज नाम का सत्यापन किया जाता है। अप्रूवल के बाद मोबाइल नंबर डेटाबेस में अपडेट हो जाता है। अपडेड प्रक्रिया को विस्तृत रूप से स्क्रीन शॉट के माध्यम से समझाने के लिए मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के पोर्टल के होमपेज पर लिंक उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में वाहन रजिस्ट्रेशन एवं ड्राइविंग लायसेंस संबंधी समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे है। डेटाबेस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर आवेदक को अपना सत्यापन कराना होता है। मोबाइल नंबर डेटाबेस पर उपलब्ध न होने पर कई बार आवेदक इन सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। संबंधित वाहन के विरूद्ध अन्य प्रणालियों से चालान जारी होने पर डेटाबेस पर सही नंबर न होने के कारण कई बार वाहन स्वामियों को चालान के संबंध में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है। चालान का भुगतान लंबित होने पर ऐसे व्यक्तियों को परिवहन विभाग की सेवाओं से वंचित रहना पड़ सकता है। न्यायालयीन कार्रवाई की जाने पर उन्हें कोर्ट से समन भी आ सकते हैं। इन कारणों से मोबाइल नंबर अपडेट होना आवश्यक है।

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर संगठन ने जताई चिंता

प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग

जबलपुर।

शुक्रवार देर रात पत्रकार सुनील सेन पर जानलेवा हमला हुआ, जिससे जबलपुर के पत्रकारों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। इस घटना के चलते पत्रकारों की संस्था कलमवीर संघर्ष संगठन ने इस घटना की निंदा की है। उनकी मांग है कि इन दिनों पत्रकारों पर हमला होना आम हो गया है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर इस तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक गिरीश पाण्डे और राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी ने मुख्यमंत्री से इस गम्भीर मुद्दे पर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, अन्यथा पत्रकारों को आंदोलन का रुख करना होगा। संगठन के प्रदेश संरक्षक सुनील साहू और प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पत्रकार पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने इस मामले में पत्रकारों की सुरक्षा और माफियों पर लगाम लगाने सरकार से मांग की है।

इस घटना के बाद से जिले के पत्रकारों में सुरक्षा को लेकर सरकार पर अविश्वास बढ़ा है एवं इस मुद्दे पर पत्रकारों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए इस पर कड़ी कारवाही की मांग की है, उनका कहना है कि इस दिनों माफिया पर लगाम लगाने में सरकार कमज़ोर दिख रही है और कलम को रोकने की साजिशें रची जा रही है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव विवेक यादव, कोषाध्यक्ष संजय साहू, प्रदेश महासचिव विनोद मिश्रा, योगेश सोनी, रमेश मिश्रा, सुधीर खरे, सत्यजीत यादव, हर्षित चौरसिया, ओम प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला, राहुल पाण्डेय, रघुनन्दन शुक्ला, अनूप रॉबिन सहित संगठन के सदस्यों ने प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है।

समरसता कजलिया महोत्सव प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न

संस्कृति, परम्परा और पर्वों का ज्ञान बच्चों में हो ताकि भविष्य के भारत निर्माण में अपना योगदान दे सकें : राकेश सिंह

समरसता सेवा संगठन ने जबलपुर के विकास को गति देने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का किया अभिनन्दन

हरिभूमि जबलपुर।

समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित हैं, इन सभी बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपरा और पर्वों का ज्ञान हो, वह इससे जुड़ें और भविष्य के भारत के निर्माण में अपना योगदान दें, ऐसी अपेक्षा हम सभी की है और समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओ में बड़ी संख्या में बच्चों की सहभागिता से हमें विश्वास है कि हमारी आने वाली पीढ़ी अपनी परंपराओं को जीवित रखेगी।" यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विगत दिनों सम्पन्न समरसता क़ज़ालिया महोत्सव पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ के प्रतिभागियो के पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम के अवसर पर आईएमए हाल राइट टाउन में कही।

समरसता सेवा संगठन द्वारा मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य, ग्लोबल मेट्रो ग्रुप के डायरेक्टर सौरभ बडेरिया के विशिष्ट आतिथ्य, आईएमए अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा की अध्यक्षता, वरिष्ठ समाजसेवी शरदचंद्र पालन, संगठन अध्यक्ष संदीप जैन, सचिव उज्वल पचौरी की उपस्थिति में विगत दिनों संपन्न संस्कारधानी समरसता कजलियां महोत्सव में आयोजित निबंध, विविध वेशभूषा, पूजा की थाली एवं हस्त निर्मित राखी प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

श्री सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा हमारे देश की समृद्ध संस्कृति है और हमारी संस्कृति दुनिया की एकमात्र संस्कृति है जिसमें सबका सम्मान और आदर है, यही इसकी महानता भी है, हमारा भारत उत्सवों का देश है, हमारी संस्कृति में ही उत्सवों की परंपरा रही है, हर उत्सव के अपने वैज्ञानिक कारण हैं किन्तु कालांतर में बाहरी आक्रांताओं ने देश की संस्कृति और परंपरा को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया, इसमें वे सफल तो नहीं हुए पर हमारे पर्वों के महत्व और परंपराओं से लोग दूर होते गए। हमारे हर पर्वों के साथ समाज की खुशहाली जुड़ी होती है, कजलिया पर्व उनमें से ही एक पर्व है। कुछ समय से इस पर्व से लोग दूर होते गए पर समरसता सेवा संगठन द्वारा वृहत समाज को जोड़कर और एक विशाल स्वरूप देकर पूरे उल्लास के साथ इस पर्व को विगत दिनों मनाया गया। कजलिया और सनातन जैसे विषय पर 13 सौ से अधिक बच्चों ने इसमें आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी संस्कृति को जाना और पहचाना है, इसके लिए समरसता सेवा संगठन के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा चिकित्सक का जीवन सामाजिक समरसता के इर्द गिर्द ही घूमता है हमारे जीवन में दैनिक दिनचर्या में समरसता का सम्बन्ध होता है, अंग प्रत्यारोपण हो, जरुरतमंद के लिए किया गया रक्तदान हो, उस समय ना तो देने वाले की जाति धर्म पूछा जाता है और न लेने वाले का जाति धर्म पूछा जाता है इसी तरह कोई भी चिकित्सक जाति समाज देखकर इलाज नहीं करता वह तो सभी के साथ सामान रूप से व्यवहार करता है, और ऐसा ही भाव सभी को अपने जीवन में रखना चाहिए, आज समरसता सेवा संगठन इस तरह का कार्य कर रहा है इसमें सभी की भागीदारी होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि श्री सौरभ बडेरिया ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समरसता सेवा संगठन के कार्यों की सरहाना की। स्वागत उद्बोधन एवं प्रस्तावना रखते हुए समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा समरसता सेवा संगठन जिसका उद्देश्य सब सबको जाने सब सबको माने को लेकर हमने विगत ढाई वर्षों में लगभग 80 संगोष्ठी कार्यक्रम के साथ समरसता की होली और समरसता क़ज़ालिया महोत्सव के कार्यक्रम सर्व समाज की सहभागिता से आयोजित किये हैं विगत दिनों सम्पन्न कजलिया महोत्सव के कार्यक्रम में जबलपुर के 60 जाति समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही और आप सभी के सहयोग से एक एतेहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। कजलिया महोत्सव के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिसमे विविध भेषभूषा प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों, हस्त निर्मित राखी प्रतियोगिता में 27 प्रतिभागियो, पूजा थाली सजाओ प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागियों के साथ 30 शैक्षिक संस्थानों से 43 श्रेणीयों में 1309 विधार्थियो ने निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस तरह प्रतियोगिताओ में लगभग 1400 प्रतिभागी शामिल हुए जिनका जिन्हें आज पुरस्कृत किया जा रहा है।

मंत्री श्री सिंह का किया अभिनन्दन

कार्यक्रम के दौरान समरसता सेवा संगठन द्वारा जबलपुर के विकास को नई गति देने के लिए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का अभिनन्दन किया गया, इस दौरान संगठन की ओर से अभिनन्दन पत्र दिया गया। अभिनन्दन पत्र का वाचन जानकीरमन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का संचालन शरद ताम्रकार एवं आभार सचिव उज्जवल पचौरी ने किया। इस अवसर पर तारु खत्री, डॉ. अभिजीत मुखर्जी, पं. ब्रजेश दीक्षित, देवश्री मोदी, डॉ. सुनील मिश्रा, आलोक पाठक, अभिमन्यु जैन, अनूप राय, विवेक रजक, दुर्गाबाबू प्रजापति, सारिका सेठ, श्वेता सिंह, सीमा सिंह, दीपमाला सोनकर, दिलीप सिंह, अंकित बबेले, संदीप अग्रवाल, शैलेन्द्र अग्रहरी के साथ बड़ी संख्या में गणमान्यजन, पालक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

करणी सेना ने कलेक्टर के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

मझौली। जनपद पंचायत मझौली में 84 गाम पंचायत में लगभग डेढ़ लाख आबादी निवासरत है जिसमें महिलाओं की संख्या लगभग 73 हजार है पंचायतों में निवासरत ग्रामीण की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि है शासन द्वारा जनपद क्षेत्र में लगभग 10 लाइसेंसी शराब की दुकानों का संचालन किया जा रहा है। नई आबकारी नीति के अनुसार प्रत्येक ग्राम पेकारी अवैध शराब खरीदी एवं बेची जा रही है जिस कारण से जनपद पंचायत मझौली थाना क्षेत्र में अपराधिक मामले बढ़ते जा रहे हैं जिस कारण जनपद क्षेत्र ने जैसे मोटरसाइकिल दुर्घटना फौजदारी चोरी डकैती महिलाओं के ऊपर अत्याचार के मामले बढ़ रहे है जिसका सीधा प्रभाव ग्रामणी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के साथ साथ महिलाओं को उठाना पड़ रहा है महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों में भी वृद्धि हो रही है। करणी सेना परिवार जबलपुर तहसील मझौली थाना प्रभारी मझौली को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया है एवं यह चेतावनी भी दी गई है की 2 दिन के अंदर बेची जा रही अवैध शराब के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा।

43 वर्षों की सेवा-पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए शिक्षक राजेश कुमार बाजपेई

जबलपुर। संकुल केन्द्र सोनपुर के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला घाना में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ रहे राजेश कुमार बाजपेई अपनी 43 वर्षों की शासकीय अधिवार्षिकी सेवाएं पूर्ण करते हुए सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित सेवा-सम्मान समारोह में उन्हें शाला परिवार सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के द्वारा अभिनंदन-पत्र, शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित करके भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य एवं शिक्षक विनोद दैपुरिया, बी.एन. सिंह, एम.पी. सिंह, रूपा सिंह, जवाहर केवट, नरेंद्र सेन, योगेश चौधरी, विश्वदीप पटेरिया, ओ.पी. तिवारी, दीपक सोनी, किशन विश्वकर्मा, कमलेश श्रीवास्तव, द्वारका रजक, घनश्याम अहिरवार, मूलचंद अहिरवार, राजकुमार कोरी, हरमेश सेन, सनद मिश्रा, संकेश झारिया, आकाश शर्मा, मुकेश रजक, राजेन्द्र कुशवाहा, विनोद, शिवकुमार यादव, प्रशांत मणि शर्मा सहित संस्था के समस्त शिक्षक तथा समस्त कर्मचारी संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन शिक्षक बी.डी. चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

भगत सिंह युवा विचार मंच ने बुजुर्गों, समाजसेवियों का किया सम्मान

जबलपुर। भगत सिंह युवा विचार मंच के सचिव डिम्पी बिन्द्रा ने बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुजुर्गों और समाज सेवियों का सम्मान आज किया गया। सम्मान समारोह में समाजसेवी तजिन्दर सिंह खलीफा, जयवीर सिंह, गुलाब गुप्ता, कमल सोनकर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिम्पी बिन्द्रा, सुनील पटेल, जय चक्रवर्ती, रजिन्दर सिंह भारज, रविन्दर सिंह चाना, रॉबी भारज सहित अन्य उपस्थित रहे।

सांसद ने दिखाई हरी झंडी
सन्डे ऑन साईकिल रैली का आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

प्रति वर्ष 29 अगस्त को भारत के महानतम खिलाडी हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद्रजी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, एवं उनके भारतीय खेल जगत में अनेकों योगदानों के लिए याद किया जाता है। इस वर्ष खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार देश भर में 29 से 31 अगस्त, 2025 तक खेल महोत्सव के रूप में मनाया गया सभी जिलों में सांसद सदस्यों के द्वारा खेल-महोत्सव के रूप में विभिन्न खेलों के कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया । इसी क्रम में, भारतीय खेल प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला खेल और युवा कल्याण विभाग, जबलपुर के संयुक्त रूप से 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 29, 30 एवं 31 अगस्त तक नियमित 03 दिन तक विभिन्न खेल हॉकी, वॉलीबॉल, रस्साकशी, खो-खो आदि का आयोजन के साथ-साथ योगा, सेमीनार, क्विज कम्पटीशन के आयोजन रानीताल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, जबलपुर में किये गए।

अंतिम दिन प्रातः मुख्य अतिथि आशीष दुबे सांसद (लोकसभा) तथा भीष्म सिंह राजपूत, म.प्र. साईकिल एशोसिएशन जनरल सेकेट्री की अगुवाई में सन्डे ऑन साईकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया । उससे पहले पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। जबलपुर के लोकप्रिय सांसद (लोकसभा) श्री आशीष दुबे की गरिमापूर्ण उपस्थिति में सन्डे ऑन साईकिल रैली में उन्होंने ने भी सभी प्रतिभागियों के साथ खूब साईकिल दौड़ाई, साइकिल चलाने का भरपूर आनंद लिया व पुरे उत्साह से रैली में भाग लिया । साइकिलिंग रैली रानीताल, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से आरंभ होकर बल्देवबाग से ऊखरी रोड, होते हुए वापस रानीताल, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, में समाप्त हुई। इस रैली में नगर के समस्त आयु वर्ग के खिलाडियों के साथ-साथ उनके अभिभावक, बालक/बालिकाएं, वरिष्ठ नागरिको ने साईकिल चलाई व सभी प्रतिभागियों में साइकिल चलाने के प्रति उत्साह देखा गया। इस मौके पर माननीय आशीष दुबेजी (सांसद) ने कहा की खेल को खेले, साईकिल चलाये, योगा करे । ताकि आप स्वंय को शारीरिक रूप से फिट व स्वस्थ रख सके, मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से संतुलन बनाया जा सके। अपनी-अपनी विधाओं के अनुसार हर एक नागरिक/खिलाडी को योगा करने व साईकिल चलाने से लाभ प्राप्त होगा तथा खेल से व्यायाम के साथ टीम भावनाये जागृत होगी । साथ ही, खिलाडियों को यह भी संदेश दिया की केंद्र की और प्रदेश में सरकार की खेल की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले । इस अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षक, कर्मचारीगण, खिलाड़ीगण तथा खेल और युवा कल्याण, बिभाग, जबलपुर के श्री आशीष पांडेय, जिला खेल अधिकारी, प्रशिक्षकगण, कर्मचारीगण, खिलाड़ीगण तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इंटरनेशनल खिलाडी व कबड्डी प्रशिक्षक नीतू ठाकुर द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया । अंत में, भारतीय प्राधिकरण खेल की केंद्र प्रभारी दुर्गेश नंदिनी ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

शालेय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का निर्विरोध चुनाव संपन्न

सिहोरा। संकुल केंद्र शासकीय यशोदाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार के अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला लखराम में शाला प्रबंधन समिति के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। पर्यवेक्षक, शाला प्रभारी और अभिभावकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से कमलेश कोल को अध्यक्ष और श्रीमती निशा लोधी को उपाध्यक्ष चुना गया। इस समिति में कुल 14 सदस्यों का चयन किया गया जिसमें महिला और पुरुष दोनों शामिल हैं।

भगवान गणेशजी की सुबह-शाम हो रही पूजा अर्चना

पाटन। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था पाटन, स्वर्गीय कुंवर शंकर सिंह जनकल्याण संस्था के कार्यालय में विराजमान श्री गजानंद व पवन बर्मन के निवास पर राजा गणपति भगवान की स्थापना कर 10 दिन के लिए विराजमान किया गया। प्रतिदिन भक्ति भाव से भगवान का भोग आरती की जाती है। रिद्धि सिद्धि के दाता प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की पूजा अर्चना के के साथ श्रद्धा भक्ति समर्पण का सैलाब देखने को घरों घर मिल रहा है। घरों में सुबह-शाम भगवान का पूजन पाठ आरती भक्ति की जा रही भगवान श्री गणेश आस्था के प्रतीक हैं एवं बुद्धि के प्रदाता होने के करण बच्चों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

अनीता उपाध्याय सेवानिवृत्त

सिहोरा। शासकीय प्राथमिक शाला झांसी संकुल केन्द्र गोसलपुर में सहायक शिक्षिका के पद पर पदस्थ अनीता उपाध्याय शासकीय सेवा की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गई। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा बिदाई समारोह का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रिंस उपाध्याय, भावना उपाध्याय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

देसी गोवंश संवर्धन के लिए अलग गौ मंत्रालय बनाने की सरकार से अपेक्षा

प्रांत बैठक में निर्णय

जबलपुर। विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा विभाग महाकौशल प्रांत की एक दिवसीय बैठक जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर में 31 अगस्त 2025 को 11 बजे से 4 बजे तक केन्द्रीय गौरक्षा प्रमुख के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। उक्त बैठक मुख्य केन्द्रीय गौरक्षा प्रमुख दिनेश उपाध्याय,क्षेत्र गौ रक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। गोवंश के रक्षण एव संवर्धन हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई. श्री उपाध्याय ने कहा कि देसी गौ वंश के संवर्धन और रक्षण के लिए केंद्र सरकार अलग से गौ मंत्रालय का निर्माण करें और साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय कानून संरक्षण का मसौदा तैयार करें,ताकि देसी गौऊ सुरक्षा का पूरे देश में एक साथ एक कानून के तहत संवर्धन हो सके। आम जनता के स्वास्थ्य सुरक्षा और लंबी आयु व स्वस्थ्य आर्गेनिक के शुद्ध नुस्खो पर देसी गोवंश का नस्ल सुधार गोवंश आधारित खेती, पंचगव्य औषधि का निर्माण, घरेलु उत्पाद निर्माण आदि विषयों पर कार्यकर्ताओं मार्गदर्शन किया गया। प्रत्येक जिला केन्द्रो पर संगठन का विस्तार करने का आह्वान किया। बैठक में डॉक्टर गावस्कर बारले,प्रांत गोरक्षा प्रमुख सत्येन्द्र सिंह संजय तिवारी डॉक्टर गरिमा तिवारी श्रीमती अनिता मिश्रा देवेन्द्र श्रीवास्तव वेद प्रकाश अधोलिया संदीप भादवा विनोद शिवहरे विनोद सिंह बृजेन्द्र सिंह अमित जाट सभी जिलों में गौरक्षा प्रमुख शामिल हुए।

श्री जयप्रकाश सिंह- महाकौशल नगर अधारताल निवासी श्री जयप्रकाश सिंह (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनीता खुराना- बेदी नगर मदनमहल निवासी श्री एनडी खुराना की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता खुराना (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री बाल्मीक सिंह पटेल- पंसारी मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री बाल्मीक सिंह पटेल (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री एकलव्य प्रजापति- बापूर नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मुन्नी लाल प्रजापति के पुत्र श्री एकलव्य प्रजापति (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शैलेंद्र झा- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री शैलेंद्र झा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई पटेल- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री शिवचरण पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई पटेल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आलोक कुमार घोष- तुलसी नगर रांझी निवासी श्री आलोक कुमार घोष (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. आरोही प्रजापति- सिद्धबाबा वार्ड तुलाराम अखाड़े के पास निवासी श्री अमीरचंद प्रजापति की पुत्री कु. आरोही प्रजापति (14) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री हरि ओम गुप्ता- गढ़ा रेलवे फाटक के पास निवासी श्री हरि ओम गुप्ता (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शशि सेठी- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री सुभाष सेठी की धर्मपत्नी श्रीमती शशि सेठी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दुरइराज पद्मनाभन पांडियन- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री दुरईराज पद्मनाभन पांडियन (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती किरण बेन- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री भीकम लाल बेन की धर्मपत्नी श्रीमती किरण बेन (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रैनका बाई तिवारी- सिंगल द्वीप इंद्राना पनागर निवासी श्री महेश प्रसाद तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती रैनका बाई तिवारी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम शंकर डनायक- स्टेट बैंक कॉलोनी हाथीताल निवासी श्री श्याम शंकर डनायक (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कुंती देवी- गोराबाजार पुलिस चौकी लाइन केंट निवासी श्री मूलचंद की धर्मपत्नी श्रीमती कुंती देवी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जयप्रकाश सिंह रघुवंशी- गोकलपुर निवासी श्री विद्या सिंह रघुवंशी के पुत्र श्री जयप्रकाश सिंह रघुवंशी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुरेश चंद रजक- गली नं. 6, सदर निवासी श्री सुरेश चंद रजक (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी बाई चौहान- पुष्प नगर कछपुरा गढ़ा निवासी श्री बसंत सिंह चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई चौहान (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सीताराम बंशकार- ग्राम बाकल चनपुरा कटनी निवासी श्री सीताराम बंशकार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति वर्ग से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग :- 9303308294, 9407362180

आज से इंडेक्स डेरिवेटिव्स के लिए क्वांटिटी फ्रीज लिमिट में होगा बदलाव

एजेंसी ▶▶| मुंबई

इंडेक्स डेरिवेटिव्स में एक सितंबर, 2025 से महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है, जिसमें क्वांटिटी फ्रीज लिमिट में फेयरबदल किया गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इंडेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट के लिए क्वांटिटी फ्रीज लिमिट को संशोधित किया है, जो 1 सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी। 29 अगस्त को जारी एक सर्कुलर के माध्यम से परिवर्तनों को अधिसूचित किया गया। संशोधित फ्रेमवर्क के अनुसार प्रमुख सूचकांकों के लिए लागू फ्रीज लिमिट इस प्रकार होंगी। बैंक निफ्टी 900 पर, निफ्टी 50 1,800 पर, फिननिफ्टी 1,800 पर, निफ्टी मिडकैप सेलेक्ट 2,800 पर और निफ्टी नेक्स्ट 50 600 पर फ्रीज लिमिट होगी। 1 जुलाई से प्रभावी पहले के सर्कुलर के तहत कुछ सूचकांकों के लिए लिमिट कम थीं। बैंक निफ्टी 600 पर, निफ्टी 1,800 पर, फिननिफ्टी 1,800 पर, मिडकैप निफ्टी 2,800 पर, और निफ्टी नेक्स्ट 50 600 पर लिमिट फ्रीज़ थी।

- बैंक निफ्टी 900 पर, निफ्टी 50 1,800 पर, फ्रिज लीमिट लागू किया गजा

29 अगस्त को एक सर्कुलर के माध्यम से परिवर्तनों को सूचित किया गया

ट्रेडर्स सीधे प्रभावित हो सकते हैं

ये लिमिट फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट में ट्रेड करने वाले बड़े ट्रेडर्स को सीधे तौर पर प्रभावित करेंगी, क्योंकि इसके अनुसार उन्हें अपनी ट्रेडिंग क्वांटिटी के अनुसार बदलाव करने होंगे। हालांकि थोड़े बहुत एडजस्टमेंट के बाद सबकुछ पुरानी लिमिट की तरह की मैनेज होने लगेगा, लेकिन क्वांटिटी पर नई फ्रीजिंग लिमिट के साथ अपने ट्रेड एक्सिक्यूशन को समझने में एक दो दिन लग सकते हैं। ट्रेडर्स के लिए यह कोई बहुत बड़ा बदलाव नहीं है।

संशोधन ऑर्डर साइज को बढ़ाता है

ताजा संशोधन प्रभावी रूप से बैंक निफ्टी फ्यूचर और ऑप्शन के लिए स्वीकार्य ऑर्डर साइज को बढ़ाता है, जबकि अन्य कॉन्ट्रैक्ट के लिए फ्रीज लिमिट को बरकरार रखता है। क्वालिटी लिमिट गलत या असामान्य रूप से बड़े ऑर्डर को रोकने के लिए एक सुरक्षा उपाय के रूप में कार्य करती हैं जो बाजार की स्थिरता को बाधित कर सकते हैं। फ्यूचर एंड ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट में अधिकतम ऑर्डर साइज की लिमिट निर्धारित करके एक्सचेंज 'फैट फिंगर' ट्रेडों के जोखिम को कम करने और डेरिवेटिव बाजार के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

डेरिवेटिव्स के सभी ट्रेड पर लागू होगी

एनएसई ने अपने ट्रेडिंग में मेंबर्स को प्रभावी तारीख से पहले अपने सिस्टम को संशोधित कॉन्ट्रैक्ट डिटेल्स से अपडेट करने की सलाह दी है। अपडेट की गई कॉन्ट्रैक्ट फ़ाइलें एक्सचेंज के एक्स्ट्रानेट सर्वर के साथ-साथ इसकी आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। संशोधित लिमिट 1 सितंबर से इंडेक्स डेरिवेटिव्स के सभी ट्रेड पर लागू होंगी।

खबर संक्षेप

बिकवाली से बीते सप्ताह तेल-तिलहनों के दाम टूटे

नई दिल्ली। त्योहारी मांग होने के बावजूद आयात की लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण घरेलू बाजार में सरसों, मूंगफली एवं कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के दाम हानि दर्शाते बंद हुए। भारत में शुल्क अंतर बढ़ाये जाने के बीच मलेशिया में सीपीओ से पामोलीन तेल का दाम 4.5 रुपये किलो सस्ता है।

ईवी दोपहिया की पहुंच वर्ष 2031 तक 40 फीसदी होगी

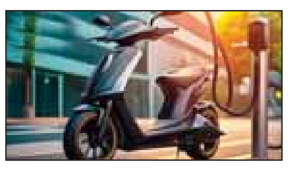

नई दिल्ली। एथर एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि भारत में वित्त वर्ष 2030-31 तक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक हो सकती है। कंपनी ने बताया कि इस समय तक कुल दोपहिया वाहन उद्योग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए सालाना 3-3.1 करोड़ इकाइयों तक पहुंच सकता है।

आईओसी के प्रोजेक्ट स्प्रिंट के नतीजे दिखने शुरू

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के 'प्रोजेक्ट स्प्रिंट' ने रिफाइनरियों में बेहतर परिचालन प्रदर्शन के साथ परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है और कंपनी ईंधन खुदरा विस्तार में नेतृत्व की स्थिति फिर से हासिल कर रही है। कंपनी के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने यह जानकारी दी।

फैशन उद्योग में बिड़ला समूह अवसरों का लाभ उठाने तैयार

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरपर्सन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि समूह भारतीय फैशन उद्योग में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। एबीएफआरएल और एबीएलबीएल को वृद्धि का दोहरा इंजन बताया। अगले पांच वर्षों में 2,500 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 4,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह पूंजीकरण 2.24 लाख करोड़ रुपए घटा

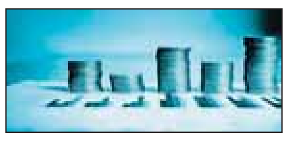

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2.24 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा झटका लगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,497.2 अंक या 1.84 प्रतिशत गिरा।

सुशाइमो को नवाचार उत्कृष्टता पुरस्कार

SUYOM ENGINEERING PVT LTD

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग परामर्श क्षेत्र की कंपनी सुशाइमो इंटरनेशनल लिमिटेड को कॉरपोरेट लाइव वायर यूके ने 'नवाचार एवं उत्कृष्टता पुरस्कार - 2025' से सम्मानित किया है। कंपनी के संस्थापकों में शामिल सूर्य कुमार सिंह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। सुशाइमो इंटरनेशनल ने एक बयान में कहा कि पुरस्कार निर्णायक मंडल ने कंपनी के भारत से गहरे संबंधों को सराहा और कहा कि भारतीय कंपनियों के साथ उनके सहयोग ने न केवल घरेलू उद्योग को सशक्त बनाया है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी नई ऊर्जा प्रदान की है।

पाकिस्तान की सीमा के पास विशाल बंजर भूमि पर बना केंद्र

कच्छ में स्वच्छ ऊर्जा का नया केंद्र शुरू अंबानी-अदाणी ने किया अरबों का निवेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गुजरात के कच्छ रण में पाकिस्तान की सीमा के पास की एक विशाल बंजर भूमि भारत की स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं का केंद्र बन गई है, जिसने उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी से कई अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। पाकिस्तान सीमा के पास के इस सूखे और बंजर इलाके के लिए सबसे पहले अदाणी समूह ने अपनी बड़ी योजनाओं का ऐलान किया था।

अदाणी का खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क 538 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो पेरिस शहर से करीब पांच गुना बड़ा है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी हरित ऊर्जा परियोजना बताया जा रहा है, जिसका लक्ष्य सौर और पवन ऊर्जा के जरिए 30 गीगावाट बिजली पैदा करना है। अदाणी समूह ने खावड़ा में 2022 में काम शुरू किया था और फरवरी 2024 तक राष्ट्रीय ग्रिड में पहली बिजली की आपूर्ति भी शुरू कर दी।

2100 किलोवाट घंटे प्रतिवर्ष मिलती है सौर ऊर्जा

कच्छ में अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित होने का मुख्य कारण यह है कि यह भारत के उन क्षेत्रों में से एक है जहां सबसे अधिक सौर विकिरण (सोलर रेडिएशन) मिलता है। यहां प्रतिदिन औसतन 5.5 से 6.0 किलोवाट-घंटे प्रति वर्ग मीटर सौर ऊर्जा प्राप्त होती है (लगभग 2,060 से 2,100 किलोवाट-घंटे प्रति वर्ष)। यहां साल भर में 300 से अधिक दिन धूप वाले होते हैं, जिससे यह क्षेत्र निरंतर और बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है।

- सबसे पहले अदाणी समूह ने बड़ी परियोजना का किया था ऐलान
- खावड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क 538 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ
- इसे दुनिया की सबसे बड़ी हरित ऊर्जा परियोजना बताया जा रहा

दुनिया की सबसे तेज सौर ऊर्जा स्थापनाओं में से एक

परियोजना के चरम समय में हम हर दिन 55 मेगावाट के सोलर मॉड्यूल और 150 मेगावाट-घंटे के बैटरी कंटेनर स्थापित करेंगे। यह दुनिया की सबसे तेज सौर ऊर्जा स्थापनाओं में से एक होगी। यह एकल स्थल आने वाले दशक में भारत की लगभग 10 प्रतिशत बिजली की जरूरतों को पूरा कर सकता है। उन्होंने जिस तरह से अपनी परियोजना का ब्यौरा दिया, उससे यह साफ लगा कि वह इसकी तुलना अदाणी समूह की परियोजना से नहीं करना चाहते थे।

बंजर भूमि के कारण लागत घटी

कच्छ में बड़े पैमाने पर फैली बंजर और अनुपजाऊ जमीन है, जो यूटिलिटी-स्केल (बड़े स्तर की) सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बेहद उपयुक्त मानी जाती है। चूंकि यह जमीन कम आबादी वाले इलाकों में है और कृषि कार्य के लिए उपयोग में नहीं आती, इसलिए यहां लोगों के विस्थापन की समस्या बहुत कम होती है और भूमि अधिग्रहण की लागत भी काफी हद तक घट जाती है।

सौर मॉड्यूल व पवन टर्बाइन बनाने का काम शुरू

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के अनुसार वहां 5.6 गीगावाट की क्षमता पहले से ही चालू हो चुकी है और 2029 तक यह 30 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। दोनों समूहों की योजनाएं सिर्फ बिजली बनाने तक सीमित नहीं हैं। वे सौर मॉड्यूल, बैटरी और हरित हाइड्रोजन जैसे उपकरण भी खुद बनाना चाहते हैं। इस मामले में भी अदाणी समूह फिलहाल आगे हैं, जिसने सौर मॉड्यूल और पवन टर्बाइन बनाने का काम शुरू कर दिया है।

आरबीआई को निजी पूंजीगत व्यय बढ़ने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और ब्याज दरों में एक प्रतिशत की कटौती से वित्त वर्ष 2025-26 में निजी क्षेत्र का पूंजी निवेश 21.5 प्रतिशत बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अगस्त बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में यह बात कही गई।

'निजी कॉरपोरेट निवेशः 2024-25 में वृद्धि एवं 2025-26 के लिए संभावनाएं' शीर्षक वाले इस लेख में कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारतीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत मजबूत बहीखाते, बेहतर नकदी भंडार, बढ़ी हुई लाभप्रदता और वित्तपोषण के विविध स्त्रोतों तक बेहतर पहुंच के साथ की है।

लेख में यह भी बताया गया कि सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने वाली नीतियां, लगातार घटती महंगाई, कम ब्याज दरें, बाजार में पर्याप्त नकदी की उपलब्धता और उद्योगों द्वारा क्षमता उपयोग में वृद्धि जैसे कारक देश में निजी निवेश के लिए अनुकूल माहौल बना रहे हैं। यह लेख निजी कंपनियों द्वारा घोषित पूंजीगत व्यय योजनाओं के चरणबद्ध आंकड़ों का विश्लेषण करता है, जिससे उनके निवेश इरादों का आकलन और निकट भविष्य की संभावनाओं की झलक मिलती है।

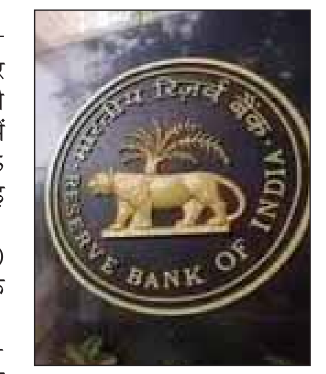

- व्यय 21.5 फीसदी बढ़कर 2 .67 लाख करोड़ होने की उम्मीद
- बुनियादी ढांचा क्षेत्र अब भी पूंजी निवेश आकर्षित कर रहा

ढांचा क्षेत्र में सबसे अधिक पूंजी निवेश

बुनियादी ढांचा क्षेत्र अब भी सबसे अधिक पूंजी निवेश आकर्षित कर रहा है, जिसमें सबसे अहम भूमिका 'ऊर्जा क्षेत्र' निभा रहा है। यह लेख स्निग्धा योगिन्द्रन, सुक्ति खांडेकर, राजेश बी कावेदिया और आलोक घोष ने लिखा है, जो सभी आरबीआई के सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग से हैं।

टाटा कैपिटल सितंबर के अंतिम सप्ताह में लाएगी आईपीओ

- 17,200 करोड़ रुपए का बहुप्रतीक्षित आईपीओ लाने के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

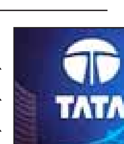

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) टाटा कैपिटल 22 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में अपना 17,200 करोड़ रुपये का बहुप्रतीक्षित आईपीओ लाने के लिए तैयार है। मामले से परिचित बाजार सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। आरंभिक सार्जवनिक निर्गम से कंपनी का मूल्यांकन लगभग 11 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। टाटा कैपिटल 30 सितंबर तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकती है। अगस्त में दायर मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार 47.58 करोड़ शेयरों के प्रस्तावित आईपीओ में 21 करोड़ इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और 26.58 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। टाटा संस 23 करोड़ शेयर बेचेगी, जबकि अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) 3.58 करोड़ शेयर बेचेगा। इस समय टाटा कैपिटल में टाटा संस की 88.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि आईएफसी के पास 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल कंपनी के टियर-1 पूंजी आधार को मजबूत करने और आगे की उधारी सहित भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। यह आईपीओ सफल होने पर भारत के वित्तीय क्षेत्र का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन जाएगा। नवंबर 2023 में टाटा टेक्नोलॉजीज के बाद हाल के वर्षों में आईपीओ लाने वाली यह टाटा समूह की दूसरी कंपनी होगी।

जीएसटी परिषद की बैठक तय करेगी इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल

- इसी सप्ताह विदेशी निवेशकों की गतिविधियों प्रभाव डालेगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस सप्ताह शेयर बाजार जीएसटी परिषद की बैठक, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई। इसके अलावा शुल्क वार्ता, वैश्विक बाजार के रुझान और वाहन बिक्री के आंकड़े भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सरकारी खर्च और नीतिगत उपायों से प्रेरित पहली तिमाही के मजबूत जीडीपी आंकड़ों से समर्थित भारत की लचीली अर्थव्यवस्था बाहरी चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। हालांकि, राजकोषीय चिंताएं बनी हुई हैं। शुल्क विवाद का समाधान बाजार की धारणा के लिए एक प्रमुख उत्प्रेरक बन सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उच्च शुल्क लगाने से पहले भारत की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून में अपेक्षा से अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह पिछली पांच तिमाहियों में सबसे तेज गति थी। अब शुल्क लगाने से कपड़ा जैसे प्रमुख निर्यातों पर खतरा मंडरा रहा है। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा, ''यह सप्ताह घटनाओं से भरा रहेगा, और एक नए महीने की शुरुआत होगी।

कुल कारोबार का 50 फीसदी हिस्सा होगा ई-कॉमर्स से

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- कूरियर प्रदाता कंपनी डीटीडीसी को उम्मीद
- तेज डिलीवरी सेवाओं पर बड़ा दांव लगा रही

कूरियर सेवा प्रदाता डीटीडीसी एक्सप्रेस का लक्ष्य है कि उसका ई-कॉमर्स कारोबार कुल राजस्व का लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंचे। कंपनी इन दिनों 'रैपिड कॉमर्स' यानी तेज डिलीवरी सेवाओं पर बड़ा दांव लगा रही है, क्योंकि आज के ग्राहक अपने ऑर्डर की जल्द और समय पर डिलीवरी चाहते हैं।

कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक चक्रवर्ती ने बताया कि कंपनी ने इसी महीने अपनी रैपिड कॉमर्स सेवा 'रफ्तार' की शुरुआत की है, जिसमें चार से छह घंटे के अंदर डिलीवरी की जाती है। ग्राहकों की बढ़ती उम्मीदों को पूरा करने के लिए, डीटीडीसी एक्सप्रेस अगली तीन तिमाहियों में 125 छोटे गोदाम खोलने की योजना बना रही है।

सीईओ ने कहा, ''रैपिड कॉमर्स आज के दौर में एक बहुत ही उपयुक्त तरीका है। हम जानते हैं कि क्विक कॉमर्स का मतलब है मिनटों में डिलीवरी, जो तत्काल खरीदारी, जरूरी चीजों और किराना सामान के लिए बहुत बढ़िया है। चक्रवर्ती ने कहा, ''मुझे लगता है कि कई ऐसे उत्पाद हैं, जिनके लिए ब्रांडों को एक तेज, टिकाऊ और किफायती समाधान चाहिए। डीटीडीसी यही सुविधा देना चाहती है, ताकि ब्रांडों को ज्यादा पैसे खर्च न करने पड़ें। इस तरह वे सिर्फ बड़े शहरों तक ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों तक भी पहुंच सकेंगे। यही हमारा लक्ष्य है।

सीईओ ने बताया कि यह इस साल की शुरुआत में डीटीडीसी द्वारा शुरू किए गए 'विजन 2030' का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''हमारा पारंपरिक कारोबार बहुत मजबूत और स्थिर है और उससे अच्छी कमाई भी होती है। लेकिन, हम जानते हैं कि नई मांगें और ग्राहक की जरूरतें अब नए क्षेत्रों में बढ़ रही हैं और इन्हीं में कंपनी अपना भविष्य देखती है।'' भारत का ई-कॉमर्स बाजार तेजी से बढ़ रहा कंपनी ने अपने 35वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के साथ मिलकर एक रिपोर्ट जारी की है।

चीन अक्टूबर से विशेष उर्वरक निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत का विशेष उर्वरक उद्योग आपूर्ति संबंधी नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, क्योंकि चीन अक्टूबर से निर्यात प्रतिबंध फिर से लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने शनिवार को कहा कि ऐसे में कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। चीन से विशेष उर्वरक निर्यात की अस्थायी बहाली के चलते राहत मिली है, लेकिन यह राहत अल्पकालिक होगी, क्योंकि बीजिंग अगले महीने से निरीक्षण बढ़ाकर और खेप में देरी करके निर्यात नियंत्रण कड़ा करने की योजना बना रहा है। घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ (एसएफआईए) के अध्यक्ष राजीब चक्रवर्ती ने दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''यह एक अस्थायी समाधान है, क्योंकि चीन अक्टूबर से निर्यात खिड़की बंद कर रहा है। वे इसे केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए बंद कर देंगे।'' भारत और चीन के बीच मुद्दे फिलहाल सुलझ गए हैं, लेकिन प्रतिबंधों का सिलसिला फिर से शुरू होने की आशंका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई-निविदा संख्याः डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-121-2025-26, दिनांक: 27.08.2025
कार्यः 30-06-2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए एसएसई (वर्क्स)/बागवानी/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों के बंगलों और स्टाफ क्वार्टरों के रखरखाव के साथ बागवानी क्षेत्रीय कार्यों का निष्पादन, **निविदा मूल्य (रु):** 79,43,595.66, **अमानत राशि (रु):** 1,58,900.00, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह, **निविदा जमा की आरंभ तिथीः** दिनांक : 05.09.2025 से, **निविदा जमा की अंतिम तिथीः** दिनांक : 19.09.2025 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/बीएसपी
CPR/10/PR/284 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – नवरत्न)
सीआईएन : L74899DL1999GOI101707

आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए बोलियां आमंत्रित करता है:–

1. **खुली ई–निविदा संख्या आईआरसीटीसी/सीओ/टीआरएसएम(डीटीटी)/5/2021/पर्यटन/सीओ** – 'बौद्ध सर्किट टूरिस्ट ट्रेन' के पर्यटकों के लिए ग्राउंड हैंडलिंग व्यवस्था के प्रावधान हेतु सेवा प्रदाता की नियुक्ति के लिए, जिसमें होटलों में फ्रेश–अप/रात भर ठहरना, ऑफ–बोर्ड खानपान, सड़क स्थानान्तरण, दर्शनीय स्थल, प्राथमिक चिकित्सा, पेशेवर/भाषा गाइड आदि शामिल हैं, दो साल की अवधि के लिए, सीजन 2025–26 और 2026–27 के लिए। बोली–पूर्व ऑनलाइन बैठकः **10.09.2025** को **11:00 बजे**। जमा करने की अंतिम तिथिः **25.09.2025** को **15:00 बजे** तक।
2. **खुली ई–निविदा संख्या 2025/आईआरसीटीसी/आरएन/संचालन/बिलासपुर** – 5 साल की अवधि के लिए बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 'रेल नीर' पैकेज्ड पेयजल संयंत्र के लिए ऑपरेटर के चयन हेतु। जमा करने की अंतिम तिथिः **12.09.2025** को **15:00 बजे** तक।

विस्तृत विवरणों के लिए आईआरसीटीसी वेबसाइट **www.irctc.com** एवं **www.tenderwizard.com/IRCTC** को देखें। निविदा दस्तावेज डाउनलोडिंग एवं प्रतिभागिता वेबसाइट **www.tenderwizard.com/IRCTC** पर की जा सकती है।

उपरोक्त विज्ञापन का आगे कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट जारी होने पर उसे केवल आईआरसीटीसी की वेबसाइट **www.irctc.com** एवं **www.tenderwizard.com/IRCTC** पर प्रकाशित किया जाएगा।

आईआरसीटीसी लिमिटेड, चौथा तल, टॉवर–डी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली–110029

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर

क्रमांक/निविदा/2025/2729 **निविदा विज्ञप्ति** नरसिंहपुर दिनांक 28/8/2025

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में वाहन स्टेंड की निविदा हेतु योग्य निविदाकारों से निविदा प्रपत्र में दर्शाई गई शर्तो के आधार पर जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	सुरक्षा निधि	निविदा ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	निविदा कार्यालय जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में खोलने का दिनांक एवं समय
जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में वाहन स्टेण्ड कार्य हेतु	रुपए 50000 अंकन पचास हजार रुपए मात्र।	दिनांक 29.09.2025 को 17 बजे तक	30.09.2025 दोपहर 02 बजे।

1. निविदा प्रपत्र दिनांक 08.09.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 29.09.2025 को अपरान्ह 5:00 बजे तक म.प्र. कार्यालयीन समय में वापिसी अयोग्य 1000.00 रुपए अंकन (एक हजार रुपए) एम.पी. टेण्डर पोर्टल पर जमा कर क्रय किये जा सकते है 2. निविदा मान्य करना / बिना किसी कारण निरस्त करने के समस्त अधिकार क्रय समिति के पास पूर्णतः सुरक्षित रहेगें।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
नरसिंहपुर
G-18024/25

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण कार्यालय कार्यपालन यंत्री (वि./यां.) संभाग क्रमांक - 2, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.) -482056
Email ID-eeemdv2bargidam@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना वास्ते प्रकाशन

निम्न कार्य की ऑन लाइन निविदा प्रतिशत दर (अपेडिक्स 2.10) ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम पोर्टल www.mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा क्र.	ई. निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू. में)	धरोवर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
60/तक. 2025-26 दिनांक 29.08.2025 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-447917-1	रा. अ. बा. लो. सा. परि. के बांये पार्श्व गैलरी में स्थित सबस्टेशन में आटोमेटिक पावर फेक्टर केपेस्टिर लगाने का कार्य।	5,11,447.00 (रुपए पांच लाख ग्यारह हजार चार सौ सेतालीस) मात्र	10229.00 (रू. दस हजार दो सौ उनतीस) मात्र	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत 2. म.प्र. मुख्य विद्युत निरीक्षक द्वारा जारी 'अ' श्रेणी का लाइसेंस।	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
61/तक. 2025-26 दिनांक 29.08.2025 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-447923-1	रा. अ. बा. लो. सा.परि. के बांयी तट नहर की कोसमखेड़ा माइनर की आर.डी. 0.00 किमी. से आर.डी. 1.20 किमी. रमखिरिया माइनर एवं निवारी माइनर पर लगे हेड रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	1,00,261.00 (रुपए एक लाख दो सौ इकसठ) मात्र	2005.00 (रू. दो हजार पांच) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
62/तक. 2025-26 दिनांक 29.08.2025 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-447938-1	रा.अ.बा.लो. सा. परि. के बांयी तट नहर की आर.डी. 102.04 किमी. से आर. डी. 1.20 किमी. पर लगे क्रास रेगुलेटर गेटों में रबरसील बदलने का सुधार कार्य।	1,18,092.00 (रुपए एक लाख अठारह हजार बानवे) मात्र	2362.00 (रू. दो हजार तीन सौ बासठ) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
63/तक. 2025-26 दिनांक 29.08.2025 (प्रथम आमंत्रण)	2025-NVDA-447956-1	रा.अ. बा. लो. सा. परि. के दांयी तट नहर की मझौली वितरण नहर की आर.डी. 20.67 किमी. से आर. डी. 26.30 किमी., आर. डी. 23.370 किमी. से आर.डी. 26. 220 किमी., आर. डी. 0.750 किमी. से आर. डी. 0.90 किमी. एवं आर. डी. 1.00 किमी. से आर. डी. 2.31 किमी. पर लगे हेड एवं क्रास रेगुलेटर गेटों का सुधार कार्य।	3,04,785.00 (रुपए तीन लाख चार हजार सात सौ पचासी) मात्र	6096.00 (रू. छः हजार छयानवे) मात्र	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
		कुल योग रू.	10,34,585.00				

निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि अंतिम : 18/09/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन), प्राइज बीड जमा करने की तिथि अंतिम : 18/09/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन), निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि : 22/09/2025, 10:30 से 22/09/2025 17:30 तक (केवल आनलाइन), प्राइज बीड खुलने की तिथि :22/09/2025, 10:31 से 22/09/2025, 17:30 तक (केवल आनलाइन) निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑन लाइन क्रय किया जा सकता है, ऑन लाइन पर भुगतान डेबिट/कैश कार्ड या इन्टरनेट बैंकिंग अकाउण्ट्स के माध्यम से किया जा सकता हैं। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

(शैलेन्द्र राठौर) कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास (वि./यॉं.) संभाग क्रमांक-2 बरगीनगर, जबलपुर (म. प्र.)
G-18028/25

चिंतन

चीन से दोस्ती तो ठीक सतर्क रहना भी जरूरी

चीन और भारत दो प्राचीन सभ्यताएं हैं। ये विश्व के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। दोनों साथ आते हैं तो दोनों देशों का ही नहीं बल्कि 2.8 अरब लोगों को फायदा होगा। आज चीन के शहर बीजिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात का सार यही है। सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। जून 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के संबंध खराब हो गए थे। गलवान झड़प के बाद मोदी पहली बार चीन पहुंचे हैं। हालांकि दोनों नेताओं में रूस में मुलाकात हो चुकी है। वैसे भी गलवान के तनाव और अब के हालात में बहुत अंतर है। इस अंतर का कारण हैं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सबसे पहले चीन को निशाने पर लिया था। उस पर एक के बाद एक टैरिफ थोपे गए। हालांकि बाद में वो चीन को लेकर नरम पड़ गए और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग अच्छी तरह से वाकिफ हैं कि डोनाल्ड ट्रंप पर किसी भी सूरत में भरोसा नहीं किया जा सकता। वो अपनी सनक के चलते कब क्या फैसला लेंगे, इसकी जानकारी किसी को भी नहीं। इसलिए जरूरी है कि मिलकर उनसे मुकाबला किया जाए। यह पहला मौका नहीं है जब भारत और चीन साथ आए हो। कभी 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का नारा लगता था, लेकिन 1962 के युद्ध ने रिश्तों में कड़वाहट घोल दी थी। भारत और चीन के रिश्तों की शुरुआत 1938 में हुई थी। उस समय चीन जापान के हमलों से परेशान था। भारत ने इंसानियत दिखाते हुए चीन की मदद के लिए एक मेडिकल टीम भेजी। इस टीम में पांच भारतीय डॉक्टर थे, जिनमें से एक थे डॉ. द्वारकानाथ कोटनीस। डॉ. कोटनीस ने चीन के लोगों की सेवा करने का फैसला किया और वहीं रुक गए। भारत और चीन ने आजादी के बाद अपने संबंधों को बेहतर बनाने का प्रयास किया। दोनों देशों ने एक समझौता किया। यह समझौता 29 अप्रैल, 1954 को हुआ था लेकिन यह समझौता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। 1959 में जब भारत ने चीन से भागे दलाई लामा को शरण दी तो चीन ने इसे अपने अंदरूनी मामलों में दखल देना माना। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर तनाव बढ़ने लगा। भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और चीन के प्रीमियर झोउ एनलाई ने कई बार मिलकर इस समस्या को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आखिरकार 20 अक्टूबर, 1962 को चीन ने भारतीय सीमा पर हमला कर दिया। इस युद्ध ने भारत के भरोसे को बुरी तरह से तोड़ दिया। साल 2020 में लद्दाख के अक्साई चिन में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई थी। इस झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए। गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद भारत ने चीन के नागरिकों को वीजा देना बंद कर दिया था। फ्लाइट सर्विस भी रोक दी गई थी। इससे दोनों देशों के बीच यात्रा करना मुश्किल हो गया था। भारत के लिए परेशानी का एक कारण चीन द्वारा बार-बार पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा होना भी है। वो पाक का समर्थन करके आतंकवाद के समर्थन में खड़ा हो जाता है। अब प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद जिनपिंग का यह कहना कि ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) को साथ आना चाहिए। सुनने में बहुत अच्छा लगता है और चीन-भारत की दोस्ती समय की मांग भी है, लेकिन चीन की विस्तारवादी सोच के चलते भारत को हमेशा सतर्क भी रहना होगा।

टैरिफ संकट
विकेश कुमार बडोला

जल्द निकालना होगा टैरिफ का तोड़

> भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली वस्तुओं में आभूषण, वस्त्र, हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, इत्यादि सम्मिलित हैं। इन वस्तुओं के उत्पादन में नियुक्त औद्योगिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सम्मुख आगामी समय चुनौतियों से पूर्ण होगा। जब तक भारतीय शासन द्वारा अमेरिका को विभिन्न वस्तुयें निर्यात करने के माध्यम से वैश्विक बाजार में टिके हुए निर्यातकों को बड़े व नवोन्मेषी राहत पैकेज नहीं मिल जाते अथवा अमेरिका के साथ वार्ता करके अतिरिक्त शुल्क के निर्णय को निष्क्रिय नहीं कर दिया जाता, तब तक इनके स्तर पर देशी-विदेशी व्यापार मंद होता रहेगा। हालांकि भारतीय वाणिज्य विभाग निर्यातकों की सहायता के लिए विविध आयामी व्यापार नीति पर कार्य कर रहा है।

अंततः भारत-अमेरिका की आर्थिक शत्रुता बढ़ाने वाला बड़ा निर्णय ट्रंप ने ले ही लिया। गत 28 अगस्त से अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय उत्पादों पर कुल पचास प्रतिशत शुल्क लगने लगेगा। भारत में तो नहीं किंतु अमेरिका में बढ़े हुए शुल्क के शासकीय निर्णय पर पक्ष-विपक्ष के राजनेता तथा उनसे संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के दो समूह बन गये हैं। एक समूह भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने को अनुचित मान रहा है, तो दूसरा ट्रंप के निर्णय का समर्थन कर रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सकारात्मक हैं। वे आशान्वित हैं कि अंततः अमेरिका व भारत के मध्य अर्थव्यवस्था की अनुकूल स्थितियां बनेंगी।

उनके अनुसार एकपक्षीय टैरिफ व कुछ अनावश्यक वक्तव्यों के बाद भी दोनों देशों के मध्य वार्ता की राह बंद नहीं हुई है। कुछ अन्य प्रभावशाली पदाधिकारी भी बारंबार कह रहे हैं कि यदि भारत पर पच्चीस प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ रूस से तेल खरीद के कारण लगा है तो फिर चीन पर बढ़ा हुआ टैरिफ क्यों नहीं लगाया गया, क्योंकि वो तो भारत की तुलना में रूस से अधिक तेल आयात कर रहा है। इस आपत्ति के आलोक में विचार करें तो यही ज्ञात होता है कि ट्रंप जो हैं वे मोदी के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता के कारण यही चाहते थे कि भारत के साथ प्रस्तावित अमेरिका के अनेक क्षेत्रों, विशेषकर व्यापार से संबंधित समझौतों पर भारत वैश्विक भूराजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्यों पर विचार किये बिना ही सहमति के साथ हस्ताक्षर कर दे। भारत ने ऐसा नहीं किया और अमेरिकी टैरिफ के चक्रव्यूह में फंस गया। भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली वस्तुओं में आभूषण, वस्त्र, हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, इत्यादि सम्मिलित हैं। इन वस्तुओं के उत्पादन में नियुक्त औद्योगिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सम्मुख आगामी समय चुनौतियों से पूर्ण होगा। जब तक भारतीय शासन द्वारा अमेरिका को विभिन्न वस्तुयें निर्यात करने के माध्यम से वैश्विक बाजार में टिके हुए निर्यातकों को बड़े व नवोन्मेषी राहत पैकेज नहीं मिल जाते अथवा अमेरिका के साथ वार्ता करके अतिरिक्त शुल्क के निर्णय को निष्क्रिय नहीं कर दिया जाता, तब तक इनके स्तर पर देशी-विदेशी व्यापार मंद होता रहेगा। हालांकि भारतीय वाणिज्य विभाग निर्यातकों की सहायता के लिए विविध आयामी व्यापार नीति पर कार्य कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के स्तर पर निर्यातकों हेतु नकदी की चुनौतियों से निपटने के उपायों पर विचार हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मूलतः अमेरिका में वस्तुयें भेजने वाले निर्यातकों को शीघ्रातिशीघ्र सहायता उपाय लागू करने का भरोसा दिया है। शासन पहले से चली आ रही योजनाओं को पुनर्जीवित करने व निर्यात संवर्द्धन अभियान को भी शीघ्र लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री जापान, चीन की यात्रा पर हैं। वे इस समयावधि में प्रमुख रूप से भारत के उन आर्थिक-व्यापारिक क्षेत्रों के लिए ही नये विकल्प ढूंढने को प्राथमिकता देंगे, जिन्हें अमेरिकी टैरिफ के बाद मंदी का सामना करना पड़ेगा। टैरिफ संकट से निकलने का प्रत्यक्ष एवं आसान उपाय तो यही है कि भारत टैरिफ की चिंताओं व समस्याओं के संबंध में अमेरिका से निरंतर वार्ता करता रहे। अमेरिकी वित्त मंत्री सहित भारत हितैषी कुछ नेताओं द्वारा इस संदर्भ में सकारात्मक वक्तव्य भी

प्रस्तुत किये जा रहे हैं, जो कहीं न कहीं गुप्त रूप से यही इंगित कर रहे हैं कि ट्रंप के राष्ट्रपति पद से हटते ही भारत-अमेरिका के मध्य टैरिफ संकट पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। टैरिफ व्यूह से निकलने के इन तात्कालिक उपायों, आशाओं एवं कार्यों के अतिरिक्त भारत को अपनी भावी आर्थिक स्थितियों को अमेरिका या किसी एक बड़े देश पर आश्रित करने की तुलना में आत्मनिर्भरता तथा स्वदेशी के अर्थबल द्वारा साधना होगा। स्वदेशी अर्थव्यवस्था को कार्यबल देकर भारत टैरिफ की समस्याओं से तात्कालिक मुक्ति पा सकता है। पारंपरिक रूप से मांग व उपभोग आधारित रही अपनी अर्थव्यवस्था को भारत एफएमसीजी यानी फास्ट मूविंग कंज्यूमर प्रोडक्ट के उत्पादन से लेकर अंतिम उपभोग के चरण तक आर्थिक वृद्धि का आधार बना सकता है। इसके लिए भारतीय बाजारों को वस्तु के कम मूल्य से लेकर गुणवत्ता तक का तो ध्यान रखना ही होगा, साथ ही बाजारीकरण के पुराने ढर्रे और ऑनलाइन आपूर्ति शृंखला का सामंजस्य भी बनाये रखना होगा। विभिन्न क्षेत्रों में बड़े विनिर्माणन उद्योगों में निर्मित होने वाले यांत्रिक उत्पादों में लगने वाले छोटे व सहायक उपकरणों हेतु मेक इन इंडिया अभियान को स्टार्ट अप से जोड़कर परिणोन्मुखी व लाभोन्मुखी बनाना होगा। अमेरिका को निर्यात होने वाले हीरे-जवाहरात, वस्त्र, शिल्पकारी की वस्तुओं, डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों व अन्य उत्पाद सामग्रियों के लिए मांग आधारित स्वदेशी व विदेशी, दोनों बाजारों में मूल्य को प्रतिक्षण प्रतिस्पर्द्धी व लचीला रखना होगा। मूल्यह्रास की प्रतिस्पर्द्धा में बने रहकर होने वाली आर्थिक हानि को वस्तुओं व सामग्रियों की मांग में पुनरावृत्ति करके कम करना होगा।

अमेरिका को छोड़ जिन अन्य देशों के साथ भारत का आयात-निर्यात दहाई के प्रतिशत में है, उनके हाई परचेजिंग उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों व सेवाओं के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न करने की दिशा में कार्य करना होगा। अभी ब्रिक्स के दो सदस्य देशों रूस और ब्राजील को भी भारत के निर्यात खरीदार के रूप में स्थापित करने की चुनौती सामने है। विश्व में जनसंख्या में शीर्ष के तीन देशों में तो अमेरिका, चीन समेत स्वयं भारत प्रथम स्थान पर है। शीर्ष दस बड़े आबादी वाले देशों में से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारत के व्यापार संबंध रसातल में पहुंचे हुए हैं। इनके अतिरिक्त ब्राजील, नाइजीरिया, रूस व यूथोपिया के अधिक जनसंख्या वाले देशों तक भी भारतीय एफएमसीजी उत्पादों एवं सेवाओं का प्रसार करना होगा। इन देशों की बड़ी क्रयशक्ति वाले ग्राहकों की रुचि के अनुसार स्वदेशी निर्माण, विनिर्माण व निर्यातकों का यथोचित पूल बनाना होगा। इन तात्कालिक उपायों के अतिरिक्त अनेक दीर्घकालिक उपाय भी हैं, जो भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था को हर संकट, समस्या एवं चुनौती से सुरक्षित रख सकते हैं। जैसे कि प्राकृतिक खेती एवं कृषि। इस क्षेत्र में नवोन्नत प्रगति करके इससे संबंधित खाद्य उत्पादों के सबसे बड़े विक्रेता, निर्यातक व लाभार्जक के रूप में भारत की स्थापना अवश्य हो सकती है, क्योंकि दुनिया में बढ़ते स्वास्थ्य संकट, कृत्रिम व रसायन मिश्रित खाद्यान्नों की प्रचुरता से विश्व के लोग दुःखी हैं।

इसी प्रकार भारत के पास आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा की विलक्षण योग्यता है। इन उपायों के बल पर दुनिया का हरेक व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ करना चाहता है। भविष्य में इस क्षेत्र को भी भारत के अर्थतंत्र का बड़ा आधार स्तंभ बनाया जा सकता है। इन दीर्घकालिक उपायों को अपनाकर भारत भविष्य में अमेरिका हो अथवा कोई अन्य देश, उसके किसी भी टैरिफ युद्ध का प्रतिरोध करने में पूर्णरूपेण सक्षम हो सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

व्यक्तित्व
कमल कटकी

उत्कृष्ट भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ थे 'भूपेन दा'

मुझे लगता है कि समग्र विश्व में ऐसा कोई कलाकार नहीं होगा- जिसके पास गायक, गीतकार, संगीतकार, कहानी लेखक, निबंधकार, नाटककार, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक, फिल्म निर्माता, संगीत निर्देशक, अभिनेता, पत्रकार, साहित्यकार, पत्रिका संपादक, पुस्तक पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, बुद्धिजीवी आदि सभी गुण एक साथ हों। ऐसा ही एक व्यक्ति हैं डॉ. भूपेन हाजरिका। 1984 से भूपेन दा के एक गिटार वादक के रूप में 5 नवंबर 2011 को महाप्रयाण के दिन तक, अपने पच्चीस वर्षों से अधिक समय की निकटता के दौरान हर एक क्षण में, मैंने बहु-प्रतिभाशाली, बहुआयामी कर्मयोगी, भूपेन दा को करीब से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। 8 सितंबर, 1926 को उस समय के नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर के अधीन तथा आज के अरुणाचल प्रदेश की तलहटी में स्थित एक छोटे से शहर सदिया से अपनी जीवन यात्रा की शुरुआत करने वाले भूपेन दा अपनी जीवन परिक्रमा को कठोर संघर्ष, सुख-दुख, उतार-चढ़ाव के बीच आगे ले जाते हुए खुद को एक वैश्विक कलाकार के रूप में स्थापित करना इतना आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने अपनी गुणवत्तापूर्ण गीत-संगीत की रचनाओं के माध्यम से आम लोगों का दिल जीतने में सक्षम हुए थे। भूपेन दा की चिरस्थायी वैश्विक लोकप्रियता केवल उनके गीतों के कारण ही है, ऐसी बात नहीं है। मेरी दृष्टि में, भूपेन दा एक बरगद के पेड़ की तरह विशाल हृदय के व्यक्तित्व के धनी थे और इस पेड़ की जड़ें खारखोआ (मूल) असमिया थे, पूरे पेड़ समग्र भारत था और पेड़ की शाखाएं, उप-शाखाएं, पत्ते आदि विश्व-उन्मुख थे। बिहू, ब्रह्मपुत्र और

भूपेन- अंग्रेजी वर्णमाला के तीन अक्षरों से समृद्ध इन शब्दों ने आज भी असम का परिचय विश्व के सामने उजागर करती है। भूपेन दा के सहयोगी के रूप में काम करने के कारण, असम के अलावा दुनिया भर के कई जाने-माने कलाकारों और हस्तियों से मिलने का अवसर मुझे मिला। लेकिन भूपेनदा जैसे महान व्यक्तित्व की सुगंध मुझे उनमें नहीं मिली। हमारे जैसे आम लोगों के लिए भूपेन दादा को समझ पाना मुश्किल है। उनमें विभिन्न रूपों का एक अद्भुत संयोजन था। क्रोध उनके जीवन का हमसफर जैसा था, ठीक उसी तरह जैसा उनके साथ हमेशा अपनी प्यारी मुस्कान रहती, जैसे धान के खेत की पराली तुरंत जलते ही थम जाती है, गुस्सा भी उसी तरह तुरंत गायब हो जाता है। पैसे के प्रति उनमें तनिक भी मोह नहीं था। उन्होंने मुझे कभी यह नहीं पूछा कि "फलाँ कार्यक्रम में गाने के लिए तुम्हें कितना मानदेय मिला?" या "मैं गाकर कितना कमा पाया?" यहां तक कि कार्यक्रम से संबंधित आय-व्यय का हिसाब-किताब जानने की कोशिश भी उन्होंने कभी नहीं की। पैसों के प्रति उनकी उदासीनता इतनी थी कि एक बार गुवाहाटी में आयोजित लता मंगेशकर के संगीत-प्रदर्शन का भारी-भरकम मानदेय लेकर भूपेन दा ने वह पैसों का थैला मुम्बई की टैक्सी में ही भूलकर छोड़ दिया था। धन के जोड़-घटाव से भूपेन दा का कोई लेना-देना नहीं था, वे जानते थे तो केवल शब्द और सुर का जोड़-घटाव, जनता से संवाद का जोड़-घटाव। आम लोगों के बीच रहकर असाधारण जीवन जीकर उन्हें बहुत संतोष मिलता था। साधारण जन के बीच रहकर खुश रहने वाले इस असाधारण भूपेन हजारिका ने समय से आगे चलकर अपनी जीवन-यात्रा को गहन आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाया और असम सहित सम्पूर्ण भारत में स्वयं को एक चिरस्मरणीय संगीतकार के रूप में स्थापित कर गए। राजपथ के किनारे आराम कर रहे रिक्शा चालक से वे कभी एक चुटकी खैनी लेकर अचानक ही गाने लगते थे -"मानुहे मानुहर बाबे, जदीहे अकनो ना भाबे"। उस क्षण कोई सोच भी नहीं सकता था कि ये वही भूपेन हाजरिका हैं जिन्होंने पचास के दशक में कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में जब भूपेन दा को डॉक्टरेट की उपाधि दी गई, तब डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था - 'डॉ. हज़ारिका, मैं हमेशा आपके जैसा बनना चाहता हूँ। लेकिन मैं आपके जैसा कैसे बन सकता हूँ?' तेजपुर विश्वविद्यालय ने इन दोनों महापुरुषों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की थी। भूपेन दा के महाप्रयाण के कुछ दिन पहले स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने भूपेन दा को दीपावली की शुभकामनाएं भेजते हुए जीवन-संघर्ष में विजय पाने का उत्साह दिया और कहा था- 'सभी उत्कृष्ट भारतीयों में आप सर्वश्रेष्ठ हैं।' मेरी नजर में भूपेन दा एक ऐसे ही व्यक्तित्व थे।

(लेखक प्रसिद्ध संगीतज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलतियों को खुले मन से स्वीकार करें

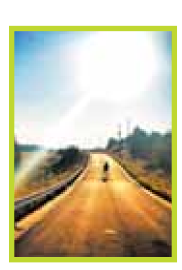

संकलित
दर्शन

कार्य संपन्न होने की प्रक्रिया में कदाचित त्रुटियां रह सकती हैं, भले ही कार्य निष्ठा से किया जाए। अगर कोई आपके किए-कराए में चूक निकाले, उस पर टिप्पणी करे तो नाराज होने के बजाय उसे खुलेमन से स्वीकार करें। वैसे आप गलतियां करने से तभी बच पाएंगे, जब कुछ नहीं करेंगे। अपने अवगुण या खोट को स्वीकार करना श्रेष्ठ मानवीय गुण है। औसत सोच का व्यक्ति ऐसा करने में असमर्थ होता है। अवांछनीय या अनुचित कार्य की अनदेखी का अर्थ है संशोधन के द्वार बंद कर देना। सर्वगुणसंपन्न व्यक्ति तो साक्षात देवता है। भूल-चूक की स्वीकारोक्ति प्रगति की राह में पहला चरण है। इस प्रक्रिया में आप अनेक व्यक्तियों का विश्वास जीतते हैं। जिस सत्य का सामना करने के लिए तैयार नहीं, उसे बदलेंगे कैसे? जिसे अपनी अपूर्णताओं का आभास नहीं वह मूर्ख नहीं, बल्कि दयनीय है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने अवगुणों को दूर नहीं कर सकेगा। जिस सीमा तक हम अपनी अपूर्णताओं और अवांछनीय व्यवहार के प्रति सजग रहेंगे और समाधान की ओर अग्रसर रहेंगे, उसी अनुपात में हम नैतिक रूप से समृद्ध होंगे। व्यावहारिक जीवन में संयमी, संयत व्यक्ति से भी भूल-चूक हो जाती है। उन्नत सोच का व्यक्ति अपनी भूल को तुरंत स्वीकार कर लेगा। मध्यम सोच वाले को गलती का अहसास तो होगा, वह मन में कुढ़ेगा भी, किंतु लज्जित होने की आशंका से वह गलती को खुलेआम नहीं मानेगा। अपनी छवि के प्रति अत्यंत चौकस अधिसंख्य व्यक्ति अपने गलत कार्य या कथन की वैसी संरक्षा करेंगे जैसे सद्गुण या शील दांव पर हो।

ऐसे काम न करें, जिनसे गलत संदेश जाए

संकलित
प्रेरणा

गुरुजी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखनी चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

सटाका

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा।

– विकास लाहोटी, रायगढ़

ट्रेंड

'प्रतिभा सेतु' प्लेटफार्म

यूपीएससी की अलग-अलग परीक्षाओं में जो होनहार प्रतिभागी आखिरी मेरिट लिस्ट का हिस्सा नहीं बन पाते, उनके लिए 'प्रतिभा सेतु' डिजिटल प्लेटफार्म बनाया गया है। यह बहुत खुशी की बात है कि इसकी मदद से उन्हें नए अवसर मिलने लगे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निर्यात में गिरावट की आशंका

अमेरिकी टैरिफ से निर्यात में गिरावट की आशंका के कारण राजस्थान के हैंडीक्राफ्ट निर्यातक भी परेशान हैं। इसका सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं कारीगरों एवं श्रमिकों के रोजगार पर भी पड़ेगा। केंद्र सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए जल्द ठोस कदम उठाने होंगे।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

चीन पर निर्भरता

चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

संवैधानिक ज़िम्मेदारी

गुजरात में भी बड़े पैमाने पर वोटों में धांधली का पर्दाफाश हुआ है। चुनाव आयोग ऐसे मामलों पर प्रतिक्रिया देने व उनकी जाँच करने की अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी निभाएगा या फिर यूँ ही चुपचाप बैठा रहेगा?

-जयराम रमेश, सांसद, कांग्रेस

करंट अफेयर

मैक्रों के फैसले से इजराइल और अमेरिका हुए नाराज

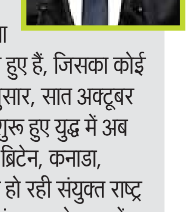

फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निर्णय के बाद अन्य पश्चिमी देशों ने भी इसी प्रकार के कदम उठाए जिसे लेकर इजराइल और उसके सहयोगी अमेरिका में नाराजगी है। इस फैसले ने गाजा में जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों के केंद्र में दो-राष्ट्र समाधान को एक बार फिर से ला खड़ा किया। पिछले सप्ताह इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लिखे एक पत्र में राष्ट्रपति मैक्रों ने लिखा, "फलस्तीनी जनता को उनका अपना राष्ट्र दिलाने के हमारे संकल्प की जड़ें इस विश्वास से जुड़ी हैं कि स्थायी शांति इजराइल की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। मैक्रों ने कहा, फ्रांस के कूटनीतिक प्रयास गाजा में उस भयावह मानवीय आपदा पर हमारे आक्रोश से उत्पन्न हुए हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं हो सकता। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के साथ शुरू हुए युद्ध में अब तक 63,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और माल्टा ने कहा है कि वे 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के दौरान फलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने के अपने संकल्प को औपचारिक रूप देंगे।

ऑफ बीट

एआई को प्रशिक्षित करने का डेटा खत्म हो सकता है

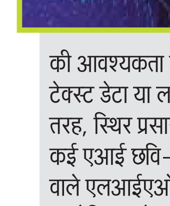

जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अपनी लोकप्रियता के चरम पर पहुंच रही है, शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि उद्योग में प्रशिक्षण डेटा खत्म हो सकता है – वह ईंधन जो शक्तिशाली एआई सिस्टम चलाता है। यह एआई मॉडल, विशेष रूप से बड़े भाषा मॉडल के विकास को धीमा कर सकता है, और एआई क्रांति के प्रक्षेपवक्र को भी बदल सकता है। लेकिन वेब पर डेटा की मात्रा को देखते हुए, डेटा की संभावित कमी एक मुद्दा क्यों है? और क्या जोखिम से निपटने का कोई तरीका है? एआई के लिए उच्च गुणवत्ता वाला डेटा क्यों महत्वपूर्ण है? शक्तिशाली, सटीक और उच्च गुणवत्ता वाले एआई एल्गोरिदम को प्रशिक्षित करने के लिए हमें बहुत सारे डेटा की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, चैटजीपीटी को 570 गीगाबाइट टेक्स्ट डेटा या लगभग 300 अरब शब्दों पर प्रशिक्षित किया गया था। इसी तरह, स्थिर प्रसार एल्गोरिथ्म (जो डीएएलएल-ई, लेंसा और मिडजर्नी जैसे कई एआई छवि-जनरेटिंग ऐप्स के पीछे है) को 5.8 अरब छवि-पाठ जोड़े वाले एलआईएओएन-5बी डेटासेट पर प्रशिक्षित किया गया था। यदि किसी एल्गोरिदम को अपर्याप्त मात्रा में डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, तो यह गलत या निम्न गुणवत्ता वाले आउटपुट उत्पन्न करेगा।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (म.प्र.)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

राज्य में अब तक 12 जिलों में 63 स्थानों पर हुए बड़े भूस्खलन

उत्तराखंड में भूस्खलन: धौलीगंगा परियोजना की दोनों सुरंगों में 11 श्रमिक फंसे, 8 को निकाला

ऋषिकेश में एसडीआरएफ ने एक 12 वर्षीय किशोर को सॉन्ग नदी से बचाया

11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया

एजेंसी ▶▶ पिथौरागढ़

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में धारचूला के पास ऐलागाड़ क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से धौलीगंगा विद्युत परियोजना की सामान्य और आपातकालीन सुरंगों को जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया, जिससे राष्ट्रीय जलविद्युत निगम लिमिटेड (एनएचपीसी) के 19 श्रमिक बिजलीघर के अंदर फंस गए। इनमें से 8 को निकाल लिया गया और 11 को सुरक्षित बचाने के प्रयास खबर लिखे जाने तक जारी थे। धारचूला के उप जिलाधिकारी जितेंद्र वर्मा ने बताया कि मलबा हटाने के लिए मशीनें तैनात कर दी गई हैं और रविवार शाम तक रास्ता साफ कर लिया जाएगा, जिसके बाद सभी मजदूर बाहर आ सकेंगे। उन्होंने बताया कि ऊपर से लगातार मलबा गिरने के बावजूद सीमा सड़क संगठन और हालवेज कंपनी की जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का कार्य जारी है।

लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बरकरार

उधर आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने रविवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सितंबर में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। अगले महीने राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर में सामान्य (167.9 मिमी) से ज्यादा बारिश होगी। उधर पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है।

गौरव यात्रा को दिखाई हरी झंडी

वर्मा ने कहा कि सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और बिजलीघर का रास्ता खुलने के बाद वे बाहर निकल आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि विद्युत परियोजना से बिजली उत्पादन सामान्य रूप से जारी है। उत्तराखंड में इस बार मानसून में भूस्खलन की एक के बाद एक घटनाओं ने चिंता और चुनौती दोनों बढ़ा दी हैं। राज्य में मई से अब तक 12 जिलों में 63 स्थानों पर बड़े भूस्खलन हुए हैं।

रुद्रप्रयाग में भूस्खलन से केदारनाथ हाईवे ठप

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। केदारनाथ हाईवे भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर बंद हो गया, जिससे तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है। शनिवार-रविवार की रात भारी मलबा गिरने और गौशाला के मलबे में तब्दील होने की घटनाएं सामने आईं।

खबर संक्षेप

दुर्घटनावश गोली लगने से सैनिक की मौत

श्रीनगर। गांदेरबल जिले में दुर्घटनावश गोली लगने से एक सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के कांस्टेबल छोटू कुमार जब मध्य कश्मीर जिले के मानसबल इलाके में पहुंचने के बाद एक ट्रक से कूद रहे थे, तभी उनकी सर्विस राइफल से दुर्घटनावश गोली चल गई। अधिकारियों ने बताया, 'उनकी राइफल का 'ट्रिगर' गलती से दब गया। कांस्टेबल कुमार को ठोड़ी के नीचे गोली लग गई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रूस के दागेस्तान में भीषण धमाका, कई लोग घायल

नई दिल्ली। रूस के दागेस्तान में एक गैस स्टेशन पर धमाका हो गया। इस शक्तिशाली विस्फोट में कई लोग घायल हो गए। घटना मखचकाला के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित खासाव्युर्ट जिले के सुलेवकेंट गांव के पास हुई। खासव्युर्ट जिले के सुलेवकेंट गांव में एक पेट्रोल पंप में विस्फोट हुआ, जिससे घटनास्थल पर आग लग गई।विस्फोट में घायल हुए चार लोगों को भर्ती कराया गया। फुटेज में लोगों को विस्फोट से बचने के लिए भागते हुए देखा जा सकता है।

ट्रंप को भारत के इतिहास और उसकी अहमियत का कोई अंदाजा नहीं

भारत को झुकाने में सफल नहीं हुए ट्रंप ने यूरोप से की अमेरिका जैसे एक्शन की मांग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारतीय आयात पर 50% प्रतिशत का टैरिफ लगाने के बाद भी भारत को झुकाने में नाकाम होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब नया पैंतरा चल रहे हैं। वॉइट हाउस ने अब यूरोपीय देशों से भारत पर अमेरिका जैसे ही प्रतिबंध लगाने को कहा है, जिसमें नई दिल्ली से खरीदे जाने वाले सभी तेल और गैस पर पूरी तरह से रोक लगाना भी शामिल है। रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

सूत्रों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि यूरोप भारत पर सेकेंडरी टैरिफ लगाए। यह उसी तरह से होगा, जैसे अमेरिका ने मॉस्को से तेल खरीदना बंद नहीं करने पर भारत के ऊपर लगाने की चेतावनी दी थी। अमेरिका ने इसी सप्ताह बुधवार को भारत के ऊपर 50% टैरिफ लागू कर दिया है।

इसमें 25% रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर लगाया गया है। भारत ने टैरिफ को लेकर आपत्ति जताई है। नई दिल्ली ने पश्चिम के पाखंड की आलोचना की है और कहा कि चीन रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, जबकि यूरोप लगातार मॉस्को से ऊर्जा उत्पाद खरीदता रहा है और दोनों को ही नई दिल्ली की तरह टैरिफ का सामना नहीं करना पड़ा है।

भारत,रूस और चीन आ गए साथ, ट्रंप की चिंता बढ़ी

यूरोपीय देश भी खुश नहीं हैं ट्रंप की कार्यशैली से

भारत, चीन और रूस के नेता होंगे साथ

यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी जिनपिंग तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान मिल हैं। दुनिया के चार बड़े नेताओं में से तीन का एक साथ होना वर्तमान भू-राजनीतिक हलचल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिस पर सभी की नजरें हैं।

मजबूत रिश्तों पर हुई बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव कै क्यू से मुलाकात की, जो सत्ताधारी पार्टी की पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के सदस्य हैं। इस दौरान दोनों ने भारत-चीन सहयोग को मजबूत बनाने पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पीएम मोदी और कै क्यू के बीच हुई मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं। उन्होंने कहा, ''पीएम मोदी ने चीन के तियानजिन में पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य कै क्यू से मुलाकात की। आज की बैठक के अनुरूप, उन्होंने भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय आर्थिक, राजनीतिक और लोगों के बीच आपसी विचार साझा किए।

ट्रंप, भारत से स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार कर रहे

अमेरिका के वरिष्ठ पत्रकार रिक सांचेज ने भारत पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी सरकार की तीखी आलोचना की है। सांचेज ने कहा है कि ट्रंप सरकार को भारत के इतिहास और उसकी अहमियत का कोई अंदाजा नहीं है और यही वजह है कि वे बिना सोचे समझे फैसले ले रहे हैं। बातचीत में सांचेज ने कहा कि ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो द्वारा यूक्रेन युद्ध को मोदी का युद्ध कहने पर कहा कि उनका बयान पर हंसा ही जा सकता है। वे कोई बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हैं और न ही वे कोई बड़े विचारक हैं। सांचेज ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ के बारे में मेरे देश की समझ बहुत सीमित है। वे भारत के इतिहास, भारत और चीन के रिश्तों और रूस-यूक्रेन के रिश्तों के बारे में कुछ नहीं जानते। तभी वे मूर्खतापूर्ण बयान देते हैं। नव-रूढ़िवादी, हथियार उद्योग से जुड़े लोग ट्रंप को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं ट्रंप को अहसास है कि उन्होंने गलत मोड़ ले लिया है और यही वजह है कि ट्रंप अब ग्लोबल साउथ और यूरोपीय संघ को बराबर महत्व देते दिखाई दे रहे हैं और संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

यूरोप को लेकर खुश नहीं ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन ने बीती 15 अगस्त को अमेरिका के अलास्का में मुलाकात की थी। रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय के शीर्ष सूत्र के हवाले से दावा किया गया कि वॉइट हाउस यूरोपीय नेताओं के साथ अपना धैर्य खो रहा है। दावा है कि यूरोपीय नेता यूक्रेन को लेकर रूस से ऐसी क्षेत्रीय रियायतें दिए जाने का दबाव बना रहे हैं, जो अवास्तविक हैं। वॉइट हाउस का मानना है कि यूरोप जेलेंस्की पर बेहतर डील के लिए दबाव बना रहा है, जिसने युद्ध को और बढ़ा दिया है।

सेना ने किया बड़ी साजिश का खुलासा

पुंछ में सुरक्षा बलों ने 2 आतंकियों को पकड़ा,एके-47, हैंड ग्रेनेड जब्त

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक एके-47 और एक हैंड ग्रेनेड मिला है। पुंछ पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने छापेमारी भी की।

इसमें आजमाबाद स्थित एक घर पर छापा मारा, यहां से इस घर के मालिक स्थानीय निवासी तारिक शेख और उसके साथी चैंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया है।अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार करने के बाद दोनों से पूछताछ की गई, जिससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने जलियां गांव स्थित शेख के एक और किराए के मकान पर छापा मारा, जहां से यह हथियार बरामद किए गए।

गौरतलब है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही सुरक्षाबल लगातार आतंकवादियों पर कहर बनकर टूट रहे हैं। 28 अगस्त को भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास एक मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया था।

दो आतंकियों को किया ढेर

इसकी जानकारी देते हुए चिनार कॉर्प्स ने लिखा, जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संदिग्ध घुसपैठ के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने गुरेज सेक्टर में संयुक्त अभियान शुरू कर दिया। सैनिकों ने एक गतिविधि देखी और कार्रवाई शुरू कर दी। परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की और दो आतंकियों को मार गिराया।

मालवेयर से यूजर्स को था बड़ा खतरा

गूगल ने प्ले स्टोर से एक साल में हटाए 40 लाख से ज्यादा एप्स

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गूगल ने एक बड़ा ऐक्शन लेते हुए अपने प्ले स्टोर से 77 खतरनाक एप्स को हटा दिया है। ये सभी एप्स यूजर्स की सुरक्षा और प्राइवेसी के लिए खतरा बने हुए थे। हालांकि, यह केवल हालिया कार्रवाई का हिस्सा है।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल ने पिछले साल लगभग 40 लाख एप्स को डिलीट किया, यानी औसतन हर दिन 11,000 एप्स को हटाया गया। यह जानकारी सर्फशार्क की रिपोर्ट और गूगल के ट्रांसपेरेंसी डेटा से सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हटाए गए आधे से ज्यादा ऐप्स डेटा प्रोटेक्शन और प्राइवेसी नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

जांच से गुजरना होगा

इसके साथ ही गूगल ने इस साल करीब 1.55 लाख डेवलपर अकाउंट्स को भी ब्लॉक कर दिया। कंपनी अब साइडलोडेड एप्स (जो सीधे प्ले स्टोर से डाउनलोड नहीं होते) पर भी सख्ती कर रही है। गूगल का कहना है कि अब केवल वही डेवलपर्स एप्स पब्लिश कर सकेंगे, जो वेरिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरेंगे। गूगल ने यूजर्स को चेतावनी दी है कि अगर कोई एप प्ले स्टोर से गायब हो जाए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि डेवलपर ने उसे हटाया है। बल्कि अक्सर इसका कारण होता है कि एप ने नियमों का उल्लंघन किया है। हालांकि, अगर एप आपके फोन में पहले से मौजूद है तो वह चलता रहेगा, लेकिन उसे आगे अपडेट नहीं मिलेगा। कंपनी ने साफ किया है कि अगर ऐप खतरनाक पाया गया तो प्ले प्रोटेक्ट आपको उसे अनइंस्टॉल करने का अलर्ट देगा। लेकिन अगर ऐसा अलर्ट नहीं आया, तो ऐप आपके फोन में बिना सिक्योरिटी अपडेट्स के चलता रहेगा।

पहले आधे एप्स हटाए जा चुके थे

गूगल ने पिछले साल ही एप पब्लिशिंग को लेकर सख्त नियम लागू करने का ऐलान किया था और अब उसका असर साफ दिखाई दे रहा है। 2024 की शुरुआत तक ही प्ले स्टोर पर मौजूद लगभग आधे एप्स हटाए जा चुके थे।

ट्रंप नीतियों में बदलाव के बावजूद एंट्री बैन

अमेरिका में चीनी छात्र से घंटों पूछताछ के बाद डिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में पढ़ाई करने पहुंचे एक 22 वर्षीय चीनी छात्र का सपना अचानक टूट गया। चीन से 29 घंटे की लंबी यात्रा के बाद टेक्सास एयरपोर्ट पहुंचे छात्र गू को न केवल घंटों तक पूछताछ का सामना करना पड़ा बल्कि 36 घंटे बाद उसे वापस चीन भेज दिया गया।

यही नहीं, छात्र पर पांच साल तक अमेरिका में प्रवेश पर रोक भी लगा दी गई। छात्र ने बताया कि उसके पास सभी दस्तावेज पूरे थे। वह यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन में दर्शनशास्त्र पढ़ने आया था। इससे पहले वह

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पढ़ाई कर चुका था और तब उसे कोई दिक्कत नहीं हुई थी। लेकिन इस बार एयरपोर्ट पर पहुंचते ही कस्टम अधिकारियों ने उसे रोक लिया, उसके इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खंगाले और लगातार घंटों पूछताछ की। पूछताछ का केंद्र उसके चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध और चाइना स्कॉलरशिप काउंसिल से जुड़े चैट्स रहे।

मुठभेड़ में ढेर हुआ आतंकियों का समंदर चाचा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। मोस्ट वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को नौशेरा सेक्टर में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। बागू खान अब तक 100 से ज्यादा घुसपैठ में शामिल था और वह आतंकी जगत में ह्यूमन जीपीएस कहलाता था। सुरक्षाबलों ने वीरवार को उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में बागू खान समेत दो आतंकियों को ढेर कर दिया। इसे पाकिस्तान सीमा (एलओसी) पर सक्रिय आतंकियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

30 साल बाद कश्मीर में फिर खुला शारदा भवानी मंदिर

स्थानीय मुस्लिम बोले- घाटी रही है पंडितों की जन्मभूमि

एजेंसी ▶▶ जम्मू

कश्मीरी पंडित समुदाय ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शारदा भवानी मंदिर को तीन दशकों से भी ज्यादा समय बाद फिर से खोल दिया। इस समारोह में स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भारी भागीदारी रही।

मध्य कश्मीर जिले के इचकूट गांव में 'मुहूर्त' और 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ आयोजित इस समारोह में कश्मीरी पंडित परिवारों का एक ग्रुप 1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर घाटी में उग्रवाद भड़कने के बाद पहली बार अपने पैतृक स्थान पर लौटा। इस दौरान एक मुस्लिम

बुजुर्ग ने कहा कि कश्मीर घाटी कश्मीरी पंडितों की जन्मभूमि है और दोनों समुदाय साथ-साथ पले-बढ़े हैं।बडगाम स्थित शारदा स्थापना समुदाय के अध्यक्ष सुनील कुमार भट्ट ने कहा, हम कह सकते हैं कि यह पाकिस्तान स्थित शारदा माता मंदिर की एक शाखा है। हम लंबे समय से इस मंदिर को फिर से खोलना चाहते थे।

कश्मीरी पंडित जल्द लौटें, यही प्रार्थना

स्थानीय मुसलमान भी यही चाहते थे। वे हमें नियमित रूप से आकर मंदिर की पुनर्स्थापना करने के लिए कहते थे। उन्होंने कहा कि पंडित समुदाय ने 35 साल बाद मंदिर को फिर से खोला है। हमें उम्मीद है कि यह (सभा) एक वार्षिक आयोजन होगा और हम माता रानी से प्रार्थना करते हैं कि समुदाय के सदस्य जल्द ही कश्मीर लौट आएं। भट्ट ने कहा कि कुछ कश्मीरी पंडितों ने, जिनमें से ज्यादातर प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे हैं।

आदिवासी छात्रों के लिए अंतरिक्ष शिक्षा को देगा बढ़ावा

स्कूल में एक आधुनिक कक्षा भी तैयार की गई है, जिसमें स्मार्ट क्लासरूम है

त्रिपुरा में शुरू हुई स्पेस एजुकेशन लाइब्रेरी, छात्रों को मिलेगा चंद्रयान से मंगल मिशन तक का ज्ञान

एजेंसी ▶▶ उनाकोटी

त्रिपुरा के सुदूर उनाकोटी जिले के एक स्कूल में स्पेस एजुकेशन लाइब्रेरी की शुरुआत की गई है। यहां छात्रों को रॉकेट मॉडल, अंतरिक्ष अभियानों की जानकारी और रिकॉर्डेड लेक्चर के जरिए अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

नई पीढ़ी के बच्चों को अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि दिलाने के लिए त्रिपुरा के उनाकोटी जिले के एक स्कूल में अंतरिक्ष शिक्षा पुस्तकालय खोला गया है। ईस्ट रैटविसा डार्लोंग पारा हाई स्कूल की इस लाइब्रेरी में एसएलवी मार्क-2, पीएसएलवी और जीएसएलवी जैसे रॉकेटों के छोटे मॉडल रखे गए हैं। साथ ही,

वैज्ञानिकों पर 100 से अधिक किताबें और बच्चों की पत्रिकाएं उपलब्ध

चंद्रयान, मंगल मिशन और सौर मिशन जैसे अभियानों के मॉडल भी यहां मौजूद हैं। बच्चों को बेहतर समझ देने के लिए अंतरिक्ष विज्ञान पर रिकॉर्ड किए गए लेक्चर भी सुनाए जाते हैं। कुमारघाट के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सुदीप भौमिक ने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

दूरदराज के छात्रों के लिए विकास और अवसर

इन प्रगति के साथ, कुमारघाट ब्लॉक सलाहकार समिति (बीएसी) का लक्ष्य केवल दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदायों में वैज्ञानिक मानसिकता उत्पन्न करना नहीं है, बल्कि उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए उम्मीद प्रदान करना भी है। स्कूल के एक शिक्षक रिंगामपर हलाम ने कहा, विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लिए समग्र दृष्टिकोण के कारण, छात्रों की संख्या हर साल बढ़ती जा रही है।

सौर ऊर्जा से संचालित आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण

बीडीओ ने बताया कि यह पुस्तकालय 'नानाजी देशमुख सर्वोत्कृष्ट पंचायत सतत विकास पुरस्कार' के तहत मिलने वाले अनुदान से बनाया गया, जिसे केंद्रीय पंचायत मंत्रालय ने वित्तीय सहायता दी। इसके अलावा, स्कूल में एक आधुनिक कक्षा भी तैयार की गई है, जिसमें स्मार्ट क्लासरूम है, जिसमें डिजिटल पैनल, डिजिटल पोडियम और प्रशिक्षण कुर्सियां लगी हुई हैं। भौमिक ने कहा, इन सभी को स्कूल में स्थापित 5 किलोवाट सौर प्रणाली द्वारा संचालित किया गया है।

अंतरिक्ष शिक्षा में रुचि बढ़ाना चाहते हैं

जिससे दूरदराज के आदिवासी इलाकों के छात्र भारत की प्रगति की कल्पना कर सकें - साइकिल पर रॉकेट ले जाने से लेकर वर्तमान मानव मिशन तक। हम अंतरिक्ष शिक्षा में रुचि बढ़ाना चाहते हैं और इसे गति प्रदान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में खगोलशास्त्र, अंतरिक्ष विज्ञान और भारतीय अंतरिक्ष और खगोल भौतिकी के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों पर 100 से अधिक किताबें और बच्चों की पत्रिकाएं उपलब्ध हैं, ताकि छात्र उनके बारे में सीख सकें। फिं हमारे छात्र ही नहीं, अन्य स्कूलों के बच्चे भी अंतरिक्ष शिक्षा पुस्तकालय को देखने आ रहे हैं ताकि उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान मिल सके।

आठ माह से जारी विरोध, नवगठित वक्फ कमेटी को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी आवाम

मोमिन ईदगाह गोहलपुर की हिफ़ाज़त के लिए समाज हुआ एकजुट

जबलपुर। मोमिन ईदगाह गोहलपुर की हिफ़ाज़त को लेकर मुस्लिम समाज ने अब निर्णायक लड़ाई का ऐलान कर दिया है। वक्फ बोर्ड द्वारा गठित नवगठित कमेटी के खिलाफ पिछले आठ माह से जारी विरोध को और मजबूती प्रदान करते हुए रविवार को मोमिन ईदगाह एक्शन कमेटी के तत्वावधान में एक विशाल बैठक का आयोजन किया गया। इसमें समाज के सैकड़ों लोग, बुद्धिजीवी वर्ग, सामाजिक सरदार, अधिवक्ता और पार्षद शामिल हुए।

ईदगाह का इतिहास और समाज से गहरा रिश्ता

मोमिन ईदगाह गोहलपुर न केवल एक इबादतगाह है, बल्कि यह सदियों से मुस्लिम समाज की मीरास और आस्था का प्रतीक रही है। यह स्थल हमेशा से समाज के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक मेल-जोल का केंद्र रहा है। इतिहास गवाह है कि इस ईदगाह के वाकिफ और देखरेख की जिम्मेदारी समाज की आपसी सहमति और परंपरा से ही तय होती रही है, लेकिन हाल ही में गठित की गई नई वक्फ कमेटी वाकिफों की इच्छा और समाज की अपेक्षाओं के बिल्कुल विपरीत है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आवाम ने किया स्पष्ट ऐलान

बैठक में उपस्थित जिम्मेदार लोगों ने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या गुट की नहीं, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज की पहचान और अधिकारों की है। समाज ने हर स्तर पर विरोध जारी रखने, ईदगाह की हिफ़ाज़त के लिए क़ानूनी और सामाजिक मोर्चे पर डटे रहने का संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे अंसारी समाज के सरदार हाजी अब्दुल हकीम बाबा ने कहा कि "मोमिन ईदगाह हमारी पहचान और मीरास है। इसे किसी भी बाहरी हस्तक्षेप या थोपी गई कमेटी को समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। यह ईदगाह हमारे बड़ों की अमानत है और इस अमानत की हिफ़ाज़त करना हमारी जिम्मेदारी है।"

समाज के कोषाध्यक्ष ख़लील अंसारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि "हम सबको एकजुट होकर ईदगाह की हिफ़ाज़त करनी है। यह लड़ाई केवल एक स्थान की नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक अस्तित्व और अधिकारों की है। हम हर स्तर पर इसका विरोध करेंगे और आवाम से अपील करते हैं कि इस जंग में कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े रहें।"

बैठक में मुख्य रूप से सरदार हनीफ हन्नु हाजी, सरदार हाजी जमील सर, सरदार मुख्तार बाबा, सरदार इशखाद अंसारी, सरदार मुख्तार अंसारी, सरदार बर्कत बुग्गा, सरदार पार्षद अखतर अंसारी, सरदार गनी पेन्टर, सरदार सगीर, सरदार फजल अंसारी, सरदार शमसुद्दीन बड्डे हाजी, सरदार युनुस भैया, सरदार जमील मौला, सरदार रशीद अंसारी, सरदार गनी, पार्षद वकील अंसारी, पार्षद याकूब अंसारी, पार्षद शफीक हीरा, निसार अहमद निसार, पार्षद गुलाम हुसैन, सगीर बम्बईया, रशीद हीना, शकील हाजी, अदनान अंसारी, हाजी मतलूब अंसारी, फरीद सब्जी, अफजाल रहमानी आदि उपस्थित थे।

ईद मिलाद उन नबी की तैयारियां जोरों पर

जबलपुर। पैगंबर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद (सल्ल.) के योमे पैदाइश ईद मिलाद उन नबी (5 सितंबर) के लिए संस्कारधानी में तैयारियां जोरों पर हैं। मुस्लिम समुदाय में इस दिन को बेहद उत्साह और अकीदत के साथ मनाया जाता है। शहर में इस मौके पर खास सजावट, जुलूस और धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों नालबंद मोहल्ला, चार खंबा, गोहलपुर, मंडी मदार टेकरी, नया मोहल्ला, बहोराबाग के साथ-साथ छावनी क्षेत्र सदर एवं उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा में भी बस्तियों में एवं घरों और मस्जिदों को रंग-बिरंगी रोशनी और झंडों से सजाया जा रहा है। नया मोहल्ला हुसैन चौक में ईद मिलाद उन नबी के मौके पर चार दिवसीय श्रृंखलाबद्ध आयोजन का एहतेमाम किया गया है। कमेटी के अध्यक्ष खालिद मुबीन के अनुसार 02 सितंबर मंगलवार को रात्रि 9 बजे से महफिले नअत एवं इस्लामी क्विज से प्रोग्राम का आगाज होगा। आयोजन में मुख्य अतिथि बाबा मेराज अहमद जमाली होंगे, जिसमें ख्याति प्राप्त नाअत ख्वां मो. आजम बरेलवी नातिया कलाम पेश करेंगे। आयोजन की अध्यक्षता निजाम मंसूरी करेंगे। अतिथि हाजी मो. सलीम चाचा, हाजी मो. इसरार सा., हाकिम खान एडवोकेट, एड. इरफान आदि होंगे। 03 सितम्बर बुधवार को रात्रि 9 बजे से जलसए खिताबत होगा। मुफ्ती ए आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी की सरपरस्ती में आयोजित जलसे में मौलाना फारूख खान रजवी नागपुर एवं मुफ्ती नईम अख्तर कादरी और मौलाना तारिक रजवी नूरानी तकरीर पेश करेंगे। 04 सितम्बर जुमेरात को रात्रि 9 बजे हाजी मो. सलीम खान की सदारत में ऑल इंडिया नातिया मुशायरा होगा। मुशायरे के अतिथिगण जनाब हाजी गुलाम मुहम्मद (मुन्ने पहलवान), हाजी कदीर सोनी, पप्पू वसीम खान, मुतवल्ली सैयद कादिर अली कादरी, हाजी रमजान मार्बल, मजहर उस्मानी, निजामुद्दीन कुरैशी होंगे। जिसमें वरिष्ठ शायर नईम अख्तर खादमी बुरहानपुर, अंजुम बाराबंकवी, जाहिद हरयानवी, गुलरेज देवासी, सलीम रजा अतिरिक्त स्थानीय शायर अपना कलाम पेश करेंगे। 05 सितम्बर को दोपहर 2 बजे नया मोहल्ला हुसैन चौक से मुफ्ती ए आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी की कयादत में जुलुसे मुहम्मदी निकाला जाएगा जो विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर अंजुमन स्कूल के मैदान में समाप्त होगा।

ईसाई धर्मविलंबियों ने एगनस लोएला पर्व मनाया

जबलपुर। संत मोनिका का पर्व 'एग्नस लोएला' चर्च स्नेह सदन में धर्म प्रांतीय महिला मंडल द्वारा मनाया गया। संत मोनिका का पर्व कैथोलिक चर्च में महिलाओं द्वारा मनाया जाता है संत मोनिका का जन्म 322 में दक्षिण अफ्रीका के शहर में हुआ था उनका जीवन कठिन परिस्थितियों में गुजरा फिर भी वह नम्र स्वभाव, विश्वास प्रार्थना पूजा द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य, लम्बी आयु की कामना के लिए मनाते हैं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पल्ली पुरोहित अतिथि पुरोहित जुड सिस्टर बदल सिस्टर हेलन सिस्टर फ्लोर मंजा मैक्स थे, सभी का स्वागत पौधा देकर किया गया। धर्म प्रांत के सभी कैथोलिक बच्चों की महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया एवं नाच गान, नाटिका संत मोनिका के जीवन पर आधारित प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष डेजी एंथोनी वेरोनिका बापटिस्ट उपाध्यक्ष रोज मेरी थॉमस कोषाध्यक्ष तेजी अगस्टिन शोभा एडलिन मीनू मोनिका नीलम अर्चना पाल हेलन रोमानी जसेंटा नूतन विमला आदि ने कार्यक्रम में सहयोग कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

शाला प्रबंधन समिति का हुआ गठन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला पश्चिमी करियापाथर में शाला की प्रधान अध्यापिका छाया जैन के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक सविता सेन और शाला के सभी शिक्षकों की उपस्थिति में चुनाव कराकर निर्विवाद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति की गई, जिसमें अध्यक्ष काजल चौधरी एवं उपाध्यक्ष निलोफर वारती को सभी सदस्यों की सहमति से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाया गया। सभी चुने गए पदाधिकारियों को शाला परिवार की तरफ से पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें शाला के विकास में किस तरीक़े से सहयोग प्रदान करना है, इन सभी बातों की जानकारी दी गई। चुने हुए अध्यक्ष,

उपाध्यक्ष और सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे शाला के विकास में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर रॉबर्ट मार्टिन, हरिश्चंद्र वर्मा, मोनिका सोनी, रामशंकर श्रृंगी, अमिता केसरवानी, शबनम कुरैशी, पद्मा मालवीय, मंजुलता सोनी, पूजा सोनकर, वंदना विश्वकर्मा, सीमा तिवारी, रिक्ता जैकब, राधा सोनकर, रश्मि गुप्ता, फरजाना बानो आदि उपस्थित रहे।

पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी ने नगर निगम बैठक में उठाई क्षेत्र की आवाज

जबलपुर। नगर निगम की हंगामेदार बैठक में डॉक्टर जाकिर हुसैन वार्ड की महिला पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी ने बड़े ही मुखरता से अपने अंदाज में सदन के सामने अपनी बात को रखकर बताया कि मेरे वार्ड में कुछ विशेष मांगों को लेकर मैं सदन के माध्यम से नगर निगम अध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखती आई हूं, परंतु मेरी मांगों को तवज्जों न देना सत्ता पक्ष के महापौर पर प्रश्न चिन्ह लगाता है, मुकीमा याकूब अंसारी ने बताया कि मेरी जो इस सदन के माध्यम से प्रमुख मांगें हैं जिन पर विचार होना अनिवार्य है जिनमें वार्ड के पहले पार्षद हाजी मुंशी हमीदुल्लाह के नाम से चारखंबा चौराहे का नामकरण होना चाहिए, चार खंबा से मोमिनपुर तलैया मार्ग का नामकरण नेता स्वर्गीय शब्बीर अंसारी के नाम से हो, गोहलपुर थाना चौक का नामकरण मोमिन समाज की धरोहर मोमिन ईदगाह के नाम पर होना चाहिए, वहीं गोहलपुर स्कूल को भी सांदीपनी स्कूल घोषित किया जाए एवं विभागों के बीच में आपसी तनातनी से बच्चों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जाए, गोहलपुर पानी की टंकी का नवनिर्माण तत्काल किया जाए, बोहरा बाग चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल की जो समस्या है उस पर भी त्वरित कार्रवाई की जाए, वार्ड में संजीवनी क्लीनिक की स्थापना की विशेष मांग वार्ड पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी ने की है।

श्याम सिंह लोधी की स्मृति में कुश्ती प्रतियोगिता शुरु

जबलपुर। श्याम सिंह लोधी की स्मृति में सगड़ा व्यायाम शाला के तत्वावधान में 31 अगस्त को दंगल की शुरुआत किशोरी सिंह लोधी खलीफा ने भगवान बजरंग बली की पूजा अर्चना कर की। इस अवसर पर इंडियन स्टाइल कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, प्रथम विक्रम अवॉर्डी मन्नू पहलवान, हीरा खलीफा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश यादव, सोनी मास्टर, विनय चक्रवर्ती उपस्थित रहे। दंगल में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों जैसे बरगी, पिपरिया, उमरिया, पनागर चारगांव, भेड़ाघाट, बगरई के लगभग 100 से अधिक पहलवानों ने हिस्सा लिया जिसमें 52 कुश्तियां हुईं।

कुश्ती के परिणाम इस प्रकार हैं-आयुष पहलवान बुद्धेगोंड ने अखिल पहलवान पंचायती व्यायाम शाला को हराया, अनुज गरीबदास ने ऋषभ पहलवान को, साहिल पंचायती व्यायाम शाला ने सचिन को, सचिन पहलवान बुद्धेगोंड ने अंकित पहलवान भेड़ाघाट को, वीर पहलवान ने राज यादव को, डेब्यू पहलवान साई सेंटर ने हर्ष पहलवान गरीब दास उस्ताद को हराया। दंगल में कुश्ती के निर्णायक भूरे पहलवान पड़ुआ, टाइम कीपर सुशील लोधी, स्कोरर विशेष पहलवान रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास पहलवान, वीरान पहलवान, अनिल पहलवान, अमित लोधी, विनोद पहलवान, शाहिद पहलवान, राकेश ठाकुर, जयवीर सिंह, उस्ताद नर्बद काछी आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन नितिन लोधी और दुर्गा शंकर ने किया। दंगल समिति के अध्यक्ष ने बताया आज दूसरे दिन शाम 4:00 बजे से दंगल आरंभ होगा।

मक्का मदीना उमरा के लिए जत्था रवाना रेलवे स्टेशन पर हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर। मुस्लिम धर्मावलंबियों के पवित्र तीर्थ स्थल मक्का मदीना उमरा के लिए एक सैकड़ा लोगों का जत्था मुंबई मेल से रवाना हुआ, स्टेशन पर यात्रियों का फूल माला पहनाकर एवं मिष्ठान खिलाकर भव्य स्वागत किया गया। जत्थे में शामिल मो. सिद्दीकी, श्रीमति बानो बी व अन्य ने बताया कि हम सभी लोग पवित्र तीर्थ स्थल मक्का मदीना उमरा ज्यारत के लिए जा रहे हैं, जहां हम अपनी अकीदत पेश कर अपने मुल्क हिंदुस्तान एवं जबलपुर में अम्नो और शांति की दुआ करेंगे। इस अवसर पर शफी खान, मोहसिन खान, रहीस खान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

"सखी बहिनपा मैथिलानी समूह" ने मनाया स्थापना दिवस

जबलपुर।

श्रीमती आरती झा ने "सखी बहिनपा मैथिलानी समूह" की स्थापना 10 वर्ष पूर्व 24/08/2015 को की थी। इस समूह की स्थापना का उद्देश्य मिथिला के रीति-रिवाज, संस्कृति, व्रत-त्योहार, पारंपरिक गायन तथा लोक कला का संरक्षण और संवर्धन है। इसके साथ यह समूह मैथिली भाषा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ महिलाओं को स्वावलंबी तथा स्वरोजगार हेतु प्रेरित करता है तथा आर्थिक सहायता प्रदान करता है। इस समूह की स्थापना के 10 साल पूर्ण होने के अवसर पर समूह की सदस्यायों द्वारा "शीशा स्काई लाउँज", सिविक सेंटर के हॉल में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमे मिथिला की

सांस्कृतिक रूप की पूर्ण छवि परिलक्षित हुई। इस समूह की जबलपुर इकाई की प्रभारी प्रभा झा है, जिनके नेतृत्व में इकाई ने सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही शालीन तथा उत्साहपूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वाणी झा, नीलम झा, रूबी मिश्रा, मालती झा, पिंकी मिश्रा, रंजू झा, शिशिर कुमारी ठाकुर, इंदु ठाकुर, प्रिया पाठक, शिवा चौधरी, रीता झा, रिंकू झा, अर्चना झा तथा विभा मिश्रा का सहयोग और सहभागिता अद्भुत रहा।

महाराष्ट्रीयन समाज की महिलाओं ने की माँ महालक्ष्मी की स्थापना

जबलपुर। महाराष्ट्रीयन परिवार की महिलाओं ने 31 अगस्त को माँ महालक्ष्मी की स्थापना पूरे विधि-विधान से पारंपरिक साड़ी पहनकर की। आलोक नगर आधारताल निवासी इन्दु कोहाड़ ने बताया कि माँ महालक्ष्मी का व्रत नववारी साड़ी पहनकर किया जाता है और महाराष्ट्रीयन महिलाएं सोलह श्रृंगार में रहती हैं। सबसे खास बात यह कि माता ज्येष्ठा और कनिष्ठा को हरे रंग की चूड़ियां पहनाई जाती हैं, 50 प्रकार का व्यंजन बनाया जाता है। महाराष्ट्रीयन परिवारों ने भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी को आस्थापूर्वक महालक्ष्मी का पूजन और महाआरती की। अष्टमी को विशेष पूजा एवं

नवमीं के दिन महाप्रसाद का वितरण किया जाता है, दसवें दिन माता का विसर्जन किया जाता है। इस अवसर पर इन्दू कोहाड़, बसंत कोहाड़, राजू कोहाड़, मुधारी कोहाड़, आर्या कोहाड़, वीरेन्द्र ने माता महालक्ष्मी की महाआरती की।

36वां बुंदेली दिवस आज

जबलपुर। बुंदेली माटी को समर्पित लोक विज्ञानी शिक्षाविद स्व. डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव का 109वां जयंती समारोह (36वां बुंदेली दिवस) 01 सितम्बर को शाम 6.30 बजे से शहीद स्मारक भवन गोलबाजार में आयोजित है। समारोह के मार्गदर्शक अजय विश्नोई, पं. नित्यनिरंजन खम्परिया, डीसी जैन, भजनलाल महोबिया, आचार्य भगवत दुबे, डॉ. हरिशंकर दुबे, लायन राजीव अग्रवाल, अमरेश श्रीवास्तव, अजय अग्रवाल, मनोरमा तिवारी, जादूगर एसके निगम, चमन श्रीवास्तव, गुरवचन सिंह चोपरा, प्रभातचंद श्रीवास्तव हैं।

101 वर्षीय आरपी श्रीवास्तव का हुआ शतायु सेवा सम्मान

जबलपुर। कायस्थ समाज के सबसे वरिष्ठ शतायु पूर्ण कर चुके आरपी श्रीवास्तव को सहेन्द्र श्रीवास्तव समाज सेवी द्वारा शतायु समाज सेवा सम्मान से सम्मानित कर आशीर्वाद लिया गया। सम्मान कार्यक्रम में सहेन्द्र श्रीवास्तव, अमरेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, अखिलेश ब्यौहार, पियूष वर्मा, संतोष श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव सहित अनेक चित्रांश बंधु उपस्थित थे।

जबलपुर मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने चौकी में पंखा, घड़ी भेंट की

जबलपुर। जबलपुर मोटर्स पार्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन हर वर्ग के साथियों के लिए हाथ बढ़ाता है, चाहे जनसेवा की बात हो, स्वास्थ्य शिविर, प्रसाद वितरण एवं अन्य सेवा कार्य हो एसोसिएशन बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। इसी तारतम्य में भीषण गर्मी से निजात हेतु एसोसिएशन द्वारा बस स्टैंड चौकी में चौकी प्रभारी जे.एन. यादव एवं मेजर दीपक को पंखा, घड़ी भेंट की गई, जिससे जनसेवा में लगे हुए पुलिस साथियों को मानसिक शांति हेतु कुछ क्षण की शांति प्रदान हो सके एवं एसोसिएशन सदस्यों द्वारा पुलिस को विश्वास दिलाया गया कि एसोसिएशन हर परिस्थिति में चौकी के साथ खड़ा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामअवतार शारदा, जोगेश भाटिया, मनदीप कोहली, डॉ. जय रोहाणी, ओपी पचौरी, सुरेंद्र टुटेजा, राजू टुटेजा, विनीत भाटिया, सुरेंद्र टैटर, भूपेन्द्र टुटेजा उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह संपन्न

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के संभागीय अध्यक्ष हेमंत ठाकरे ने बताया कि कौशल विकास संचालनालय में कार्यरत कर्मचारी भागीलाल बर्मन सहायक वर्ग-तीन 37 वर्ष 6 माह की सेवा उपरांत दिनांक 30.08.2028 सेवानिवृत्ति के अवसर पर कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश जबलपुर के कर्मचारी साथियों, परिवार द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री बर्मन को बुके, शाल और स्मृति चिन्ह इत्यादि भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित आभा कोरड़े लेखाधिकारी ने भागीलाल बर्मन, सहायक वर्ग 3 के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी को उनके कार्यकाल से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भागीलाल बहुत ही मधुर स्वभाव के हैं, कार्यालय के अधिकारी से लेकर समस्त कर्मचारी उनके कार्य से संतुष्ट हैं, कभी किसी कार्य को उन्होंने मना नहीं किया, समस्त कार्य जो भी उन्हें दिया जाता पूर्ण निष्ठा के साथ संपादित किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्टाफ के भूपत अहिरवार, आरपी खनाल, अशोक कोष्टी, संतोष द्विवेदी, एमपीएस बेदी, एन.आर. कदम, एलेक्स जोसफ, अशोक परस्ते, अजय डोंगरे, राजू डहेरिया, महेंद्र प्रधान, विवेक चौधरी, अनिकेत पटेल, नज़ीर हयात खान, राहुल मरकाम, नवीन गौतम, मधुकर ठाकरे, नीलेश खरे, हरिचरण पटेल, अजय कुमरे, प्रवीण साहू, रामसिंह सहित श्री बर्मन के परिवार के सदस्य सम्मिलित रहे।

इंटक ने कांग्रेस ग्रामीण व नगर अध्यक्ष का स्वागत किया

जबलपुर। मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के क्षेत्रीय कार्यालय एल/1 हाथीताल कालोनी में नगर के इंटक के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने इंटक नेता कृपाशंकर वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा जबलपुर ग्रामीण के अध्यक्ष पूर्व विधायक संजय यादव एवं नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा की नियुक्ति पर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर इंटक सदस्य बलवंत सिंह गुर्जर, डीपी अग्रवाल, जयमूर्ति मिश्रा, टीआर मंडलाई, मथुरा प्रसाद दुबे, विनोद पांडे, सोनू दुबे ने स्वागत भाषण में कहा कि जबलपुर के लिए यह प्रथम अवसर है कि नगर एवं ग्रामीण कांग्रेस को युवा नेतृत्व मिला है जिनके जुझारूपन से कांग्रेस को नई दिशा मिलेगी एवं कांग्रेस ऊंचाइयों के शिखर तक पहुंचेगी। इस अवसर पर ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि आज कांग्रेस की प्रबंध समितियों में जिला स्तर से प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंटक की भागीदारी आवश्यक है ताकि उनके सुझाव एवं समस्याओं का समावेश कांग्रेस के एजेंडे में शामिल हो सके। इसके लिए वे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी को प्रस्ताव भेजेंगे एवं इंटक के प्रतिनिधि मंडल को राहुल गांधी से मिलवाने की पहल करेंगे। कार्यक्रम का संचालन इंटक प्रदेश मंत्री शंकरदयाल शर्मा एवं आभार प्रदर्शन कृपाशंकर वर्मा ने किया।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सुनी "मन की बात"

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह रविवार 31 अगस्त को शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। श्री सिंह रविवार की सुबह 11 बजे नरसिंह वार्ड में विवेक अग्रवाल के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अवधेश यादव, डॉ. जितेन्द्र जामदार एवं अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रजापति समाज का विशाल भंडारा संपन्न

जबलपुर। प्रजापति समाज द्वारा ऋषि पंचमी के उपलक्ष्य में 125 वर्षों से जारी परंपरा के अनुसार 28 अगस्त को सिद्धबाबा मंदिर में विशाल भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुंशी प्रजापति, रमेश प्रजापति, मुन्नाराम, राजू बाबा, सोहन, अखिलेश, कमलेश बब्बू, गेंदालाल, आदेश, मोहन, रोहित, मोहित गांधी, जगदीश, कंधीलाल, जीवन, कल्लू, वीरू, लखन, रज्जन, चंदन सहित प्रजापति समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार तहसील जबलपुर (ग्रामीण) जिला जबलपुर

रा.प्र. क्र./0127/बी-121/2025-26

आम इश्तहार

एतद् द्वारा जरिए इश्तहार सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में प्रचलित रा प्र क 0127 / बी-121 / 2025-26 श्रीमति सरस्वती बाई झारिया बनाम पुन्नू गौंड पिता स्व मानक गौंड का ग्राम मरहापाठा प.ह.नं. 32 रा.नि.म. बरगी तहसील व जिला जबलपुर स्थित भूमि सर्वे नं 221 रकबा 0.670 हे पर माननीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 जबलपुर के व्यवहारवाद प्रकरण क्रमांक 180/ए/2025 पारित आदेश एवं डिक्री दिनांक 01/02/2016 एवं न्यायालय श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जबलपुर के अपील प्रकरण क्रमांक 119/अपील/ 2016-17 आदेश दिनांक 01/08/2018 के अनुपालन में रिकार्ड दुरूस्ती की कार्यवाही प्रचलन में है।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक तक प्रस्तुत कर सकते है। वाद-म्याद प्रकरण का विधि अनुरूप निराकरण किया जायेगा । आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी

जारी दिनांक:- 25/8 /2025
पेशी दिनांक:- 09/09/2025

सील

तहसीलदार
जबलपुर

भूपेन दा : एक महान व्यक्तित्व

- कमल कटकी

मुझे लगता है कि समग्र विश्व में ऐसा कोई कलाकार नहीं होगा- जिसके पास गायक, गीतकार, संगीतकार, कहानी लेखक, निबंधकार, नाटककार, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक, फिल्म निर्माता, संगीत निर्देशक, अभिनेता, पत्रकार, साहित्यकार, पत्रिका संपादक, पुस्तक पाठक, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, बुद्धिजीवी आदि सभी गुण एक साथ हो। ऐसा ही एक व्यक्ति हैं डॉ. भूपेन हाजरिका। 1984 से भूपेन दा के एक गिटारवादक के रूप में 5 नवंबर 2011 को महाप्रयान के दिन तक, अपने पच्चीस वर्षों से अधिक समय की निकटता के दौरान हर एक क्षण में, मैंने बहु-प्रतिभाशाली, बहुआयामी कर्मयोगी, भूपेनदा को करीब से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। 8 सितंबर, 1926 को उस समय के नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर के अधीन तथा आज के अरुणाचल प्रदेश की तलहटी में स्थित एक छोटी सी शहर सदिया से अपनी जीवन यात्रा की शुरूआत करने वाला भूपेन दा अपनी जीवन परिक्रमा को कठोर संघर्ष, सूख-दुख, उतार-चढ़ाव के बीच आगे ले जाते हुए खुद को एक वैश्विक कलाकार के रूप में स्थापित करना इतना आसान नहीं था। इसलिए उन्होंने अपनी गुणवत्तापूर्ण गीत- संगीत की रचनाओं के माध्यम से आम लोगों का दिल जीतने में सक्षम हुए थे और संगीत की एक अलग शैली की शुरुआत करके लोगों के बीच अपनी स्थान सुरक्षित करने में सक्षम हुए थे। भूपेनदा की चिरस्थायी वैश्विक लोकप्रियता केवल उनके गीतों के कारण ही है, ऐसी बात नहीं है। मेरी दृष्टि में, भूपेन दा एक बड़ी सी बरगद की पेड़ की तरह एक विशाल ह्रदय की व्यक्तित्व का व्यक्ति थे और इस पेड़ की जड़ें खारखोआ (मूल) असमिया थे, पूरे पेड़ समग्र भारत था और पेड़ की शाखाएं, उप-शाखाएं, पत्ते आदि विश्व-उन्मुख थे। बिहू, ब्रह्मपुत्र और भूपेन- अंग्रेजी वर्णमाला के तीन अक्षरों से समृद्ध इन शब्दों ने आज भी असम का परिचय विश्व के सामने उजागर करती है। जब भी मैं असम के बाहर किसी व्यक्ति के सामने अपना परिचय 'मैं असम से हूं' देता हूं, तो वे मुझे तुरंत पूछते है-'क्या आप भूपेन हाजरिका से मिले हैं?' 'मैं उसके साथ कई वर्षों से गिटार बजा रहा हूं', यह बातें कहने के बाद ही भूपेन दा के बारे में शुरू होता है विभिन्न जिज्ञासु भरे बातें और फिर अनुरोध करता है, 'क्या आप कृपया भूपेन हिजरिका का एक गीत सुनाएंगे?' हालांकि मैं एक गायक नहीं हूं, लेकिन मैं उस समय उनके लिए भूपेनदा के गीतों का गायक बन जाता हूं। भूपेन दा के सहयोगी के रूप में काम करने के कारण, असम के अलावा दुनिया भर के कई जाने-माने कलाकारों और हस्तियों से मिलने का अवसर मुझे मिला। लेकिन भूपेनदा जैसे महान व्यक्तित्व की सुगंध मुझे उनमें नहीं मिली। भुपेन दा सुंदरता का प्रतीक था। उनके हर एक चीज में सुंदरता देखने को मिलता था। जैसे- गायन में, लेखन में, बात करने में, चलने में, कपड़े पहनने में, खान पान में, अपनी साधारण काली टोपी में चमकते क्रिस्टल में, उनकी मुस्कान में, उनके ऑटोग्राफ के शब्दों में, दोस्तों के साथ डाइनिंग टेबल पर अपने हाथों से बनी मछली एक दूसरे को बांटने में, मंच पर प्यारी मुस्कान के साथ दर्शकों का अभिवादन करते हुए हारमोनियम में उंगली लहराने के परिचित भाव में। हमारे जैसे आम लोगों के लिए भूपेन दादा को समझ पाना मुश्किल है। एक महान व्यक्तित्व वाले भूपेनदा विभिन्न रूपों का एक अद्भुत संयोजन था। मुझे भूपेन दा के विभिन्न रूपों को देखने का अवसर मिला था। भूपेन दा थोड़ा गुस्सा करने वाला प्रकृति के कलाकार थे। क्रोध उनके जीवन का हमसफर जैसा था, ठीक उसी तरह जैसा उनके साथ हमेशा अपनी प्यारी मुस्कान रहती है, जैसे धान के खेत की पराली तुरंत जलते ही थम जाता है, गुस्सा भी उसी तरह तुरंत गायब हो जाता है। उनके गुस्सा आने की संभावना दिखाई देते ही हम सब वहां से चले जाते थे। नहीं तो, भूपेनदा से गाली सुनना निश्चित था, चाहे हम गुस्से का कारण हों या नहीं। जो पास में होता था उन्हें डाँट खाना ही परता था। लेकिन गाली देने के बाद जब वे एक साथ खाने के लिए बैठते थे, अपने हाथों से डाँटने वाले व्यक्ति को प्यार से खाने की चीज परोसते थे। क्रोध ने भी भूपेनदा के जीवन में नई नई गीतें लेकर आई। जब एक कवि ने भूपेनदा के गीतों को पांगरा (मदार फूल) की तरह सुगंध नहीं है बोला था उन्होंने गुस्से से गीतों से ही इसका जवाब दिया।

मदाररे फूल हेनु पूजातू नेलागे।
मदाररे फूल हेनु सबाहत नेलागे।
लागे पीछे बहागते रंग सानिबले।
लागे पीछे आकाशते जूइ जलाबले।
कोनोबाई मोक हेनु मदाररे रिजाले...

(अर्थात —मदार (पांगरा) का फूल पूजा या किसी कार्यक्रम में उपयोग नहीं होता, बल्कि यह फूल प्रकृति का एक अनोखा रूप है। किसी ने मुझे इस फूल के साथ जोड़ा है, जो सुंदरता का प्रतीक है।) समाज से नाराज होने पर भी गीतों से गाली देता हैं-"बूढ़ा लूईत तूमि, बूढ़ा लूईत बोवा किओ?। कभी-कभी बहुत गुस्सा होने पर अपने कमरे के दरवाजे बंद कर कुछ समय के लिए घर पर सो जाते थे। कोलकाता में एक बार ज्यादा गुस्सा आने से उन्होंने एक सहयोगी को गाली दिया था और जब गुस्सा कम हुआ एक गीतों के जरिए उन्होंने लूईत नदी की मानो चित्र बनाई।

अस्त आकाखरे सपुन रहन सानि
क्लान्त लूईतरे हेडूलिया पानी
वोइये जाय, वोइये जाय, वोइये जाय।

(अर्थात —शाम को सूर्यास्त के समय सूर्य का किरण लुइत (ब्रह्मपुत्र) के पानी में जब पड़ता है मानो ऐसा लगता है कि पानी में रंगो की बरसात की गई है और लुइत का पानी धीरे-धीरे बहता चला जाता है।)

भूपेनदा ऐसी ही व्यक्ति थे।

क्रोध की तरह हँसी भी भूपेनदा के जीवन में हमसफर जैसी थी। दोस्तों के साथ बातचीत के दौरान, मजेदार बातों में खुद को भूलते हुए भूपेनदा भाउना की राजा की तरह हांः हांः करके ज़ोर ज़ोर से हँसते थे। भूपेनदा गप्पे लड़ाने वाले व्यक्ति थे। अपने जैसा लोगों के साथ बातचीत करने जब बैठते थे, समय कैसे गुजरते थे पता ही नहीं होता था उनको। चर्चा के विषय बिना किसी सीमा के पिकासो की ब्लू पीरियड की चित्रकला से लेकर असम, भारतीय राजनीति तक फैले रहते थे, और संगत के आधार पर इन बातचीतों ने दोपहर से लेकर रात तक हमेशा ही बैठकों को जीवंत बनाए रखा।

भूपेन दा स्वयं कभी किसी को परेशान नहीं करते थे और यदि कोई उन्हें परेशान करना चाहे तो उन्हें यह अच्छा नहीं लगता था। इसी कारण विशेष रूप से किसी कार्यक्रम में गीत गाने के लिए निकलते समय, हम उनकी गाड़ी में ऐसे व्यक्ति को साथ बैठने नहीं देते थे, जो उन्हें – चाहे प्यार से ही क्यों न हो – असुविधा पहुँचा सकता हो, चाहे वह उनका घनिष्ठ अनुयायी ही क्यों न हो। क्योंकि भूपेन दा ने आजीवन प्रत्येक गीत के मंचीय प्रदर्शन को ध्यान और एकाग्रता के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया। कार्यक्रम से ठीक पहले की असंगत बातचीत या व्यवधान उनके गायन में बाधा उत्पन्न करते। यहाँ तक कि यदि शाम को भूपेन दा का रिकॉर्डिंग या कोई कार्यक्रम होता, तो सुबह के अख़बार में मृत्यु अथवा भयावह खबरें भरी होतीं तो हम उन्हें पढ़ने भी नहीं देते – ताकि उनका मन अशांत न हो। हमेशा अत्यंत संवेदनशील ह्रदय के स्वामी भूपेन दा केवल स्वयं रस का आनंद लेकर संतोष नहीं पाते थे, बल्कि दूसरों को भी संतुष्टि और आनंद देने में उन्हें गहरा सुख मिलता था।

जीवन की हर घड़ी मेंं वे मुस्कुराकर अपनी पीड़ाओं को छिपा लेते थे।

जीवनतोर कांडोन खीनी निजे साची थोलू
जीवनतोर हाँही खीनी बिलाई बिलाई दिलू ,
हे श्रोताबंधु तुमिउ अकन लोवा।

(अर्थात- जीवन के आँसू खुद ही सह लिया और जीवन के हँसी भी सबको बाँट दिया। हे श्रोताबंधु, तुमलोग भी जीवन के इस सुख-दुख को बांट लो)सीधी रेखा की तरह सरल इंसान थे भूपेन दा। वे सब पर विश्वास करते थे।जब मनुष्य के रूप में मैं इस पृथ्वी पर आया, तब से मेरा विश्वास यही रहा कि किसी भी इंसान पर अविश्वास न करना ही सच्चा विश्वास है। भले ही परिस्थितियाँ हर व्यक्ति को भरोसे के योग्य न बनाएँ, फिर भी यदि मैं हर इंसान की अंतर्निहित ईमानदारी पर विश्वास न करूँ, तो मुझे लगता है कि मैं एक अकेला द्वीप बन जाऊँगा। यदि वह द्वीप मेरे ही मन की उपज हो, तो मैं अगले ही पल शर्म महसूस करता हूँ। मुझे यह विश्वास नहीं कि मेरे चारों ओर अविश्वास का समुद्र मुझे "निगलने" के लिए तैयार खड़ा है। इसी विश्वास करने की आदत के कारण वे कई बार संकट में भी पड़े। लेकिन इस वजह से उन्होंने कभी अपनी जीवन-गाथा से पीछे हटना नहीं सीखा।

पैसे के प्रति उनमें तनिक भी मोह नहीं था। उन्होंने मुझे कभी यह नहीं पूछा कि "फलाँ कार्यक्रम में गाने के लिए तुम्हें कितना मानदेय मिला?" या "मैं गाकर कितना कमा पाया?" यहाँ तक कि कार्यक्रम से संबंधित आय-व्यय का हिसाब-किताब जानने की कोशिश भी उन्होंने कभी नहीं की। पैसों के प्रति उनकी उदासीनता इतनी थी कि एक बार गुवाहाटी में आयोजित लता मंगेशकर के संगीत-प्रदर्शन का भारी-भरकम मानदेय लेकर भूपेन दा ने वह पैसों का थैला मुम्बई की टैक्सी में ही भूलकर छोड़ दिया था। धन के जोड़-घटाव से भूपेन दा का कोई लेना-देना नहीं था – वे जानते थे तो केवल शब्द और सुर का जोड़-घटाव, जनता से संवाद का जोड़-घटाव। आम लोगों के बीच रहकर असाधारण जीवन जीकर उन्हें बहुत संतोष मिलता था।

राजपथ के किनारे आराम कर रहे रिक्शा चालक से वे कभी एक चुटकी खैनी लेकर अचानक ही गाने लगते थे – "मानुहे मानुहर बाबे, जदीहे अकनो ना भाबे"। (अर्थात- मनुष्य अगर मनुष्य के बारे में नहीं सोचेंगे, तो जीवन और समाज का कोई अर्थ नहीं रह जाता।) उस क्षण कोई सोच भी नहीं सकता था कि यही वही भूपेन हजारिका हैं जिन्होंने पचास के दशक में कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। "एकांत मुझे बहुत प्रिय है – यह बहुत ही रचनात्मक बनाता है।" इसी कारण सुबह बहुत तड़के उठकर भूपेन दा लिखने-पढ़ने का काम करते थे। गीत-रचना के संबंध में भूपेन दा कहते थे – "गीत के भाव और सुर अदृश्य और निराकार होते हैं। लेकिन जिन विषयों ने मुझे सोचने पर मजबूर किया, उनका शरीर होता है। मैं उन्हें आँखों से देख पाता हूँ। वे हँसते हैं, रोते हैं, रूठते हैं, विद्रोह करते हैं, प्रेम करते हैं, घृणा करते हैं। आपके जीवन के विविध क्षणों में जो कुछ भी होता है, वही विषयवस्तु आपके और मेरे समाज से ही प्राप्त होती है।"इसी कारण, भूपेन दा के हर गीत के पीछे एक जीता-जागता जीवंत कहानी छिपा रहता है। असम की एक प्रसिद्ध सुकंठी गायिका दिवंगत दीपाली बरठाकुर जब एक असाध्य रोग से पीड़ित होकर सदा के लिए कंठरुद्ध हो गईं, तब व्यथित भूपेन दा ने गीत के माध्यम से उन्हें संवेदना दी थी–

शीतोरे सेमेका राती
कंठरूद्ध कुनु सु- गायकर
प्रभात आनीब परा
अथस नुगुवा
एति अमर गीतर बाबे
मोई जेन एति सुधाकंठ हऊ।

(अर्थात- सर्दी की ठिठुरती रात में कोई गायक यदि प्रभात ला सके, तो वह स्वर अमर हो जाता है। उसी तरह कवि की कामना है कि वह भी एक अमर गीत के लिए मधुर और अमर आवाज़ बन सके, जो अंधकार में उम्मीद और प्रकाश फैला सके।)

भूपेन दा अत्यन्त रोमांटिक किस्म के इंसान थे। मूर्त और अमूर्त दोनों तरह की प्रेम के सत्ता ने उन्हें हमेशा आह्लादित किया। युवावस्था के प्रथम अध्याय का मूर्त प्रेम दूसरी दिशा में मुड़ जाने पर, उन्होंने बाद के समय में अमूर्त प्रेम की धारा को पूरे मन से अपनाया। बिना किसी झिझक उन्होंने अपने अमूर्त प्रेम को गीतों के माध्यम से सबके सामने उजागर किया।

''बिमूर्त मोर निशाटि
मौनातार सुतारे बोवा
एखनि नीला चादर।
तारेई एति मिठा भाँजत
निश्वासरे उम
आरु जीया जीया आदर/एखनि नीला चादर।''

(अर्थात- यहां रात को नीली चादर के रूप में कल्पना की जा रही है, जो मौनता की डोरियों से बुनी हुई है। यह चादर केवल अंधकार नहीं, बल्कि उसमें छिपे हुए सपनों, मधुर भावनाओं और सांसों की गर्माहट को भी समेटे हुए है। नीली चादर यहाँ प्रकृति की गोद और मनुष्य के अंतर्मन के सुकून का प्रतीक बन जाती है।)

शायद ही ऐसा कोई मंच रहा हो जहाँ उन्होंने यह गीत न गाया हो। जीवन के लगभग अंतिम क्षण तक अमूर्त प्रेम की यह धारा उन्हें आंदोलित करती रही। भूपेन दा का विश्वास था कि स्त्री–पुरुष का प्रेम ही गीत-सृजन की सबसे बड़ी प्रेरणा है। उनके शब्दों में "यदि Abstract Art, Abstract Film, Abstract Poem हो सकते हैं तो Abstract गीत भी हो सकते हैं।" बीमूर्त मोर निशाटि भी एक Abstract प्रेम का ही गीत हैं। भूपेन दा दूरदर्शी इंसान थे। 1968 में ही उन्होंने ''आजिर असमीयाइ संग्राम नकरिले, असमते भगनीय़ा होब'' कहकर आमी असमिया नहऊं दुखिया'' गीत के जरिए असमीया जातीय अस्मिता को सचेत किया था। ठीक उसके एक दशक बाद 1979 में असम में विदेशी निष्कासन आंदोलन शुरू हुआ।भूपेन दा महा समन्वय के प्रतीक थे। पहाड़–मैदान की एकता, हिन्दू–मुस्लिम सौहार्द्र से समाज जीवन को गढ़ने में समाजसेवक के रूप में उन्होंने गीतों के माध्यम से अनुपम योगदान दिया था -

''महाबाहु ब्रह्मपुत्र, महामिलनर तीर्थ
कत युग धरी आहिछे प्रकाशि
समन्वयर अर्थ।''

(अर्थात- महाबाहु ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं, बल्कि महामिलन का तीर्थ है। युगों से यह विविध सभ्यताओं, संस्कृतियों और लोगों को जोड़ते हुए समन्वय और एकता का संदेश देता आया है।)

हर क्षण का सदुपयोग करते हुए भूपेन दा अपने जीवन को सपनों के क्षितिज की ओर बढ़ते गए -

''समयोर अग्रगति
पखीराजत उठि
जाउँ मोइ
नतुन दिगन्तलोइ
हाँहि मुखे हाँहि मुखे।''

(अर्थात- मैं समय की अग्रगति के पंखों पर सवार होकर नए क्षितिजों की ओर बढ़ना चाहता हूँ। हँसी और उत्साह के साथ जीवन की नई दिशाओं का स्वागत करना चाहता हूं।)

साधारण जन के बीच रहकर खुश रहने वाले इस असाधारण भूपेन हजारिका ने समय से आगे चलकर अपनी जीवन-यात्रा को गहन आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाया और असम सहित सम्पूर्ण भारत में स्वयं को एक चिरस्मरणीय संगीतकार के रूप में स्थापित कर गए।

''मोइ जियाइ आसुँ समयर आगे आगे
आत्मप्रत्ययर बाबे।
साधारणर माजतेइ ठाकिम
असाधारणभाबे।''

(अर्थात- मैं समय से आगे बढ़कर आत्मविश्वास के साथ जी रहा हूँ। साधारण लोगों के बीच रहकर भी में अपने विचार और कर्म से असाधारण ढंग से जीवन जीने की इच्छा रखता हूं।)

इस बहुमुखी प्रतिभा से समृद्ध भूपेन दा के बारे में इसलिए महान चित्रकार एम. एफ. हुसैन ने कहा था -

You paint with your songs and I try to sing through my brush. If we work together, may be we would be able to produce something unique.

जब उनसे पूछा गया कि 'गजगामिनी' फिल्म के संगीत निर्देशक के रूप में उन्होंने भूपेन दा को क्यों चुना, तो भूपेन दा को हुसैन साहब ने यही उत्तर दिया था। तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में जब भूपेन दा को डॉक्टरेट की उपाधि दी गई, तब डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था - Dr Hazarika, I always want to be like you. But how can I be like you?" तेजपुर विश्वविद्यालय ने इन दोनों महापुरुषों को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की थी।

भूपेन दा के महाप्रयाण के कुछ दिन पहले स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने भूपेन दा को दीपावली की शुभकामनाएँ भेजते हुए जीवन-संघर्ष में विजय पाने का उत्साह दिया और कहा था— Amongst all outstanding Indian's, you are the best.

मेरे नजर में भूपेन दा एक ऐसे ही व्यक्तित्व थे।

गांदरबल में तीन दिवसीय गंगबल यात्रा शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शनिवार को तीन दिवसीय वार्षिक गंगबल यात्रा धार्मिक हर्षोल्लास के साथ शुरू हुई। यात्रा को कश्मीर संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने मध्य कश्मीर जिले के नारानाग मंदिर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गर्ग ने इस अवसर पर यात्रा के लिए निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने में सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। यात्रा से पहले छड़ी पूजा का आयोजन किया गया, जिसके बाद कश्मीरी पंडित समुदाय के तीर्थयात्रियों का एक समूह यात्रा पर रवाना हुआ।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल भारत में लेकर आया रोबोटिक सर्जरी सिस्टम

अस्पताल ने रोबोटिक सर्जरी प्रोग्राम को मज़बूत किया है और मरीज़ों की देखभाल को उन्नत किया है

मुंबई। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने तौमाई रोबोटिक सर्जरी सिस्टम शुरू करने की घोषणा की है। यह उन्नत सर्जिकल सिस्टम भारत में पहली बार स्थापन की जा रही है। रोबोटिक्स और सटीक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारत के अग्रणी संस्थान के रूप में इस हॉस्पिटल का स्थान अब और अधिक मज़बूत हुआ है। साथ ही टेक्नोलॉजी में प्रगति को न केवल अपनाने बल्कि उसका नेतृत्व करने और भारतीय मरीज विश्वस्तरीय नवाचारों से लाभान्वित हों यह सुनिश्चित करने के उनके दृष्टिकोण की भी पुष्टि हुई है। तौमाई एंडोस्कोपिक मल्टी-पोर्ट सर्जिकल सिस्टम बेजोड़ सुरक्षा, लचीलापन और सटीकता प्रदान करने वाला दुनिया भर में नवाज़ा जा रहा रोबोटिक नवाचार है। 3D HD विज़ुअलाइज़ेशन, ट्रेमर-फ़िल्टर किए गए कलाई उपकरणों और अत्यधिक अनुकूलनीय मल्टी-आर्म तकनीक जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ, यह सिस्टम कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में उपलब्ध न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी में एक नए मानक का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रणाली के साथ अत्याधुनिक टेलीसर्जरी करना आसान हो जाता है, जिससे 5,000 किमी तक की दूरी पर लगभग शून्य विलंब के साथ निर्बाध, रियल टाइम रिमोट ऑपरेशन संभव होता है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल की अध्यक्षा श्रीमती टीना अनिल अंबानी ने कहा, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल देश में अत्याधुनिक तकनीक लाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। भारत के पहले मेडबॉट तौमाई सिस्टम को लाना हमारे रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम में एक और पड़ाव है। सीईओ एवं कार्यकारी निदेशक, डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने हमेशा सबसे उन्नत तकनीकों में निवेश करके भारत में स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने में विश्वास रखा है। तौमाई को लाना न केवल हमारे रोबोटिक पोर्टफोलियो का विस्तार है, बल्कि यह उन्नत, तकनीक-संचालित स्वास्थ्य सेवा के लिए देश के अग्रणी केंद्र के रूप में हमारी अग्रणी स्थिति को भी दर्शाता है। हमें गर्व है कि हमने यह नया राष्ट्रीय मानक स्थापित किया है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि पूरे भारत में मरीजों को सुरक्षा, सटीकता और करुणा के साथ विश्वस्तरीय परिणाम प्राप्त हों। डॉ. टी.बी. युवराज, निदेशक (समूह), यूरो-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी ने कहा, तौमाई यह रोबोटिक सर्जरी में एक बड़ी छलांग है। इसमें ट्रेमर-फ्री सटीकता, 3D-HD विज़ुअलाइज़ेशन और बेजोड़ उपकरण लचीलेपन का मिलाप है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सर्जन सबसे जटिल प्रक्रियाओं को भी आत्मविश्वास के साथ कर सकें। सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के बराबर के परिणाम इसमें मिलते हैं। यह तकनीक वैश्विक रोबोटिक सर्जरी में भारत की स्थिति को और मज़बूत करेगी।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में तौमाई के प्रमुख लाभ

बेहतर परिणामः उच्च सर्जिकल सटीकता, कम जटिलताएँ, तेज़ रिकवरी
मल्टी-स्पेशलिटी लाभः यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, स्त्री रोग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, और अन्य
निर्बाध, रीयल-टाइम रिमोट ऑपरेशनः 5,000 किमी की दूरी पर शून्य पर्सेप्टिबल विलंब
AI डॉक्टरों को बेहतर निर्णय और पूर्वानुमान लेने में मदद करता है, जिससे सर्जरी अधिक सुरक्षित, सटीक और मरीज़-केंद्रित हो जाती है।

यूरोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी के लिए अनुकूलितसटीकता और दक्षता का मेलः जटिल ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी को पाठ्यपुस्तक की सटीकता के साथ करने में सक्षम बनाया जाता है। पिछले एक दशक में, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल भारत में रोबोटिक सर्जरी में अग्रणी रहा है। दा विंची सिस्टम के पहले से ही संचालन के साथ, अस्पताल ने यूरोलॉजी, स्त्री रोग, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल, बैरिएट्रिक्स, ईएनटी और बाल रोग जैसी विशेषज्ञताओं में 6650 से अधिक रोबोटिक सर्जरी पूरी की हैं। यह देश का पहला अस्पताल है जिसने 3945+ यूरो-ऑन्कोलॉजी रोबोटिक सर्जरी की हैं, जो इसकी बेजोड़ विशेषज्ञता और परिणामों का प्रमाण है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9202613238, 9229187457 (रायपुर /03/सितम्बर/25)

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्तिः चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाडू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800 (रायपुर /01/सितम्बर/25)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5975

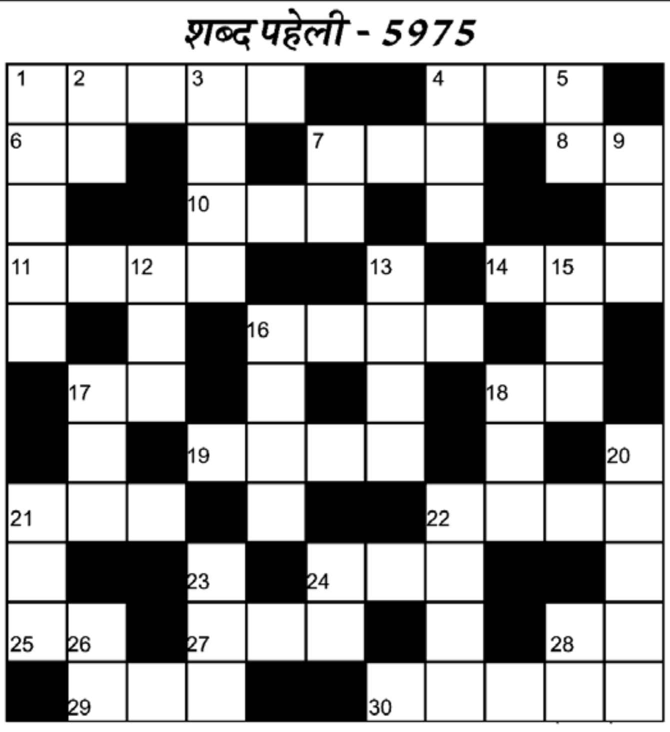

बाएँ से दाएं-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -5974 का हल

सूडोकू नवताल - 5985

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

MANGAL SENAGAL BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5984 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' का नया पोस्टर रिलीज...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'बागी 4' में नजर आएंगे। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्हें 'भजरंगी' और 'वेधा' जैसी कन्नड़ फिल्मों के लिए जाना जाता है। इस फिल्म में संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बावजा भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अब निर्माताओं ने 'बागी 4' का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें संजय, टाइगर, सोनम और हरनाज का खौफनाक अवतार दिख रहा है। सामने आए पोस्टर में संजय, टाइगर, सोनम और हरनाज को खून से लथपथ देखा जा सकता है। 'बागी 4' का ट्रेलर रिलीज हुआ, वहीं यह फिल्म 5 सितंबर को दर्शकों के बीच आएगी।

लाइफ Style

कंगना

'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुटीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री कंगना रनौत को पिछली बार फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी यह फिल्म मुंह के बल गिरी। आने वाले समय में कंगना एक से बढ़कर एक फिल्मों में अभिनय करती नजर आएंगी, जिसमें 'क्वीन' का सीक्वल और 'तनु वेड्स मनु' की तीसरी किस्त शामिल हैं। अब 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' को लेकर धांसू अपडेट सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'इमरजेंसी' की असफलता के बाद अब कंगना 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुट गई हैं। पहले 'क्वीन 2' की बात करते हैं, जिसके निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। फिल्म की कहानी लिखकर तैयार हो चुकी है। इसकी शूटिंग भारत और विदेशों में होगी। 'क्वीन' के सीक्वल की शूटिंग इस साल नवंबर में शुरू होगी और यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। 'क्वीन 2' की शूटिंग खत्म करने के बाद कंगना फिल्म 'तनु वेड्स मनु 3' पर काम करने वाली हैं। इस फिल्म की कहानी पहले ही लिखी जा चुकी है। आनंद एल राय इस फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। इसमें कंगना के साथ एक बार फिर अभिनेता आर माधवन नजर आएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'इमरजेंसी' की असफलता के बाद अब कंगना 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' की तैयारी में जुट गई हैं। पहले 'क्वीन 2' की बात करते हैं, जिसके निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। फिल्म की कहानी लिखकर तैयार हो चुकी है।

हॉलीवुड मसाला

जोली की बेटी ने छोड़ा घर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एंजेलिना जोली अपनी बेटी को लेकर इस वक्त परेशान हैं। हाल ही में बेटी ने उनका घर छोड़कर अपनी गर्लफ्रेंड डांसर केओनी रोज के साथ रहना शुरू कर दिया है। इस बात से एंजेलिना जोली नाराज हैं। कहा जा रहा है कि एंजेलिना की बेटी शिलोह पिछले कुछ हफ्तों से अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रह रही है। दरअसल, एंजेलिना चाहती हैं कि बच्चे उनके साथ ही रहें।

कौन हैं रैपर फ्रेंच की मंगेतर और दुबई की राजकुमारी शेखा

लॉस एंजिल्स। मोरक्को-अमेरिकी रैपर फ्रेंच मोंटाना पिछले काफी समय से अपनी निजी जिदंगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनका नाम लगातार दुबई की राजकुमारी शेखा माहरा से जुड़ रहा है। अब आखिरकार मोंटाना ने अपनी गर्लफ्रेंड शेखा से सगाई कर ली है। रैपर के प्रतिनिधि ने खुद इस खबर की पुष्टि की है। मोंटाना और शेखा ने इस साल जून में पेरिस फैशन वीक के दौरान एक-दूजे को अंगूठी पहनाई।

शेखा माहरा कौन हैं? : माहरा संयुक्त अरब अमीरात के प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी हैं। उनका जन्म 26 फरवरी, 1994 को दुबई में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई दुबई के एक निजी स्कूल से की। इसके बाद वह लंदन चली गईं, जहां से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में डिग्री हासिल की। 31 वर्षीय शेखा समाजसेवा और परोपकारी कार्यों के लिए जानी जाती हैं।

'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर जारी...

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो की आने वाली वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज के निर्देशन की कमान अर्चित कुमार और कॉलिन डी कुन्हा ने संभाली है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' में तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अब निर्माताओं ने इस सीरीज का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें तमन्ना और डायका बेबाक अंदाज दिख रहा है। 'डू यू वाना पार्टनर' एक नए दौर की मजेदार और अनोखी कॉमेडी-ड्रामा है, जिसकी कहानी दो सहेलियों- शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों मिलकर अपना अल्कोहल स्टार्टअप शुरू करने का सपना देखती हैं।

'हाटक' से सामने आई पहली झलक...

मुंबई। अभिनेत्री अदा शर्मा को पिछली बार फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह मुंह के बल गिरी। अब अदा क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हाटक' में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान अजय के शर्मा ने संभाली है। इस फिल्म के जरिए वह निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। आखिरकार 'हाटक' से अदा की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है। 'हाटक' के मोशन पोस्टर में अदा हाथ में बंदूक पकड़े खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। उनके किरदार का नाम शिवरंजनी आचार्य है। अदा ने इंस्टाग्राम पर मोशन पोस्टर साझा करते हुए लिखा- 'हाटक- एक डकैती, बिना रहम के। शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। आप सबका आशीर्वाद चाहिए।'

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19': कौन हैं कुनिका सदानंद जिनके समर्थन में उतरीं गौहर खान

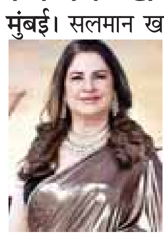

मुंबई। सलमान खान की मेजबानी वाले रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के घर में बहस और टकराव का माहौल बना हुआ है। शो में पहले दिन से ही झगड़े और तकरार देखने को मिल रहे हैं। 'बिग बॉस 19' के घर में एक ऐसी प्रतियोगी हैं, जिनसे हर किसी की बहस हो जाती है और वो हैं कुनिका सदानंद। अब 'बिग बॉस 7' की विजेता गौहर खान ने कुनिका का समर्थन किया है।

वो तुम्हारी मां की उम्र की हैं : गौहर

जौहर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, 'कुनिका सदानंद के लिए बुरा लग रहा है। सब लोग बदतमीजी करके चले जाते हैं। वो तुम्हारी मां की उम्र की हैं। थोड़ी दया करो... मुझे लगता है कि हर कोई उनके लहजे को गलत समझ रहा है। गौहर के अलावा कई सोशल मीडिया यूजर्स भी कुनिका का समर्थन कर रहे हैं। उनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है।

कलाकार खुशी और उमंग के साथ मना रहे गणेशोत्सव

मुंबई। हर साल की तरह इस बार भी एंडटीवी कलाकार गणेश उत्सव श्रद्धा और भव्यता के साथ मना रहे है। पारस अरोड़ा, यानी घरवाली पेड़वाली के जीतू कहते हैंर "हमने बप्पा को डेढ़ दिन के लिए घर बुलाया है और परिवार में उत्साह का ठिकाना नहीं है। हर साल मैं इको-फ्रेंडली मूर्ति ही लाता हूँ और बचपन से ही सजावट की जिम्मेदारी मेरी रही है, चाहे शेड्यूल कितना भी व्यस्त क्यों न हो। इस साल सजावट में परंपरा और आधुनिकता दोनों का मेल है। माँ ने हमेशा की तरह बप्पा के लिए स्वादिष्ट प्रसाद बनाए उकडीचे मोदक, लड्डू और

कई तरह के पकवान। आस-पड़ोस और रिश्तेदार भी दर्शन के लिए घर आते हैं, जिससे माहौल और भी खुशहाल हो जाता है। गणेश उत्सव केवल पूजा-पाठ नहीं है, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ जुड़ाव और बप्पा का आशीर्वाद पाने का समय है। घर में प्यार, सकारात्मकता और एकता का वातावरण है, जो इन पलों को वाकई खास बना देता है। सपना सिकरवार, जो हप्पू की उलटन पलटन में बिमलेश का किरदार निभाती हैं, कहती हैं "गणपति खुशी और दिव्य ऊर्जा लेकर आते हैं। इस साल मूर्ति गुलाबी और सफेद रंग की है, जो शांति और सकारात्मकता का प्रतीक है। सजावट ताजे लिली और डैफोडिल्स फूलों से की गई है, जिससे पूरा घर बगीचे जैसा लग रहा है। मेरी सह-कलाकार और रील लाइफ बहन, गीतांजलि मिश्रा (राजेश) भी मिलकर सजावट और पकवानों की तैयारी में शामिल हुईं। बाकी कलाकार भी दर्शन के लिए घर आते हैं, तो यह और भी यादगार पल हो जाता है। यह पर्व भक्ति के साथ और घर को दिव्य ऊर्जा से भरने का पर्व है। रोहिताश्व गौर, यानी भाभीजी घर पर हैं के मनमोहन तिवारी कहते हैं कि 24 साल से हम घर में बप्पा ला रहे हैं। इस साल का थीम सफेद है बैकग्राउंड से लेकर सजावट तक जिससे घर में शांति और पवित्रता बनी हुई है। बप्पा का मुकुट तिरुपति बालाजी जैसा बनाया गया है, जिससे उनका रूप और भी राजसी और आध्यात्मिक लग रहा है। मेरी पत्नी रेखा ने हलवा, गुजिया, चिवड़ा और छोले-पूरी जैसे पकवान बनाए हैं, जिन्हें हम बप्पा को भोग लगाकर सब में बांटते हैं। इन 11 दिनों में पूरा परिवार बारी-बारी से बप्पा के पास रहता है और कभी उन्हें अकेला नहीं छोड़ता। यह परंपरा भक्ति और आत्मिक शांति का अनुभव कराती है।

तेजा सज्जा की 'मिराई' अगले माह होगी रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता तेजा सज्जा पिछले काफी समय से अपनी आगामी फिल्म 'मिराई' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस एक्शन एडवेंचर फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कार्तिक गट्टामनेनी ने संभाली है। अब निर्माताओं ने फिल्म 'मिराई' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें तेजा जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं।

12 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

'मिराई' में मांचू मनोज, रितिका नायक, श्रिया सरन, जयराम, जगपति बाबू, राजेंद्रनाथ जुत्शी, पवन चोपड़ा और तनजा केलर जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में देख पाएंगे। बता दें कि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस हिंदी बाजार में इस फिल्म को रिलीज करेगी, जिससे फिल्म को ज्यादा दर्शक और स्क्रीन्स मिलने की उम्मीद है।

पांच गायकों की दास्तान : बॉलीवुड के सबसे अमीर गायक, दिल को छू जाती है जिनकी आवाज

मुंबई। कोई भी बॉलीवुड फिल्म बिना गानों के पूरी नहीं हो सकती, जो उसे और मनोरंजक बना देते हैं। इन गानों को आवाज देने वाले गायक अपनी प्रतिभा से सभी को अपना मुरीद बना लेते हैं। भारत में कई कुशल गायक हैं, जिनकी आवाज कानों से होते हुए सीधा दिल को छूती है। इन सभी ने न केवल लोगों का प्यार, बल्कि करोड़ों की संपत्ति भी कमाई है। आइए बॉलीवुड के 5 सबसे अमीर गायकों के बारे में जानते हैं।

एआर रहमान : एआर रहमान का नाम इस सूची में सबसे ऊपर आता है, जो कि सबसे मशहूर गायक और संगीतकार हैं। वह न केवल हिंदी, बल्कि तमिल और मलयाली समेत 12 भाषाओं में गाने बना चुके हैं। उन्होंने अब तक 2,000 से ज्यादा गाने बनाए हैं और 100 से ज्यादा को आवाज दी है। रहमान की 20 करोड़ से ज्यादा एल्बम बिक चुकी हैं। इन सबकी बदौलत आज वह 1,700 करोड़ से 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन गए हैं।

अरिजीत सिंह : अरिजीत सिंह को संगीत का पर्याय माना जाता है, जिनकी रूहानी आवाज भावुक कर देती है। वह इस सदी के सबसे पसंदीदा गायक हैं, जो बॉलीवुड के दूसरे सबसे अमीर गायक भी हैं। उनकी प्रसिद्धि का अंदाजा

इस बात से लगाया जा सकता है कि वह स्पॉटिफाई पर दुनियाभर में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले कलाकार हैं। अरिजीत ने अपनी प्रतिभा के जरिए 414 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इसके बावजूद भी वह साधारण जीवन जीते हैं।

सोनू निगम : जब भी बॉलीवुड के गायकों की बात होती है, सोनू निगम का नाम आना लाजमी है। वह देश के सबसे बेहतरीन गायकों में से एक हैं, जो शास्त्रीय संगीत में भी पारंगत हैं। उन्होंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू किया था और आज उनके जैसा बहुमुखी गायक कोई और नहीं है। 'अच्छा सिला दिया' गीत ने उन्हें पहचान दिलाई, जिसके बाद उन्होंने एक के बाद एक हिट गाने गए। उनकी कुल संपत्ति 370 करोड़ रुपये है।

तुलसी कुमार : टी सीरीज के मालिक स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी तुलसी कुमार बॉलीवुड की सबसे अमीर महिला गायक हैं। वह बतौर रेडियो जॉकी भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने 2006 में 'मोहब्बत के' गाने से करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद उन्हें कई हिट गानों को आवाज देने का मौका मिला। तुलसी के 'तुम जो आए', 'हम मर जाएंगे' और 'तेरा बन जाऊंगा' जैसे गाने बेहद प्रसिद्ध हुए हैं। उनकी कुल संपत्ति 210 करोड़ रुपये है।

श्रेया घोषाल : 'सुरों की रानी' कहलाई जाने वाली श्रेया घोषाल किसी पहचान की मोहताज नहीं। उनकी सुरीली आवाज कानों में मिश्री घोल देती है और दिल जीत लेती है। वह अपने करियर के दौरान 20 से अधिक भाषाओं में 3,000 से ज्यादा गाने गा चुकी हैं। श्रेया ने कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 7 फिल्मफेयर शामिल हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि अपनी प्रतिभा के जरिए वह 200 करोड़ रुपये की संपत्ति की मालकिन बन गई हैं।

जबरिया जोड़ी' ने दुनियाभर में केवल 25.24 करोड़ रुपए की कमाई की थी

सिद्धार्थ को 'परम सुंदरी' से बढ़ीं उम्मीदें, पिछली 5 फिल्मों का ऐसा रहा रिपोर्ट कार्ड

मुंबई। *काफी समय से सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर चर्चा में हैं। आखिरकार उनकी यह फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में सिद्धार्थ की जोड़ी पहली बार जाहनवी कपूर के साथ बनी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत धमाकेदार रहेगी। इसी कड़ी में आइए हम आपको सिद्धार्थ की सिनेमाघरों में आई पिछली 5 फिल्मों और बॉक्स ऑफिस पर उनके प्रदर्शन के बारे में बताते हैं।*

'अय्यारी' : शुरुआत करते हैं साल 2018 में आई फिल्म 'अय्यारी' से, जिसका निर्देशन नीरज पांडे ने किया था। इसमें सिद्धार्थ के अलावा मनोज बाजपेयी, रकुल प्रीत सिंह, नसीरुद्दीन शाह और अनुपम खेर जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म की कहानी लोगों को खूब पसंद आई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। 65 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'अय्यारी' ने दुनियाभर में केवल 30.59 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को आप जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

'जबरिया जोड़ी' : साल 2019 में सिद्धार्थ फिल्म 'जबरिया जोड़ी' लेकर आए थे। फिल्म में उनकी जोड़ी परिणीति चोपड़ा के साथ बनी थी। पहली बार बनी इनकी जोड़ी को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह था, लेकिन पर्दे पर आते ही पूरा माहौल ठंडा हो गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इस फिल्म ने दुनियाभर में केवल 25.24 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि इसका बजट 30 करोड़ रुपये था। यह फिल्म जी5 पर उपलब्ध है।

'योद्धा' : पिछली बार सिद्धार्थ फिल्म 'योद्धा' में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे दर्शक नसीब नहीं हुए। इस फिल्म ने दुनियाभर में केवल 53.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि इसको बनाने में 55 करोड़ रुपये लगे थे। राशि खन्ना और दिशा पाटनी ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया था। फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

'मरजावां' *: सिद्धार्थ की फिल्म 'मरजावां' को 15 नवंबर, 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इसमें रितेश देशमुख, रकुल प्रीत सिंह और तारा सुतारिया जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया था। मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। 'मरजावां' ने दुनियाभर में 62 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस फिल्म को बनाने में 50 करोड़ रुपये लगे थे। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है।*

'थैंक गॉड' *: सिद्धार्थ की फिल्म 'थैंक गॉड' ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया था। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई थी। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह मुंह के बल गिरी। 70 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'थैंक गॉड' ने दुनियाभर में केवल 48.99 करोड़ रुपये कमाए थे। अमेजन प्राइम वीडियो पर यह फिल्म देखी जा सकती है।*

यूएस ओपन : वीनस के साथ जीते भांबरी, कोको-नाओमी ने चौथे दौर में रखा कदम

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

अमेरिका में जारी यूएस ओपन 2025 के दौरान कोको गॉफ का शानदार प्रदर्शन जारी है। कोको गॉफ ने जहां मैग्डेलेना फ्रेच पर जीत दर्ज की। वहीं साल 2021 के बाद कोई ग्रैंडस्लैम खेलने वाली जापान की नाओमी ओसाका ने डारिया कसाटकिना को हराकर चौथे दौर में कदम रखा। अब ओसाका ओर कोको का साल 2019 के बाद किसी ग्रैंडस्लैम में आमना-सामना होगा। वहीं मेंस डबल्स में युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस ने दूसरे दौर में कदम रखा। लेकिन रोहन बोपन्ना और अर्जुन काधे अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ हारकर बाहर हो गए।

- बोपन्ना और अर्जुन का सफर समाप्त
- 2019 के बाद ओसाका और कोको का होगा आमना-सामना

भारतीय खिलाड़ियों में भांबरी ही जीते बाकी हारे

वहीं मेंस डबल्स में भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ मिलकर अमेरिका के मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन की जोड़ी को 6-0, 6-3 से हराकर अगले दौर में कदम रखा। जबकि रोहन बोपन्ना और मोनाको के जोड़ीदार रोमेन अर्नेडो को पहले दौरे में ही अमेरिका के रॉबर्ट कैश और जेम्स ट्रेसी की जोड़ी से 4-6 और 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। यूएस ओपन में डेब्यू करने वाले भारत के अर्जुन काधे और उनके जोड़ीदार डिएगो हिडाल्गो को दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी के आगे 7-5, 6-7(4), 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

गॉफ पहुंची चौथे दौर में

यूएस ओपन 2025 के वीमेंस सिंगल्स के तीसरे दौर में कोको गॉफ ने मैग्डेलेना फ्रेच पर 6-3, 6-1 से जीत के साथ लगातार चौथे वर्ष अमेरिकी ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जबकि ओसाका ने चार साल बाद ग्रैंडस्लैम में वापसी करते हुए डारिया कसाटकिना को 6-0, 4-6, 6-3 से हराया। इसके चलते अब साल 2019 के बाद पहली बार ओसाका और कोको का मुकाबला होगा।

प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सिनर

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा और लोगों को यह भी याद दिलाया कि वह कोई मशीन नहीं हैं। मौजूदा चैंपियन सिनर ने दुनिया के 27वें नंबर के डेनिस शापोवालोव को 5-7, 6-4, 6-3, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'मैं कोई मशीन नहीं हूं और आप सब यह जानते हैं। मुझे भी कभी-कभी संघर्ष करना पड़ता है। मुझ पर भी दबाव होना स्वाभाविक है। आपको मैच के अनुसार सामंजस्य बिठाना पड़ता है।' इटली के इस खिलाड़ी ने इस तरह से हार्डकोर्ट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

खबर संक्षेप

प्रदर्शन से अधिक ध्यान मैच खेलने पर था: पराग

बेंगलुरु। सत्र में अधिकतर समय कंधे की चोट से जूझने के बाद रियान पराग का दलीप ट्रॉफी में आने का निजी लक्ष्य कुछ मैच खेलना था और असम के इस ऑलराउंडर को इस लक्ष्य को हासिल करने की खुशी है। पिछले साल के अंत में लगी कंधे की चोट ने आईपीएल 2025 में भी उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी को प्रभावित किया है और पराग ने आईपीएल के बाद दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में पूर्व क्षेत्र की अगुवाई करने तक कोई क्रिकेट नहीं खेला। उत्तर क्षेत्र के पहली पारी की बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद पराग ने संवाददाताओं से कहा, 'मैच में खेलकर अच्छा लगा।

ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो ले लेती संन्यास

नई दिल्ली। लवलीना बोरगोहेन ने अपनी अकादमी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुक्केबाजी से संन्यास लेने पर विचार किया था, लेकिन पेरिस ओलंपिक खेलों में पदक से चूकने के बाद उन्होंने यह फैसला टाल दिया। असम की यह मुक्केबाज आगामी विश्व चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करने के लिए तैयार है और उनका लक्ष्य ओलंपिक में दूसरा पदक जीतना है। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से दूर हैं। रिंग से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपनी अकादमी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्घाटन जून में गुवाहाटी में हुआ। लवलीना ने कहा, 'जब मैंने अपनी अकादमी शुरू करने के बारे में सोचा तो मैंने पेरिस (ओलंपिक) तक खेलने की योजना बनाई थी और उसके बाद मैं संन्यास ले सकती थी लेकिन पेरिस में नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा मैंने सोचा था।

मैराथन : किरोस और हसन ने बनाए नए रिकॉर्ड

सिडनी। इथियोपिया के हैलीमारयम किरोस और नीदरलैंड के सिफान हसन ने सिडनी मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में नए रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की। किरोस ने पुरुषों की दौड़ दो घंटे छह मिनट और छह सेकंड में जीती। यह ऑस्ट्रेलिया में मैराथन में सबसे तेज समय है। उन्होंने पिछले रिकॉर्ड में एक मिनट से भी अधिक समय का सुधार किया। यह 28 वर्षीय खिलाड़ी हमवतन अदिसु गोबेना से 10 सेकंड आगे रहा। हसन ने महिलाओं की दौड़ में अपना दबदबा बनाते हुए 2:18:22 का समय लेकर जीत हासिल की, जो पिछले साल इथियोपिया की वर्कनेश एडेसा के बनाए रिकॉर्ड से लगभग तीन मिनट कम है।

हॉकी एशिया कप: कप्तान हरमनप्रीत ने दागे 2 गोल

टीम इंडिया ने चीन के बाद जापान को भी रौंदा, लगातार मिली दूसरी जीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगीर

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारत ने पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल ए के कड़े मुकाबले में जापान को 3-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की और सुपर चार चरण के लिए क्वालीफाई किया। चीन के खिलाफ पहले मैच में हैट्रिक बनाने वाले हरमनप्रीत ने पांचवें और 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे जबकि भारत के लिए एक अन्य गोल मनदीप सिंह ने चौथे मिनट में किया। जापान की ओर से दोनों गोल कोसेई कावाबे ने 38वें और 59वें मिनट में किए। भारत ने शुक्रवार को टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत चीन पर 4-3 की जीत के साथ की थी। दो मैच में दो जीत के बाद भारत छह अंक के साथ पूल ए में शीर्ष पर है।

करकेरा ने किए दो शानदार बचाव

मध्यांतर के बाद खेल शुरू होने के कुछ मिनट बाद सुखजीत ने मनदीप को सर्कल के अंदर पास दिया लेकिन उनके शॉट को जापान के गोलकीपर ने रोक दिया। जापान ने 38वें मिनट में काइतो तनाका के पास पर कावाबे के गोल से भारत की बढ़त को कम किया लेकिन मेजबान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के एक और गोल से फिर दो गोल की बढ़त हासिल कर ली। जापान को 49वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सूरज करकेरा ने दो शानदार बचाव किए।मैच खत्म होने से दो मिनट पहले कावाबे ने जरमनप्रीत की कमजोरी का फायदा उठाकर गोल किया लेकिन जापान को हार से नहीं बचा पाए।

चीन ने कजाखस्तान को 13-1 से हराया

पूल ए के दूसरे मैच में चीन ने कजाखस्तान को 13-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की और सुपर चार में जगह बनाने का दावा बरकरार रखा। कजाखस्तान को मैच शुरू होने के 12 सेकेंड के अंदर ही पेनल्टी मिली और अगिमटे डुइसेंगजी ने सटीक फ्लिक से गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि इसके बाद चीन ने दबदबा बनाया। चीन के लिए डू शिहाओ (10वें, 53वें), किजुन चेन (13वें), चांगलियांग लिन (15वें, 39वें), बेनहाई चेन (29वें, 56वें), युआनलिन लू (31वें), जिशेंग गाओ (33वें) शियाओलोंग गुओ (41वें, 58वें) और युआनलिन लू (42वें, 44वें) ने गोल दागे। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता का विजेता अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

भारत ने पिछले मैच की तुलना में किया बेहतर प्रदर्शन

जापान और चीन ने एक-एक जीत दर्ज की है। मेजबान टीम अपना अंतिम पूल मैच सोमवार को कजाखस्तान के खिलाफ खेलेगी जबकि जापान और चीन के बीच होने वाले मुकाबले से पूल ए से सुपर चार में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा। भारत ने पिछले मैच की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। टीम में बेहतर समन्वय दिखा और उसे तेज हॉकी खेली, जिसके कारण प्रतिद्वंद्वी सर्कल के अंदर लगातार हमले हुए। भारत को पहला मौका दूसरे मिनट में ही मिल गया जब हरमनप्रीत ने मनप्रीत को गेंद दी लेकिन सर्कल के ठीक अंदर से लिया गया उनका शॉट गोल से कुछ इंच दूर से बाहर निकल गया।

दिल्ली प्रीमियर लीग

राणा ने खेली तूफानी पारी फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली प्रीमियर लीग के मुकाबलों का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट के दूसरे क्वालीफायर मैच में नितीश राणा ने 26 गेंदों में नाबाद 45 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम वेस्ट दिल्ली लायंस को फाइनल में पहुंचाया है। वेस्ट दिल्ली की टीम ने इस मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 8 विकेट से मात दी। मुकाबले में ईस्ट दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्ट दिल्ली ने 17.3 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

दोसेजा-नितीश ने खेली शानदार पारी

140 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंकित कुमार के रूप में टीम को पहला झटका 16 के स्कोर पर लगा, जब वह 5 गेंदों में 2 रन बनाकर चलते बने। 55 के स्कोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज कृष यादव भी चलते बने, उन्होंने 25 गेंदों पर 7 चौके की मदद से 37 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद आयुष दोसेजा और कप्तान नितीश राणा ने मोर्चा संभाला और दोनों खिलाड़ी टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे।

अर्पित को छोड़कर बाकी के बल्लेबाज रहे फ्लॉप

वहीं ईस्ट दिल्ली टीम की बात करें तो इस मैच में गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक हर डिपार्टमेंट में वह फ्लॉप रहे। बल्लेबाजी की बात करें तो वहां टीम की तरफ से अर्पित राणा को छोड़कर और कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। अर्पित ने 38 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 50 रनों की पारी खेली। इसके अलावा रौनक वाघेला ने 24 रनों का योगदान दिया। टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज इस मैच में बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए। कप्तान अनुज रावत ने इस मैच में टेस्ट के अंदाज में बैटिंग की और 18 गेंदों पर 15 रन बनाए।

विश्व चैंपियनशिप

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी ⏭ पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चीन के 11वें वरीय चेन बो यांग और लियू यी से हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पदक सुनिश्चित करने के एक दिन बाद सात्विक और चिराग के पास विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का मौका था लेकिन शनिवार की शाम को 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 19-21, 21-18, 12-21 से हारने के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था।

टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर 2011 से लेकर अब तक इस टूर्नामेंट में पदक जीतने का भारत का सिलसिला जारी रखा था। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम चीनी जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना नहीं कर सकी। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

चेन और लियू की शानदार वापसी

सात्विक और चिराग ने शुरुआती गेम में आक्रामक रवैया अपनाया और जल्द ही 9-3 की बढ़त बना ली। लेकिन चेन और लियू ने इसके बाद शानदार वापसी की और भारतीय जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद चिराग तीसरे गेम प्वाइंट पर चूक गए और चीन की टीम पहला गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 5-1 की बढ़त बना ली। सात्विक के स्मैश और चिराग के नेट पर आक्रामक खेल से भारतीय टीम को बढ़त हासिल करने में मदद मिली। लेकिन इसके बाद चिराग ने नेट पर बार-बार गलतियां की और सात्विक की सर्विस भी अच्छी नहीं रही, जिससे चीन की जोड़ी ने स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। सात्विक के जबरदस्त स्मैश और भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत उन्होंने 21-18 से जीत हासिल की और निर्णायक गेम में प्रवेश किया। तीसरा गेम हालांकि एकतरफा रहा। लियू की सर्विस ने चिराग को बार-बार परेशान किया और चीनी जोड़ी ने 9-0 की बढ़त बना ली।

स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर (दाएं) रियल मैड्रिड और मैलोर्का के बीच स्पेनिश ला लीगा फुटबॉल मैच के दौरान अपनी टीम का दूसरा गोल करने का जश्न मनाते हुए।

पाकिस्तान ने यूएई को हराया

शारजाह। सैम अयूब और हसन नवाज के तूफानी अर्धशतकों की मदद से पाकिस्तान ने टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला में संयुक्त अरब अमीरात को 31 रन से हरा दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज अयूब ने 38 गेंदों पर 69 रन बनाए जबकि नवाज ने 26 गेंदों पर 56 रन की पारी खेली जिसमें छह छक्के शामिल हैं।

कप्तान सलमान अली आगा ने लगातार दूसरी बार टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 207 रन बनाए। यूएई की तरफ से तेज गेंदबाज सगीर खान ने 44 रन देकर तीन विकेट लिए। मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ खान ने यूएई के लिए अपने 50वें टी-20 मैच का जश्न 35 गेंदों पर 77 रन की आक्रामक पारी के साथ मनाया, लेकिन उनके अलावा केवल कप्तान मोहम्मद वसीम (33) ही कुछ योगदान दे पाए। पाकिस्तान ने नियमित अंतराल में विकेट लेकर यूएई को आखिर में आठ विकेट पर 176 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान की तरफ से हसन अली ने 47 रन देकर तीन विकेट लिए।

सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन का सामना वेस्ट जोन से, साउथ जोन से भिड़ेगा नॉर्थ जोन

दोनों क्वार्टर फाइनल ड्रॉ, 2 मैचों में लगे 4 शतक, 2 डबल सेंचुरी

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

दलीप ट्रॉफी 2025 का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन के बीच खेला गया, जो ड्रॉ पर खत्म हुआ तो वहीं दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच खेला गया और ये मैच भी ड्रॉ पर खत्म हुआ। बेशक दोनों मैच ड्रॉ रहे, लेकिन अपने-अपने मैचों में बड़ी बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली।

पहले दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कुछ बल्लेबाजों ने अपने हाथ जमकर दिखाए और इन दोनों मैचों में चार बल्लेबाजों ने शतक लगाए जबकि दो बल्लेबाजों ने दोहरा शतक जड़ा यानी पहले दो मैचों में 4 शतकीय पारी खेली गई जबकि दो दोहरा शतक भी लगा।

मालेवर और बदोनी ने लगाए दोहरे शतक

दानिश मालेवर ने सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ पहली पारी में 222 गेंदों पर 203 रन की पारी खेली थी और फिर वो रिटायर हर्ट हो गए थे। उनकी इस पारी से उनकी टीम को बड़ी बढ़त लेने में काफी आसानी हुई। वहीं दूसरा दोहरा शतक नॉर्थ जोन के खिलाड़ी आयुष बदोनी ने ईस्ट जोन के खिलाफ लगाई। उन्होंने ईस्ट जोन के खिलाफ दूसरी पारी में 223 गेंदों पर नाबाद 204 रन बनाए।

अंकित, ढुल, पाटीदार और शुभम ने ठोकी सेंचुरी

दलीप ट्रॉफी के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अंकित कुमार, यश ढुल, रजत पाटीदार और शुभम शर्मा ने शतकीय पारी खेलने का कमाल किया। सेंट्रल जोन की तरफ से इस टीम के कप्तान रजत पाटीदार ने पहली पारी में नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ 96 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली जबकि सेंट्रल जोन के शुभम शर्मा ने दूसरी पारी में नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ 215 गेंदों पर 122 रन की पारी खेली।

सेमीफाइनल में अजहरुद्दीन करेंगे दक्षिण क्षेत्र की अगुवाई

बेंगलुरु। केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को उत्तर क्षेत्र के खिलाफ चार सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए रविवार को तिलक वर्मा की जगह दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया। तिलक वर्मा को पहले दक्षिण क्षेत्र का कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन उन्हें एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए वह आगे दलीप ट्रॉफी में नहीं खेल पाएंगे। तिलक वर्मा के साथ अजहरुद्दीन टीम के उप-कप्तान थे और अब यह भूमिका तमिलनाडु के एन. जगदीशन को सौंप दी गई है।

छेड़छाड़ की रिपोर्ट पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

हनुमानताल इलाके में शांति बहाल, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि, जबलपुर।

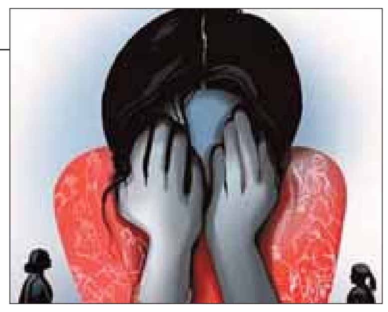

हनुमानताल थाना क्षेत्र के बाबा टोला इलाके में शनिवार शाम एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ की घटना सामने आई। किशोरी कॉलेज से लौट रही थी तभी मोहम्मद समीर अंसारी उर्फ बब्लू खटीक ने उसका रास्ता रोककर हाथ पकड़ने की कोशिश की। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए विरोध किया और घर पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने तुरंत हनुमानताल थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली। संवेदनशीलता को देखते हुए घमापुर, बेलबाग और गोहलपुर थानों का बल भी बुला लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभाला और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया। पुलिस की तत्परता से माहौल शांत हो गया और किसी तरह की अप्रिय स्थिति बनने से पहले ही हालात काबू में कर लिए गए।

आरोपी पर कड़ी कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी मोहम्मद समीर अंसारी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा कि बेटियों की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जाएगा और इस तरह के अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई ही होगी।

पुलिस की तत्परता से लोगों में भरोसा

घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव जरूर हुआ, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से लोगों में भरोसा कायम हुआ। लगातार पेट्रोलिंग और अधिकारियों की मौजूदगी से इलाका शांत बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की तेजी और सख्ती की सराहना की है।

दो हफ्ते में सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश

छात्रसंघ चुनाव को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई 6 अक्टूबर को

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा एवं न्यायमूर्ति विनय सराफ की खण्डपीठ ने छात्र संघ चुनाव को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुये सरकार को दो हफ्ते के अंदर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं. मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को नियत की गई है। याचिकाकर्ता अदनान अंसारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश उपाध्याय, अधिवक्ता अक्षर दीप

एवं रविंद्रनाथ चतुर्वेदी ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालयों की ओर से अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि छात्रसंघ चुनाव कराने का कार्यक्रम और निर्देश पूरी तरह राज्य सरकार से आते हैं तथा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर कोई निर्णय नहीं ले सकते। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले सात–आठ वर्षों से चुनाव नहीं हुए हैं और न ही छात्रसंघ का कोई ढांचा वर्तमान में मौजूद है। राज्य सरकार की ओर से उपस्थित शासकीय अधिवक्ता डॉ. एस.एस. चौहान ने जवाब दाख़िल करने के लिए समय माँगा। खंडपीठ ने राज्य सरकार को दो सप्ताह का में जवाब दाख़िल करने का समय दिया और मामले को 06 अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में पुनः सुनवाई हेतु सूचीबद्ध किया।

एसडीएम के आदेश पर हाईकोर्ट की यथास्थिति

पनागर एसडीएम के निर्णय को दी गई थी हाईकोर्ट में चुनौती

जबलपुर। पनागर में अपने खर्च पर खेत में बनाई गई एक सड़क को लेकर एसडीएम पनागर के एकतरफा आदेश पर मप्र उच्च न्यायालय ने यथास्थिति के आदेश दिए हैं। इस मामले में माँ काली डेवलपर द्वारा एसडीएम पनागर के आदेश को चुनौती दी गई थी। जिसमें एसडीएम के द्वारा ग्राम औरेया में कृषि कार्य हेतु मुरम डालकर बनाई गई रोड को हटाने का आदेश दिया था। याचिकाकर्ता के अनुसार उन्होंने कॉलोनी बनाने के उद्देश्य से जमीन खरीदी लेकिन कॉलोनी बनाने हेतु आवश्यक अनुमति टीएनसीपी भोपाल के पास लंबित हैं। इसी बीच याचिकाकर्ता ने उक्त करीब 10 हेक्टेयर भूमि पर खेती करने का निश्चय किया एवं खेती में आवागमन के उद्देश्य से मुरम की रोड डाली। इसके साथ ही नगर निगम से आवश्यक अनुमति लेकर नाले के ऊपर स्वयं के खर्च से पुल बनाया लेकिन कथित तौर पर एक स्थानीय नागरिक ने दुर्भावनावश एसडीएम पनागर के समक्ष अतिक्रमण हटाने के संबंध में शिकायत की। जिस पर याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया गया। जिस पर याचिकाकर्ता द्वारा जवाब भी प्रस्तुत किया लेकिन जवाब प्रस्तुत करने के बावजूद एसडीएम द्वारा आदेश न पारित करते हुए दुर्भावनावश तहसीलदार पनागर को आदेश दे दिया कि याचिकाकर्ता के द्वारा आवागमन के लिए बनाई गई रोड को तुरंत हटाया जाए। जिस पर तहसीलदार ने तीन दिन में रोड हटाने का आदेश पारित किया। जिससे व्यथित होकर याचिकाकर्ता ने संभागायुक्त के समक्ष अपील की। समयाभाव का हवाला देकर संभागायुक्त द्वारा अपील की सुनवाई न किए जाने से व्यथित याचिकाकर्ता ने न्यायालय की शरण ली। मप्र उच्च न्यायालय में याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस विशाल मिश्रा ने पाया कि एसडीएम का आदेश विधि संगत नहीं है, कोई भी कार्यवाही करने से पहले संबंधित तहसीलदार या पटवारी से प्रतिवेदन मंगवाना चाहिए था। न्यायालय ने अनावेदक को नोटिस जारी करते हुए रोड हटाने पर यथा स्थिति के आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा एवं कौशलेंद्र सिंह ने पैरवी की।

लिंक भेजकर खाते से 78 हजार निकाले

जबलपुर। गोहलपुर थानान्तर्गत चंडालभाटा में एक युवती को ऑनलाईन आर्डर केंसिल कराने के लिए कम्पनी का हेल्पलाईन नंबर सर्च करना महंगा पड़ गया अज्ञात जालसाज ने आर्डर केंसिल कराने का झांसा देकर एक लिंक डाउनलोड कराकर उसके बैंक खाते से 78 हजार रूपए साफ कर दिए। गोहलपुर पुलिस ने बताया कि चंडालभाटा गोहलपुर निवासी निशा तामिया ने ऑनलाईन आर्डर बुक किया था लेकिन निशा से ज्यादा आर्डर बुक हो गया था जिसे वह केंसिल कराना चाहती थी निशा ने इसके लिए कम्पनी का हेल्पलाईन नंबर सर्च किया तो एक जालसाज ने वाटसअप के माध्यम से निशा को आर्डर केंसिल कराने एक लिंक डाउनलोड कर रिफंड के लिए यूपीआई पिन डालने कहा तो निशा ने जैसे ही लिंक डाउन लोड कर अपना यूपीआई पिन फोन पे पर डाला तो उसके खाते से ७८ हजार रूपए कट गये।

एटीएम में तोड़फोड़ मामले में भतीजे के साथ मौसी गिरफ्तार

फीस के लिये रुपये नहीं होने पर किया चोरी का प्रयास

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत स्टेट बैंक आफ इंडिया के एटीएम में तोड़फोड़ कर सीसीटीवी कैमरे चोरी करने के आरोप में एक महिला व एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. महिला ने अपनी बहन के पुत्र की फीस चुकाने के लिये नाबालिग के साथ यह वारदात करने की कोशिश की थी. संजीवनी नगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रा कालोनी चिचली नरसिंहपुर निवासी भारती मेहरा उम्र 24 वर्ष निवास इंद्रा कालोनी चिचली नरसिंहपुर की बहन का 16 वर्षीय पुत्र जो कि कक्षा 11वीं मे पढ़ता है. बच्चे ने स्कूल की फीस देने के संबंध में मौसी भारती से चर्चा की. जिसपर भारती ने नाबालिग भतीजे के साथ एटीएम मे चोरी करने की योजना बनाई. योजना के अनुसार एक्टीवा में भारती अपने भतीजे के साथ लोहे की रॉड , स्टील की रिंग रॉड, पट्टी पाना एवं पिंचिस साथ लेकर एटीएम पहुंची. जहां पर दोनों ने एटीएम में तोडफोड़ कर रुपए निकालने की कोशिश की जब रुपए नहीं निकले तो एटीएम में लगे कैमरों को तोडकर अपने साथ घर ले आये. इस मामले में ब्रांच के मैनेजर सुनील कुमार मीना की रिपोर्ट पर धारा 303(2), 334(2), 324(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गए. जांच में मिले फुटेज के आधार पर चिन्हित करते हुये श्रीमति भारती मेहरा उम्र 24 वर्ष निवास इंद्रा कालोनी चिचली नरसिंहपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने तोडफ़ोड़ करना स्वीकार किया. महिला व 16 वर्षीय विधि विवादित बालक को अभिरक्षा में लेते हुये घटना में प्रयुक्त एक्टीवा तथा चुराये हुये कैमरे, लोहे की रॉड, स्टील की रिंग रॉड, पट्टी पाना एवं पिंचिस जप्त की गई है. दोनों को चोरी के प्रयास में गिरफ्तार किया गया।

ट्रेन पमरे जबलपुर से प्रस्थान कर सिहोरा रोड, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी

शहर से दानापुर तक चलेगी पूजा स्पेशल

जबलपुर। त्यौहार के अवसर पर पमरे ने जबलपुर-दानापुर के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया हैं। पमरे ने दुर्गा, दिवाली एवं छठ पूजा त्यौहारों के पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए जबलपुर-दानापुर के मध्य द्वि-साप्ताहिक 12-12 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह गाड़ी पमरे के जबलपुर से प्रस्थान कर सिहोरा रोड, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। पूजा स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर से दानापुर स्पेशल ट्रेन 26 सितंबर से 5 नवंबर तक द्वि-साप्ताहिक बुधवार एवं शुक्रवार को एक्सप्रेस ट्रेन जबलपुर से रात 19:35 बजे

प्रस्थान कर सिहोरा रोड 20:10 बजे, कटनी 21:10 बजे, मैहर 22:10 बजे, सतना 22:45 बजे पहुँचकर और अगले दिन गुरुवार एवं शनिवार को सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01702 दानापुर से जबलपुर स्पेशल ट्रेन 27 सितंबर से 6 नवंबर तक द्वि-साप्ताहिक गुरुवार एवं शनिवार को एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर स्टेशन से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी रात 20:30 बजे, पहुंचकर अगले दिन सतना मध्य रात्रि 00:55 बजे, मैहर 01:28 बजे, कटनी 02:30 बजे, सिहोरा रोड 03:30 बजे और शुक्रवार एवं रविवार को भोर में 04:15 बजे जबलपुर स्टेशन पहुँचेगी। इस गाड़ी में 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 5 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 8 शयनयान श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 17 कोच रहेंगे। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

सर्प दंश से युवक की मौत

जबलपुर। बरेला थानान्तर्गत ग्राम सिलुआ में घर में जमीन पर सो रहे एक युवक को उसके दाहिने हाथ में सांप ने काट लिया था जिसे ईलाज के लिए उसके परिजन मेडिकल अस्पताल ले गये थे जहां कल सुबह ईलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर जांच में लिया गया । बरेला पुलिस ने बताया कि ग्राम सिलुआ में रामप्रसाद केवट का भतीजा दिलीप कुमार केवट गत 27 अगस्त को रात दस बजे खाना खाकर जमीन पर सो गया था जिसे रात एक जहरीले सांप ने दाहिने हाथ में काट लिया। दिलीप को उपचार के लिए उसके परिजन मेडिकल अस्पताल ले गये। जहां कल सुबह दिलीप की मौत हो गई।

एमपी ट्रांसको शहडोल को डॉ. टाटा राव स्मृति शील्ड

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस मुख्यालय शहडोल ने वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य की सर्वश्रेष्ठ ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस टीम का सम्मान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर शहडोल को कंपनी की प्रतिष्ठित डॉ. टाटा राव स्मृति शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। हाल ही में जबलपुर में आयोजित समारोह में एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने यह सम्मान शहडोल टीम के सहायक अभियंता जितेंद्र तिवारी तथा लाइन मेंटेनेंस कर्मी बलसिंह, फरहान और आशीष पाल को प्रदान किया। टीम को वर्षभर में कठिन परिस्थितियों में समय पर मरम्मत व रखरखाव कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए यह पुरस्कार दिया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन एवं पुतला दहन आज

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत माता जी को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा अपमानजनक टिप्पणी और अभद्र भाषा कहने के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओ द्वारा सोमवार 01 सितंबर को दोपहर 1 बजे मालवीय चौक में प्रदर्शन कर कांग्रेस नेताओं का पुतला दहन किया जायेगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया बिहार में कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री जी के लिए की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी जिलों में भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा महिला नेत्रियों के नेतृत्व में प्रदर्शन किया जा रहा है इसी तारतम्य में जबलपुर महानगर द्वारा कल प्रदर्शन किया जायेगा, विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में महिला मोर्चा पदाधिकारियों के साथ विभिन्न संगठनों की बहनें शामिल होंगी और राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने मातृ शक्ति से उपस्थिति की अपील की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हमले की निंदा

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के काफिले पर रतलाम में हमला शासन प्रशासन की नाकामी का नतीजा है जिसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी की सुरक्षा में चूक शासन प्रशासन की लापरवाही को दर्शाता है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा, प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी, विजय अग्रवाल, राजेश पटेल, अशोक यादव, पी पी पटेल, राजू तोमर ,अशोक चौधरी, लखन श्रीवास्तव पवन नामदेव अस्सू खान डॉ मोइन अंसारी मामूर गुड्डू राजा खान आदि ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के हमलावरों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है और कांग्रेस अध्यक्ष की सुरक्षा में की गई लापरवाही पर दोषी अधिकारियों के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही हो और उनकी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए।

डिफेंस सेक्टर के चार बड़े संगठन लामबंद, आंदोलन की तैयारी

सर्विस कंडीशन में सरकार की टालमटोली से आक्रोश

हरिभूमि जबलपुर।

केन्द्र सरकार द्वारा देश की 41 आयुध निर्माणियों को गत 1 अक्टूबर 2021 को सरकार द्वारा 41 आयुध निर्माणियों को 7 डीपीएसयू में तब्दील कर दिया गया. तब से सभी कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर है. इसका मुख्य कारण कर्मचारियों के सर्विस कंडीशन का प्रारूप नहीं तय कर पाना है. यूनियन के मीडिया प्रभारी उत्तम विश्वास ने बताया की हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार द्वारा कर्मचारी संगठनों की बात नहीं मानी जा रही है. लिहाजा डिफेंस सेक्टर के चार बड़े संगठन एआईडीईएफ, आईएनटीयूसी, बीपीएमएस एवं सीडीआरए लामबंद हो गये हैं. इस संगठनों ने मांग की है कि कर्मचारियों को प्रसार भारती मॉडल दिया जाए जिसमें कर्मचारियों को अपने सेवा निवृत्ति तक सरकारी कर्मचारी माना जाए ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन द्वारा हाई कोर्ट में इसकी अपील की गई थी जिसमें हाई कोर्ट द्वारा कर्मचारियों की सेवा शर्त को पूर्व की भांति

रखने हेतु आदेशित किया गया था मगर सरकार ने न कर्मचारी संगठनों से चर्चा किया न ही हाई कोर्ट के आदेशों को माना. यही से सभी कर्मचारी संगठन एक शुरू में विरोध हेतु लामबंद हुए एवं जॉइंट फोरम बनाकर संयुक्त हस्ताक्षर कर विरोध कार्यक्रम तैयार किया जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा हस्ताक्षर अभियान पर्चा वितरण आम सभा स्ट्राइक वॉलेट एवं हड़ताल इत्यादि कार्यक्रम कर विरोध प्रदर्शन करना एवं अपनी सेवा शर्त भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु आंदोलन करना है कर्मचारी संगठनों द्वारा यह मांग किया जा रहा है कि सरकार नोटिफिकेशन के माध्यम से सेवा शर्त सुरक्षित करने हेतु दस्तावेज दें जिस पर की सरकार द्वारा कोई प्रतिक्रिया न देकर एक कमेटी बना दी गई है. यूनियन की मांग को दरकिनार कर दिया जिससे सभी 41 आयुध निर्माण के कर्मचारियों के भविष्य सेवा शर्त में एक अंधेरा बादल छा गया. ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन पाठक एवं महामंत्री सी कुमार ने एक सर्कुलर जारी किया जिसमें सभी संगठन के हस्ताक्षर एवं विरोध हेतु विस्तृत जानकारी है सभी संगठन अपने एफिलिएटिड यूनियनों को यह सर्कुलर जारी किया है एवं विरोध प्रदर्शन हेतु तैयार रहने को कहा गया है. सर्कुलर मिलते ही जबलपुर के श्रमिक संगठनों में गहमा गहमी तेज हो गया है खमरिया फैक्ट्री के पुष्पेंद्र सिंह सुकेश दुबे जीसीएफ के विनय गुप्ता रोहित यादव अमित चंदेल वी एफ जे के राम भुवन पटेल वीरेंद्र साहू जीआईएफ के राजेश पटेल मनोज साहू राकेश दुबे सहित ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लॉय फेडरेशन के संगठन मंत्री अर्नब दास गुप्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य अमरीश सिंह द्वारा सभी कर्मचारियों को अपनी सेवा शर्त एवं भविष्य सुरक्षित हेतु आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया है।

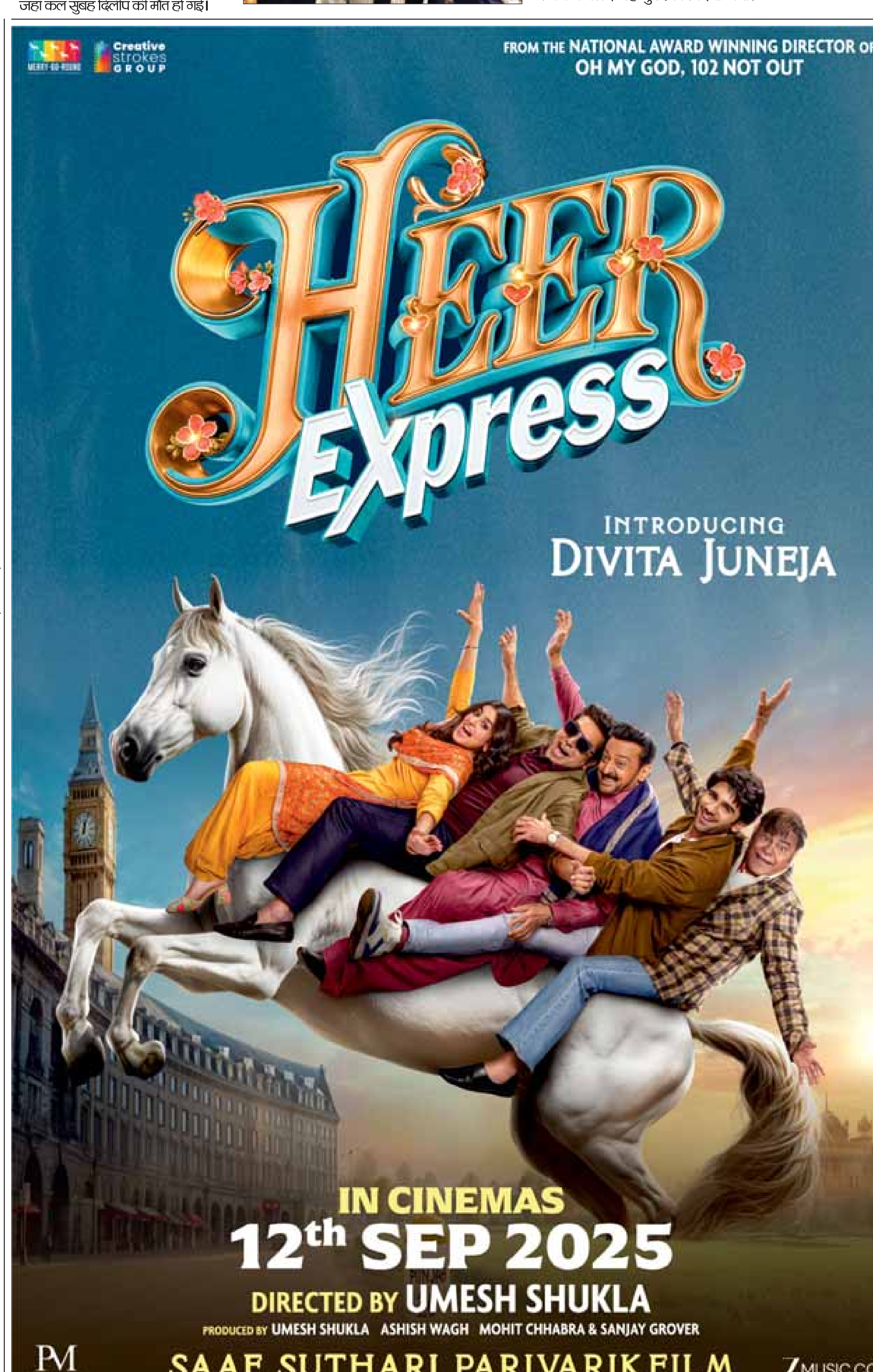

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240